@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 2 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 141 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में फेल है मोदी सरकार: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वन अधिकार अधिनियम को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में फेल है। कांग्रेस नेता ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट में वन अधिकार अधिनियम का बचाव करने के लिए तेजी से कार्रवाई करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) की अवहेलना करती है। इससे लाखों आदिवासी परिवार अपनी पारंपरिक भूमि से बेदखल हो रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने अन्याय को खत्म करने और आदिवासियों का जल, जंगल और जमीन पर अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 2006 में कानून पेश किया था। अब केंद्र सरकार की निष्क्रियता के कारण एफआरए के तहत अनगिनत वास्तविक दावों को बिना किसी समीक्षा के मनमाने ढंग से खारिज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने उन सभी लोगों को बेदखल करने का आदेश दिया, जिनके दावे खारिज कर दिए गए थे। इसके बाद पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। जवाब में अदालत ने बेदखली रोक दी और खारिज किए गए दावों की गहन समीक्षा करने का आह्वान किया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मामला दो अप्रैल को फिर से सुप्रीम कोर्ट में आया और एक बार फिर मोदी सरकार कार्रवाई में गायब रही। सरकार 2019 में कानून का बचाव करने में विफल रही और आज भी आदिवासी अधिकारों के लिए खड़े होने का कोई इरादा नहीं दिखाती है। इससे भी बुरी बात यह है कि लाखों लंबित और खारिज किए गए दावों की समीक्षा या पुनर्विचार करने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर मोदी सरकार वास्तव में आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करना चाहती है और लाखों परिवारों को बेदखली से बचाना चाहती है, तो उसे तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए और अदालत में वन अधिकार अधिनियम का बचाव करना चाहिए।

आज संसद में पेश होगा वक्फ संशोधन बिल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। अल्पसंख्यक और संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजिजू को भरोसा है कि दो अप्रैल को 12 बजे संसद में वक्फ संशोधन बिल पेश होगा और सदन में पारित होगा। किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार बिल के मसौदे पर व्यापक चर्चा चाहती है। हालांकि उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विपक्ष चर्चा से बचने के लिए वॉकआउट का सहारा ले रहा है। वक्फ बिल को सदन में पेश किए जाने को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष ने खेमेबंदी के साथ साथ रणनीतिक तैयारी तेज कर दी है। भाजपा ने अपने सांसदों को अगले तीन दिन तक सदन में मौजूद रहने की हिदायत देते हुए व्हिप जारी किया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने भी व्हिप जारी किया है। रिजिजू कहते हैं कि विपक्ष का मकसद केवल हंगामा करना है। वह चर्चा में हिस्सा लेने से भाग रहे हैं। वक्फ बिल पर चर्चा के लिए लोकसभा में आठ घंटे का समय प्रस्तावित है। लोकसभा की सुबह हुई बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (कार्य मंत्रणा समिति) की बैठक के दौरान विपक्ष ने चर्चा का समय बढ़ाने की मांग की थी। पहले सरकार इस पर छह घंटे की चर्चा की मांग चाहती थी, जबकि विपक्ष 12 घंटे की चर्चा चाहता था। विपक्ष इस बैठक में अपना पक्ष रखा और इसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी से वॉकआउट कर गया। रिजिजू ने इस पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि चर्चा के लिए कुछ नहीं है तो बहाना न बनाइए। लोकसभा से पारित होने के बाद यह विधेयक राज्यसभा में आएगा। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री का कहना है कि सरकार बिल पर चर्चा चाहती है। इसलिए जरूरत पड़ने पर संसद के सत्र को आगे बढ़ाया जाएगा। रिजिजू के मुताबिक लोकसभा में चर्चा के बाद राज्यसभा में भी व्यापक चर्चा के लिए समय चाहिए। जबकि संसद का मौजूदा सत्र चार अप्रैल तक ही प्रस्तावित है। केंद्र सरकार के अधीन प्रेस सूचना ब्यूरो के प्रधान महानिदेशक से लेकर विभिन्न मंत्रालयों का अमला पिछले दो सप्ताह से वक्फ बिल पर आम राय बनाने में जुटा है। विभिन्न समाचार पत्रों, माध्यमों में इसको लेकर लगातार प्रचार-प्रसार जारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने मार्च के तीसरे सप्ताह में ही वक्फ बिल को संसद के इसी सत्र में पेश किए जाने की सूचना दी थी। कानून मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की थी। बताते चलें इस तरह की संभावना विपक्ष के राजनीतिक दलों को भी दिखाई दे रही थी। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुद वक्फ बिल को लेकर लगातार संवेदनशील बने हुए हैं। वक्फ बिल को लेकर सरकार के घटक दल जद(यू) और टीडीपी के मुंह फुलाने की संभावना थी, लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों ने इन दोनों सहयोगी दलों को साध लिया है। जद(यू) के कोटे से केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन(ललन सिंह) ने कहा कि उनकी पार्टी वक्फ बिल को लेकर अपना रुख सदन को बताएगी। ललन सिंह ने इसको लेकर गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर उनसे चर्चा की। गृहमंत्री को जद(यू) की चिंताओं से अवगत कराया। वहीं सांसद संजय झा ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। वहां अल्पसंख्यकों के हित में उनकी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक कोई पहली बार संसद में नहीं पेश हो रहा है। पहले भी आया है। जद(यू) के अलावा भाजपा ने एनडीए के घटक दल टीडीपी से भी रणनीतिक समर्थन की तैयारी पूरी कर ली है। टीडीपी के नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इसे समर्थन देने की मंशा से भाजपा के नेताओं को अवगत करा दिया है।

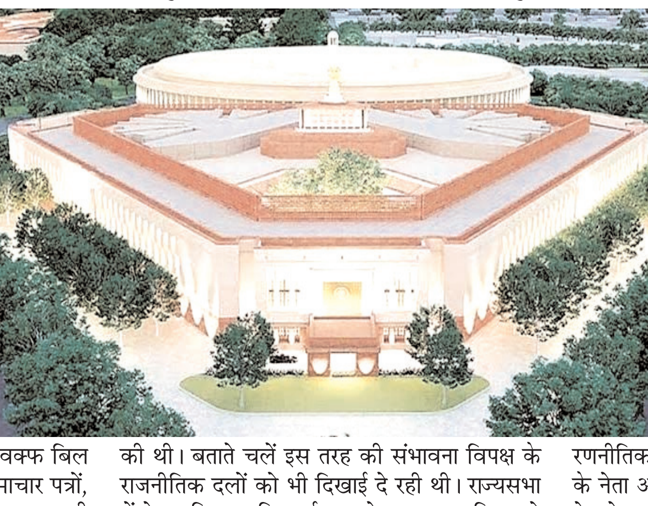

वक्फ बिल विधेयक के पक्ष में मतदान न करें धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। लोकसभा में बुधवार को पेश होने वाले वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है। बोर्ड ने एक पत्र जारी करते हुए कहा है कि भाजपा के सहयोगी दलों और सांसदों सहित सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल वक्फ (संशोधन) विधेयक का कड़ा विरोध करें और इसके पक्ष में किसी भी परिस्थिति में मतदान न करें। एक्स पर पोस्ट में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा कि अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने देश की सभी धर्मनिरपेक्ष और संसद सदस्यों से अपील की है कि जब कल संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाए तो वह न केवल इसका पुरजोर विरोध करें बल्कि इसके खिलाफ मतदान करके भाजपा सांप्रदायिक एजेंडे को नाकाम करें। उन्होंने कहा कि यह विधेयक न केवल भेदभाव और

अन्याय पर आधारित है बल्कि भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों से संबंधित अनुच्छेद 14, 25 और 26 के सीधे खिलाफ है। रहमानी ने कहा कि भाजपा इस विधेयक के ज़रिए वक्फ कानून को कमजोर करना चाहती है और वक्फ संपत्तियों को हड़पने तथा नष्ट करने का रास्ता साफ करना चाहती है। वैसे भी पूजा स्थल अधिनियम की मौजूदगी के बावजूद हर मस्जिद में मंदिर ढूंढने का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। यदि यह संशोधन पारित हो गया तो वक्फ संपत्तियों पर सरकारी और गैर-सरकारी अवैध दावों की बाढ़ आ जाएगी और कलेक्टर तथा डीएम के माध्यम से इन्हें हड़पना आसान हो जाएगा। बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि इन संशोधनों के जरिए वक्फ बाई यूजर (ङ्खड्डह्नद्ध ड्ढ4-ह्वह्यद्गह्) की समाप्ति, लिमिटेशन एक्ट से छूट को खत्म किया जाना, वक्फ बोर्ड और सेंट्रल वक्फ काउंसिल में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना और वक्फ ट्रिब्यूनल की शक्तियों को कम किया जाना, ये सभी बदलाव वक्फ संपत्तियों को मिलने वाले संरक्षण को समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि इस एक्ट में केंद्र और राज्य सरकार, नगर निगम और अर्ध-स्वायत्त संस्थाओं की भागीदारी तथा सरकारी दावों का निपटारा वक्फ ट्रिब्यूनल के बजाय कलेक्टर या डीएम के माध्यम से किया जाना ऐसा संशोधन है जो वक्फ संपत्तियों पर सरकार के अवैध कब्जे को वैध बना देगा। ये सभी संरक्षण देश में अन्य धर्मों की वक्फ संपत्तियों को भी प्राप्त हैं, इसलिए केवल मुस्लिम वक्फ संपत्तियों को निशाना बनाना भेदभाव और अन्याय है। मौलाना रहमानी ने कहा कि भारत हिंदू-मुस्लिम भाईचारे और एक-दूसरे के धर्म, रीति-रिवाजों और त्योहारों के सम्मान के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। लेकिन दुखद है कि इस समय देश की बागडोर उन तत्वों के हाथ में है जो इस सांप्रदायिक सौहार्द को नष्ट करके देश में अराजकता और अशांति पैदा करना चाहते हैं।

अमित शाह से मिले सपा के बागी विधायक

लखनऊ, 1 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से समाजवादी पार्टी के तीन बागी विधायकों विनोद चतुर्वेदी, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह ने मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सपा का साथ छोड़ने की वजहों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, भविष्य की राजनीति के बारे में भी चर्चा की। सपा के बागी विधायकों की इस मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में प्रदेश में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर फिर से अटकलें शुरू हो गई हैं। बता दें कि सपा से बगावत करने वाले विधायक बीते दिनों भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मिलते रहे हैं, हालांकि उन्हें पार्टी में शामिल करने अथवा कोई अहम जिम्मेदारी देने को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इससे बागी विधायक अपने भविष्य को लेकर चिंतित भी हैं। मंगलवार को भाजपा के राज्यसभा सांसद संजय सेठ के साथ तीनों बागी विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री से मिलकर अपनी चिंताओं से अवगत कराया। बता दें कि सपा ने भी अपने बागी विधायकों की सदस्यता खत्म कराने के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं विधायकों की बगावत के बाद लोकसभा चुनाव में इसका खास असर देखने को नहीं मिला। चुनाव में भाजपा को मिली शिकस्त के बाद बागी विधायकों की उपयोगिता पर भी सवाल उठने लगे थे। वहीं दूसरी ओर बागी विधायकों की केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। सपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर लिखा, जो अपने दर से दगा करता है, वो दर-दर भटकता है। बता दें कि सपा अध्यक्ष इस बगावत के बाद विधायकों से नाराज चल रहे हैं। वह कई बार विधायकों को वापस नहीं लेने का बयान भी दे चुके हैं।

जिनपिंग ने भारत की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ

सौरभ शर्मा

बीजिंग, 1 अप्रैल। चीन ने एक बार फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कहा कि चीन और भारत को और अधिक निकटता से मिलकर काम करना चाहिए। दोनों देशों रिश्ते को ड्रैगन-हाथी टैंगो का रूप लेना चाहिए। यह हमारे प्रतीकात्मक जानवरों के बीच नृत्य है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चीन-भारत के राजनयिक संबंधों की शुरुआत की 75वीं वर्षगांठ पर बधाई संदेश में चीनी राष्ट्रपति ने यह बात कही। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने भी चीनी राष्ट्रपति को बधाई दी। शी जिनपिंग ने कहा कि पड़ोसियों को शांतिपूर्ण ढंग से सह-अस्तित्व के तरीके ढूंढने चाहिए। वह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मामलों में संचार और समन्वय को बढ़ाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति की रक्षा करने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति शी ने मुर्मू को भेजे अपने संदेश में कहा कि चीन और भारत दोनों प्राचीन सभ्यताएं, प्रमुख विकासशील देश और वैश्विक दक्षिण के महत्वपूर्ण सदस्य अपने-अपने आधुनिकीकरण प्रयासों के महत्वपूर्ण चरण में हैं। चीन-भारत संबंधों का विकास दर्शाता है कि चीन और भारत के लिए पारस्परिक उपलब्धि के भागीदार बनना और ड्रैगन हाथी टैंगो को साकार करना सही विकल्प है, जो दोनों देशों और उनके लोगों के मौलिक हितों की पूरी तरह से रक्षा करता है। पीटीआई के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि स्थिर, पूर्वानुमानित और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध से दोनों देशों और विश्व को लाभ होगा। इसके अलावा चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई संदेशों का आदान-प्रदान किया। इससे पहले चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों का ऐतिहासिक क्रम दर्शाता है कि एक-दूसरे की सफलता में योगदान देने वाले साझेदार बनना तथा ड्रैगन और हाथी का नृत्य दोनों पक्षों के लिए सही विकल्प है। गुओ ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में चीन द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखने और संभालने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। दोनों देशों को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मामलों में संचार और समन्वय को मजबूत करना चाहिए। सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति बनाए रखना चाहिए और चीन-भारत संबंधों को सुदृढ़ और स्थिर विकास के पथ पर आगे बढ़ाना चाहिए। भारत और चीन ने पिछले साल बातचीत के बाद एक समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख के अंतिम दो टकराव बिंदुओं, देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित की। जिससे पिछले चार साल से अधिक समय से दोनों देशों के बीच चल रहा तनाव बहुत हद तक कम हो गया। समझौते को अंतिम रूप देने के बाद मोदी और शी ने 23 अक्तूबर को कजान में वार्ता की। बैठक में दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर बातचीत फिर से शुरू करने का निर्णय लिया। इसके बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वांग ने 18 दिसंबर को बीजिंग में 23वीं विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता की।

मैं योगी हूं, हमेशा के लिए राजनीति में नहीं: सीएम योगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 1 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं निभा रहा हूं। पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पर शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री महाराष्ट्र से होगा जिस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी जी ही देश का नेतृत्व करेंगे। हमारी संस्कृति में जब तक पिता जीवित होता है उत्तराधिकारी की बात नहीं की जाती है। केंद्रीय नेतृत्व से मतभेद होने से जुड़े सवाल को खारिज करते हुए योगी ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व के साथ मेरा कोई मतभेद नहीं है। मतभेद होता तो मैं यहां नहीं बैठा होता। मैं खुद को विशेष भी नहीं मानता हूं। योगी ने हैरानी जताते हुए कहा कि पता नहीं मतभेद होने की बात कहां से आ जाती है। पार्टी के कारण ही मैं यहां बैठा हूं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केंद्रीय नेताओं के साथ मतभेद करके मैं यहां बैठा रह सकता हूं? मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है बल्कि समाज की भलाई करना है। इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है तो मुश्किल आती है लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है। पार्टी में टिकट वितरण में सीएम की भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि टिकट वितरण का काम संसदीय बोर्ड करता है। संसदीय बोर्ड में सभी वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में उम्मीदवारों के नाम पर सार्वजनिक तौर पर चर्चा होती है। आपस में गहन विचार-विमर्श के बाद ही प्रत्याशी के नाम तय होते हैं इसमें किसी के चलने या न चलने की बात ही नहीं है। संसदीय बोर्ड के सदस्य सभी नामों के बारे गहनता से छीनबीन के बाद ही सूची फाइनल करते हैं।

2000 के नोटों पर आरबीआई का बड़ा खुलासा

मुंबई, 1 अप्रैल। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि 2000 रुपये के 98.21 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,366 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे नोट अब भी जनता के पास हैं। 19 मई, 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने बताया कि 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने के दौरान चलन में रहे 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। 31 मार्च 2025 को कारोबार बंद होने के बाद बाजार में करीब 6,366 करोड़ रुपये के नोट शेष बच गए हैं। आरबीआई ने बयान में कहा, इस प्रकार, 19 मई 2023 तक प्रचलन में रहे 2000 रुपये के 98.21 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ चुके हैं। 2000 रुपये के बैंक नोट जमा करने और/या बदलने की सुविधा 7 अक्तूबर 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, यह सुविधा अब भी रिज़र्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। 9 अक्तूबर 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं।

कैग रिपोर्ट में खुलासा: वायु प्रदूषण में दिल्ली फिसड्डी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। सर्दियों के सीजन में दिल्ली गैस चैंबर बन जाती है। लोगों के लिए यहां सांस लेना दूभर हो जाता है। अपनी इस नाकामी के कारण दिल्ली वायु प्रदूषण के मामले में दुनिया के सबसे खराब शहरों में गिनी जाती है। लेकिन कैग रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इस गंभीर स्थिति के बाद भी दिल्ली के नीति नियंताओं ने स्थिति को सुधारने के लिए अपेक्षित काम नहीं किया। प्रदूषण को कंट्रोल करने के नाम पर खूब जोर शोर से प्रचार किया गया, लेकिन जमीन पर नीतियों को लागू करने में बड़ी खामी रही जिसके कारण दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक अप्रैल को विधानसभा के पटल पर वायु प्रदूषण पर कैग (ष्टत्र) की 108 पेज की रिपोर्ट रखी। इसमें 31 मार्च 2021 तक के आंकड़ों का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट में वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए उठाए गए कई उपायों को हवा-हवाई बताया गया है। यहां तक कि कैग ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली की एजेंसियों ((ष्टक्क्रस्) के पास वे आंकड़े तक उपलब्ध नहीं थे जिनके आधार पर वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कदम उठाए जाते। कुछ एजेंसियों द्वारा आंकड़े इकट्ठे करने की बात कही गई थी, लेकिन कैग ने पाया है कि इन एजेंसियों के आंकड़े केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप नहीं थे। कई सर्वे में यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का एक सबसे बड़ा कारण स्थानीय वाहनों के द्वारा किया जा रहा उत्सर्जन है। लेकिन कैग रिपोर्ट ने बताया है कि वाहनों को प्रदूषण सर्टिफिकेट देने के मामले में जमकर धांधली की जा रही है। रिपोर्ट जारी करने के पहले वाहनों की उचित तरीके से जांच भी नहीं की जा रही है। यहां तक कि कई बार एक ही प्रदूषण सर्टिफिकेट जारी करने वाले सेंटर से एक-दो मिनट के अंतर में ही कई प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए, जबकि एक वाहन की चेकिंग में ही कई मिनट समय लग जाता है। इससे साफ होता है कि प्रदूषण नियंत्रण सर्टिफिकेट जारी करने के मामले में धांधली हो रही है, लेकिन इस पर कोई रोक नहीं लगाई जा सकी है। 2018 से 2021 के बीच दिल्ली में अधिक उम्र वाले 47.51 लाख वाहनों को सड़कों से हटाया जाना था। इनका रजिस्ट्रेशन नंबर रद्द कर इन वाहनों को सड़कों पर चलने से रोककर भी वाहनों के द्वारा होने वाले प्रदूषण पर रोक लगाने की कोशिश होनी चाहिए थी। लेकिन कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान केवल 2.98 लाख वाहनों को ही सड़कों से हटाया जा सका। इससे दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी रही। दिल्ली में सार्वजनिक वाहनों की कमी के कारण भारी संख्या में लोग निजी वाहनों का उपयोग करने के लिए बाध्य होते हैं। कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के लिए बसों की उपलब्धता में भारी कमी है। डीटीसी पर जारी कैग की रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हुआ था कि दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र की डीटीसी बसों की संख्या में भारी कमी हुई है। इसके कारण लोगों ने निजी वाहनों का प्रयोग किया और प्रदूषण बढ़ा। पूरी दुनिया में बैटरी से चलने वाले वाहनों को बढ़ावा देकर स्थानीय प्रदूषण में कमी की जाती है। दिल्ली में भी इस योजना का खूब प्रचार-प्रसार किया गया, लेकिन कैग का दावा है कि दिल्ली में ई-वाहनों को पर्याप्त बढ़ावा नहीं दिया जा सका। इसके लिए आधारभूत ढांचे में कमी और पर्याप्त प्रचार-प्रसार न होना एक कारण हो सकता है। पूर्ववर्ती दिल्ली सरकार ने ऑड-इवेन योजना लागू कर प्रदूषण में कमी लाने का दावा किया था। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि यह योजना सही तरीके से लागू नहीं की गई जिसके कारण इसका अपेक्षित असर नहीं हुआ और दिल्ली के प्रदूषण को काबू नहीं किया जा सका। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि इस रिपोर्ट में पूरी जानकारी नहीं है। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण पर पूरी रिपोर्ट पेश नहीं की है। इससे पता चलता है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर एक-दूसरे से मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह शीला दीक्षित सरकार के अंदर सीएनजी चालित वाहनों को बढ़ावा देकर वायु प्रदूषण में कमी लाई गई थी, दिल्ली को उसी तरीके के प्रभावी कामकाज की आवश्यकता है।

अतीत की खोज में लगे रहने से समाज बदलावों से विमुख होगा: होसबाले

बंगलूरू, 1 अप्रैल। मस्जिदों की खुदाई को आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने निरर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों पर ध्यान नहीं दे पाएगा और विमुख होगा। जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में नई भावनाओं का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्वयंसेवकों को काशी विश्वनाथ वाराणसी और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा के पुनर्निर्माण के प्रयासों में भाग लेने से नहीं रोकेगा। एक साप्ताहिक पत्रिका को दिए गए साक्षात्कार में होसबाले ने कहा कि आज समाज धर्मांतरण, गोहत्या, लव जिहाद और कई अन्य चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्व हिंदू परिषद और धर्म गुरुओं ने तीन मंदिरों के बारे में बात की। अगर कुछ स्वयंसेवक इन तीन मंदिरों से संबंधित प्रयासों में शामिल हैं, तो संघ उन्हें रोक नहीं रहा है। होसबाले ने यह भी कहा कि संघ ने राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू नहीं किया था। उन्होंने कहा कि कई साधुओं, संतों और मठाधिपतियों ने बैठक में चर्चा की और राम जन्मभूमि को पुन: प्राप्त करने का निर्णय लिया। उन्होंने समर्थन के लिए संघ से संपर्क किया था और हम इस बात पर सहमत हुए थे कि सांस्कृतिक दृष्टिकोण से राम जन्मभूमि को पुन: प्राप्त करना और मंदिर का निर्माण आवश्यक था। उन्होंने मस्जिदों के नीचे से मंदिर खोदने को निरर्थक बताया। उन्होंने कहा कि अगर हम अन्य सभी मस्जिदों और संरचनाओं के बारे में बात करते हैं, तो क्या हमें 30,000 मस्जिदों को खोदना शुरू कर देना चाहिए और इतिहास को पलटने का प्रयास करना चाहिए? क्या इससे समाज में और अधिक शत्रुता और आक्रोश पैदा नहीं होगा? क्या हमें एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए या अतीत में ही अटके रहना चाहिए?

रवि लामिछाने ने संभाली पार्टी की कमान, सांसद पद बहाल करने की मांग

काठमांडू। सहकारी घोटाले में करीब तीन महीने तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद रिहा हुए पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने ने मंगलवार को एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली है। उन्होंने स्पीकर से मुलाकात करके सांसद पर पुनर्बहाली की मांग की है। सहकारी घोटाले में गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद पांच अलग-अलग जिला अदालतों से जमानत मिलने के बाद रवि लामिछाने अपनी पार्टी के अध्यक्ष पद पर फिर से बहाल हुए हैं। अध्यक्ष पद की कमान संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में रवि लामिछाने ने बताया कि वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से षडयंत्र के तहत उन्हें फंसाया गया था। उन्होंने बताया कि तमाम षडयंत्र के बाद भी उनकी सबसे बड़ी जीत हुई है। रवि लामिछाने ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं और सांसदों ने उनके प्रति विश्वास दिखाते हुए सत्ता पक्ष के षडयंत्र को नाकाम कर दिया। प्रधानमंत्री की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को नहीं बुलाए जाने पर रवि लामिछाने ने बताया कि कांग्रेस और एमाले उनकी पार्टी को बेवजह बदनाम करने के लिए राजशाही का पक्षधर होने का आरोप लगा रहे हैं।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के बरखान जिले में भूकंप से कांपी धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में भूकंप आने के कुछ घंटों बाद आज सुबह बलूचिस्तान के बरखान जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 रही और यह 12 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप का केंद्र बरखान से 59 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित रहा। जियो न्यूज चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि इससे पहले ईद के दिन भी शाम 4 बजे के आसपास कराची के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि कराची में आए भूकंप की तीव्रता 4.7 थी और इसका केंद्र शहर से 75 किलोमीटर उत्तर में स्थित था। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन भूकंप के झटकों के बाद लोग घबरा गए। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.6 थी और भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के उथल से 65 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैंकाक में होगी मुलाकात

काठमांडू। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है। बैंकाक में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अप्रैल को वहां पहुंच रहे हैं जबकि नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली मंगलवार को ही काठमांडू से रवाना होने वाले हैं। बिम्सटेक से जुड़े सभी सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री के तरफ से 3 अप्रैल को राजकीय भोज का आयोजन किया गया है। यहां पर सभी के बीच अनौपचारिक मुलाकात होने वाली है। थाईलैंड में नेपाल के राजदूत धन बहादुर वली ने बताया कि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच 4 अप्रैल की सुबह साइडलाइन मुलाकात तय हुई है। उन्होंने बताया कि चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की बैंकाक यात्रा सिर्फ 24 घंटे के लिए है इसलिए उनकी व्यस्तता के कारण अंतिम समय में मुलाकात का समय आगे पीछे हो सकता है। भारतीय प्रधानमंत्री के साथ ओली की यह दूसरी साइडलाइन मुलाकात हो रही है। इससे पहले सितंबर 2024 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान दोनों के बीच साइडलाइन मुलाकात हुई थी। इसके बाद अब बैंकाक में यह मुलाकात होने जा रही है। प्रधानमंत्री बनने के आठ महीने के बाद भी ओली की अब तक भारत का औपचारिक भ्रमण नहीं हो पाया है।

चीन की सेना ने ताइवान को घेरकर संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया

बीजिंग। चीन की सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया है। इसमें सेना, नौसेना और रॉकेट बल शामिल हैं। इसे ताइवान की स्वतंत्रता के खिलाफ सख्त चेतावनी माना जा रहा है। चीन की सेना के पूर्वी थियेटर कमांड के आधिकारिक वीचैट सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी गई है। चीन ने कुछ दिनों से द्वीप के खिलाफ अपना राजनीतिक और सैन्य दबाव तेज किया है। बीजिंग लंबे समय से ताइवान को अपना हिस्सा बताता आ रहा है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन के शांदोंग विमान वाहक समूह ने द्वीप के प्रतिक्रिया क्षेत्र में प्रवेश किया। जवाब में सैन्य विमान और जहाज भेजे गए और भूमि-आधारित मिसाइल प्रणालियों को सक्रिय किया गया। बयान में कहा गया, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने ताइवान और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। सुखद यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसके साथ है।

'अद्भुत, बस अद्भुत' सुनीता विलियम्स ने बताया अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने विस्तारित मिशन के बाद पृथ्वी पर उतरने के कुछ दिनों बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अंतरिक्ष से भारत को देखने के अपने अनुभवों को साझा किया। अंतरिक्ष में 286 दिन बिताने के बाद जब विलियम्स से पूछा गया कि ऊपर से भारत कैसा दिखता है, तो उन्होंने गंभीर शब्दों में उत्तर दिया, अद्भुत, बिल्कुल अद्भुत। विलियम्स अक्सर अपनी भारतीय विरासत को साझा करने के लिए जानी जाती हैं। वह हिमालय के लुभावने दृश्यों से विशेष रूप से मोहित हो गईं। उन्होंने बताया कि कैसे, हर बार जब आईएसएस पर्वत श्रृंखला के ऊपर से गुजरता था, तो उनके अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर आश्चर्यजनक तस्वीरें खींचते थे। विलियम्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान

कहा,'जब भी हम हिमालय पर गए, बुच को अविश्वसनीय तस्वीरें मिलीं, यह अद्भुत है।' वह दृश्यों को देखकर भावुक हो गईं। विलियम्स ने बताया कि अंतरिक्ष से भारत का नजारा उन्हें उनकी विरासत से जुड़े रहने का अहसास कराता है। इसके अलावा, विलियम्स ने बताया कि रात के वक्त रोशनी में भारत के बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों को देखना एक अलग अनुभव की अनुभूति प्रदान करता है। उनके अनुसार, यह अनूठा दृष्टिकोण वास्तव में 'अविश्वसनीय' था। 59 वर्षीय अंतरिक्ष यात्री ने नासा के आगामी एक्सिओम मिशन के बारे में भी अपना उत्साह भी व्यक्त किया, जो चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाएगा, जिनमें भारतीय वायु सेना के परीक्षण पायलट और इसरो के अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'यह बहुत बढ़िया है', उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि शुक्ला भारत के लिए 'होमटाउन के हीरो' हैं। विलियम्स ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में योगदान देने की इच्छा भी जताई और कहा कि वह अपने अनुभव साझा करना चाहती हैं और देश की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसका हिस्सा बनना और उनकी मदद करना पसंद करूंगी।' भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री ने जल्द ही 'अपने पिता के देश' भारत आने की इच्छा जताई। विल्मोर के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की यात्रा पर चर्चा की। विल्मोर से बात करते हुए, दोनों ने अपने साथियों को भारत घुमाने ले जाने पर मजाक किया। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'आप थोड़े अलग दिख सकते हैं। कोई बात नहीं। हम आपको कुछ मसालेदार भोजन खिलाएंगे।'

हिंसा व विस्थापन के साए में, खाद्य असुरक्षा पहुँची रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी
डीआर काँगो। वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने चिन्ता जताई है कि काँगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में हिंसक टकराव, विस्थापन और ऊँची खाद्य क़ीमतों की वजह से 2.77 करोड़ लोगों को भरपेट भोजन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके पोषण, स्वास्थ्य व जीवन के लिए जोखिम उत्पन्न हो रहा है. यूएन की साझेदारी में विश्व भर में खाद्य सुरक्षा पर नज़र रखने वाले प्लैटफ़ॉर्म के अनुसार, डीआरसी में मौजूदा हालात दुनिया के सबसे गम्भीर खाद्य संकटों में से एक के रूप में आकार ले रहे हैं. दक्षिणी अफ़्रीका क्षेत्र के लिए विश्व खाद्य कार्यक्र के निदेशक ऐरिक पर्डीसन ने कहा कि मानवीय हालात चिन्ताजनक रफ़्तार से बिगड़ रहे हैं. जिन परिवारों के लिए अपना भरण-पोषण करना पहले ही संघर्षपूर्ण था, उन्हें अब और कटु वास्तविकता का सामना करना पड़ कर रहा है. ज़रिए किसी देश या क्षेत्र में भूख सम्बन्धी स्थिति की निगरानी की जाती है और उसे पाँच वर्गों में विभाजित किया जाता हैप्हला चरण, जहाँ खाद्य सुरक्षा पर कोई दबाव ना होदूसरा चरण, जब लोगों को भोजन की तलाश में कठिनाई झेलनी पड़ रही होतीसरा चरण, यह खाद्य संकट की एक स्थिति हैचौथा चरण, आपात स्थितिपाँचवा चरण, विनाशकारी हालात या अकालडीआरसी में नवीनतम आकलन के अनुसार, 39 लाख लोग आपात स्तर की खाद्य असुरक्षा (चरण 4) का सामना कर रहे हैं, जबकि 2.38 करोड़ लोग तीसरे चरण के खाद्य संकट की चपेट में हैं.पूर्वी हिस्से में उथलपुथलखनिज सम्पदा से परिपूर्ण डीआरसी, पिछले कई दशकों से संकट में सुलग रहा है, जहाँ मानवीय सहायता अभियान के लिए धनराशि की उपलब्धता चुनौतीपूर्ण रही है।

वर्ष 2024 में एशिया में, प्रवासियों की मृत्यु संख्या सबसे अधिक

एजेंसी
नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के अन्तरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) की रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया में प्रवासियों के लिए साल 2024 सबसे अधिक घातक रहा है. इस दौरान, यहाँ के ख़तरनाक प्रवासन मार्गों पर क़रीब ढाई हज़ार लोगों की जान चली गई. यह वृद्धि प्रवासियों के लिए पनपते ख़तरे की ओर संकेत करती है. साल 2023 में यह संख्या 1,584 थी जिसकी तुलना में, वर्ष 2024 में इसमें 59 प्रतिशत वृद्धि हुई.ढ्ढह्रू के एशिया और प्रशान्त क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक इओरी काटो ने कहा, ÷किसी को भी सुरक्षा या बेहतर भविष्य की तलाश में किसी को भी अपनी जान गँवाने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए. एशिया या कहीं और प्रवास मार्गों पर हुई हर एक मृत्यु, सुरक्षित और नियमित प्रवासन मार्गों की तत्काल ज़रूरत की ओर इशारा करती है. ÷ ये ऐसी त्रासदियाँ हैं जिन्हें रोका जा सकता है.÷रोहिंज्या और अफ़ग़ान को अधिक ख़तरा प्रवासियों की मृत्यु संख्या में वृद्धि मुख्य रूप से रोहिंज्या और अफ़ग़ान प्रवासियों से सम्बन्धित है, जिसमें म्याँमार से भाग रहे अल्पसंख्यक मुस्लिम रोहिंज्या और टकराव व अस्थिरता से बचकर भाग रहे अफ़ग़ान लोग शामिल हैं. इओरी काटो ने कहा, ÷एशिया भर में, युद्ध, अस्थिरता, टकराव और उत्पीड़न से बचकर भागने वाले लोगों की मृत्यु संख्या में वृद्धि गम्भीर चिन्ता का विषय है. साल 2024 में, कम से कम 1,517 अफ़ग़ान प्रवासियों की जान गई, जोकि 2023 की तुलना में 39 प्रतिशत अधिक है. रोहिंज्या प्रवासियों की मौतों की सँख्या दोगुनी से अधिक हो गई, जो वर्ष 2023 में 436 से बढ़कर 2024 में 889 तक पहुँच गई .IOM ने कहा, प्रवासियों को संघर्ष-सम्बन्धी हिंसा के अलावा, प्रवासन रास्ते में ख़तरनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें असुरक्षित नावें, तस्करों द्वारा किया जाने वाला दुर्व्यवहार और ख़राब मौसम जैसी स्थितियाँ शामिल हैं. NICEF/Patrick Brown लापता प्रवासियों का संकटप्रवासियों की पहचान नहीं हो पाना भी चिन्ता का विषय रहा है. साल 2024 में एक हज़ार से अधिक मृत लोगों की पहचान नहीं हो पाई.इओरो काटो ने कहा, लापता प्रवासियों के बारे में आधिकारिक जानकारी का कम होना, यह बताता है कि हमारे पास एशिया में प्रवास के दौरान हुई मौतों की संख्या की सही जानकारी उपलब्ध नहीं है.'उन्होंने कहा कि उपलब्ध रिकॉर्ड में भी, पहचान की बहुत कम जानकारी है. इसकी वजह से, अपने लापता लोगों को तलाश कर रहे परिवारों पर गहरा असर पड़ता है।

काला सागर वार्ता का स्वागत, यूक्रेन में मानवीय संकट बदतर होने की चेतावनी भी

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने रूस, यूक्रेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हाल ही में सऊदी अरब में हुई कूटनैतिक वार्ता का स्वागत किया है, तथा काला सागर में नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा पर हुए समझौते को, वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण क़दम बताया है. यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश के प्रवक्ता स्तेफ़ान दुजैरिक ने बुधवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के कार्यालय, यूक्रेन में स्थाई शान्ति की दिशा में सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध हैं.स्तेफ़ान दुजैरिक ने कहा, सिविल जहाज़ों और बन्दरगाह के बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, काला सागर में नौवहन की स्वतंत्रता पर समझौता होना, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान होगा. इस समझौते में, यूक्रेन और रूसी संघ दोनों से, वैश्विक बाज़ारों तक व्यापार मार्गों का महत्व झलकता है.÷उन्होंने कहा, महासचिव अपनी

आशा दोहराते हैं कि ऐसे प्रयास एक स्थाई युद्धविराम का मार्ग प्रशस्त करेंगे. साथ ही यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अन्तरराष्ट्रीय क़ानून और संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों के अनुरूप तथा यूक्रेन की स्वतंत्रता, सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के पूर्ण सम्मान के साथ, न्यायपूर्ण, व्यापक और स्थाई शान्ति प्राप्ति में योगदान देंगे. बदतर होता मानवीय संकटइस बीच, संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष राहत समन्वय अधिकारी जॉयस मसूया ने सुरक्षा परिषद को सम्बोधित करते हुए आगाह किया है कि यूक्रेन में मानवीय संकट लगातार बिगड़ता जा रहा है, जहाँ लगभग एक करोड़ 30 लाख लोगों को सहायता की आवश्यकता है - लेकिन धन कम होता जा रहा है.संयुक्त राष्ट्र की उप आपातकालीन राहत समन्वयक जॉयस मसूया ने राजदूतों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हाल ही में धन में कटौती के कारण, महत्वपूर्ण सहायता कार्यक्रम जोखिम में हैं.उन्होंने कहा कि धन की इस कमी के पहले से ही गम्भीर परिणाम हो रहे हैं, विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के लिए.साथ ही, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को डर है कि कम से कम 6 लाख 40 हज़ार लोग लिंग आधारित हिंसा के ख़िलाफ़ सुरक्षा, मनोवैज्ञानिक सहायता और सुरक्षित स्थानों के तक पहुँच से वंचित हो जाएंगे।

राजनीतिक दलों में टकराव जारी, बीएनपी और जमात के बीच झड़प, कई घायल

एजेंसी
ढाका। बांग्लादेश में दो प्रमुख राजनीतिक दलों - बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के बीच हिंसक झड़प हुई जिसमें कई लोग घायल हो गए। संघर्ष के दौरान कुल चार दुकानों में तोड़फोड़ की गई, पांच मोटरसाइकिलों और एक वैन को आग लगा दी गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राजशाही के बाघा उपजिला के बाउसा यूनियन में यह संघर्ष हुआ। इसका कारण कमजोर समूह विकास (वीजीडी) कार्ड वितरित करने में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा था। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हिंसा तब शुरू हुई जब बीएनपी की स्टूडेंट विंग, 'छात्र दल' के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर जमात की छात्र शाखा, 'इस्लामी छात्र शिबिर' पर हमला किया। जवाबी कार्रवाई में शिबिर कार्यकर्ताओं ने बाद में बीएनपी कार्यकर्ताओं पर हमला किया। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट

के अनुसार, इन घटनाओं के बाद बीएनपी समर्थकों ने कथित तौर पर दुकानों में तोड़फोड़ की और जमात समर्थकों के वाहनों को आग लगा दी। बीएनपी और जमात दोनों ने ही झड़प की शुरुआत के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया। बाघा उपजिला क्षेत्र के बसुआ यूनियन में वीजीडी कार्ड के कथित दुरुपयोग को लेकर पहले हुए विवाद के बाद दोनों पक्षों के बीच यह झड़प हुई। हाल ही में पुलिस की मध्यस्थता से दोनों दलों के बीच हुए समझौते के बाद, जमात ने दावा किया कि बीएनपी समर्थकों ने उनके सदस्यों को निशाना बनाया, जिसमें 30 मार्च को एक छात्र नेता की हत्या का प्रयास भी शामिल है। इसके अलावा, जमात ने अपने कार्यकर्ताओं के घरों और व्यवसायों पर हमलों की रिपोर्ट की। उन्होंने न्याय की मांग की और अधिकारियों से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने अपील की। हालांकि, बीएनपी नेता रेजाउल ने जमात के आरोपों का खंडन करते हुए दावा किया कि उनके छात्र दल के नेता राजीब अहमद इफ्तार के बाद चाय पी रहे थे, तभी शिबिर कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उन पर अकारण हमला कर दिया। उन्होंने कहा, राजीब का फिलहाल राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गंभीर हालत में इलाज चल रहा है।

म्यांमार में आए घातक भूकंप के कारण एक सप्ताह का राष्ट्रीय शोक घोषित

एजेंसी
मांडले। म्यांमार के राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने 28 मार्च को देश में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद एक सप्ताह के शोक की घोषणा की। भूकंप से हुई क्षति और जानमाल के नुकसान के प्रति सहानुभूति जताते हुए 31 मार्च से 6 अप्रैल तक की अवधि को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। म्यांमार के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग ने बताया कि सोमवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 36 झटके महसूस किए गए हैं। यांमार के मांडले क्षेत्र में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके कुछ मिनट बाद 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे कई देशों में भारी जनहानि और क्षति हुई। भूकंप का केंद्र मांडले से केवल 20 किमी दूर था, जो देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और इसकी आबादी 1.5 मिलियन है। प्रतिक्रिया में, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति ने सागाइंग क्षेत्र, मांडले क्षेत्र, मैगवे क्षेत्र, शान राज्य के उत्तर पूर्वी भाग, ने पी ताव की राजधानी और बागो क्षेत्र में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी। बचाव अभियान अभी भी जारी है, जबकि प्रभावित आबादी की गंभीर जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय राहत प्रयासों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। दक्षिण में मांडले और यांगून को जोड़ने वाली कई प्रमुख सड़कें क्षतिग्रस्त या अवरुद्ध हो गई, जबकि मांडले और ने पी ताव में एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। वहीं, सभी उड़ानें रद्द कर दी गई। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में मांडले क्षेत्र में इमारतों, मंदिरों और कई ऐतिहासिक स्थलों को काफी संरचनात्मक क्षति दिखाई गई।

भूकंप के बाद चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था, मौतों का आंकड़ा 2,056 पहुंचा

एजेंसी
नयपीताव। म्यांमार में 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद स्वास्थ्य प्रणाली पूरी तरह चरमरा गई है। मृतकों की संख्या बढ़कर 2,056 हो गई, जबकि करीब 3,900 लोग घायल और 270 लोग लापता बताए जा रहे हैं। बता दें कि देश के दो प्रमुख शहरी क्षेत्र मंडाले और नयपीताव भूकंप के घायलों के बढ़ते दबाव से जूझ रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल आमतौर पर पहले ही मरीजों से भरे हैं, लेकिन अब हालात और भी बदतर हो गए हैं। जगह और संसाधनों की भारी कमी है, लेकिन फिर भी स्टाफ अपनी पूरी कोशिश कर रहा है, भले ही उनकी संख्या काफी कम हो। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले चार वर्षों से जारी सैन्य शासन ने म्यांमार की स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। भूकंप से पहले भी कई अस्पतालों की स्थिति खराब थी, लेकिन अब हालात और बिगड़ गए हैं। मंडाले में

हालात सबसे ज्यादा खराब हैं, क्योंकि यहां के 80 प्रतिशत से अधिक मेडिकल स्टाफ सैन्य शासन के खिलाफ सिविल नाफरमानी आंदोलन में शामिल हो चुके हैं। पिछले एक महीने में सात निजी अस्पतालों के लाइसेंस इसलिए रद्द कर दिए गए, क्योंकि उन्होंने सरकारी अस्पतालों के पूर्व कर्मचारियों को नौकरी पर रखा था। भूकंप से पहले ही मंडाले के कई निजी अस्पताल बंद हो चुके थे, क्योंकि सैन्य सरकार ने उन्हें काम करने से रोक दिया था। अब भूकंप में बचे-खुचे अस्पताल भी बर्बाद हो गए हैं, जिससे इलाज पूरी तरह ठप हो गया है। मंडाले जनरल अस्पताल, जो सैन्य शासन द्वारा संचालित है, वहां का दृश्य भूकंप के बाद बेहद भयावह हो गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, ÷अस्पताल में दाखिल होते ही चारों तरफ खून से लथपथ मरीज बिखरे पड़े थे। बेड की भारी कमी थी, मरीज जमीन पर पड़े थे। डॉक्टरों की संख्या कम होने के कारण कुछ लोग बस बैठे हुए थे, असहाय और हताश। म्यांमार के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, अब तक 36 आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद आने वाले झटके) दर्ज किए गए हैं, जिनकी तीव्रता 2.8 से 7.5 के बीच थी। आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के कुछ मिनट बाद 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक भी आया, जिससे देश के कई हिस्सों में तबाही मच गई।

दक्षिण सूडान : गहराते संकट के बीच, सभी पक्षों से शान्ति बनाए रखने की अपील

एजेंसी
दक्षिण सूडान। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशनने देश में बढ़ती हिंसा और प्रथम उप राष्ट्रपति रिएक मचार को हिरासत में लिए जाने की ख़बरों के बीच सभी पक्षों से संयम बरतने और शान्ति समझौते को बनाए रखने की अपील की है. यूएन मिशन ने कहा है कि टकराव को तुरन्त टालना होगा और दक्षिण सूडान के लोगों की भलाई के लिए बातचीत फिर शुरू की जानी होगी. प्रमुख निकोलस हेसम ने रात जारी एक बयान में कहा कि दक्षिण सूडान के नेता बड़े पैमाने पर हिंसक टकराव की ओर वापिस लौटने या फिर उसे 2018 में हुए समझौते की भावना के अनुरूप उसे शान्ति, पुनर्बहाली और लोकतंत्र की दिशा में आगे ले जाने के कगार पर खड़े हैं.निकोलस हेसम, दक्षिण सूडान के लिए यूएन महासचिव के विशेष प्रतिनिधि भी हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि इस समझौते में किया गया कोई भी एकतरफा संशोधन पिछले सात सालों में हुई प्रगति को उलट सकता है और इसमें दक्षिण सूडान को फिर से युद्ध में धकेले जाने का जोखिम भी है. उन्होंने कहा, 'इससे न केवल दक्षिण सूडान तबाह हो जाएगा, बल्कि पूरा क्षेत्र प्रभावित होगा. दक्षिण सूडान ने वर्ष 2011 में सूडान से स्वाधीनता हासिल की थी, मगर उसके बाद से यह टकराव और अस्थिरता से जूझता रहा है.वर्ष 2013 में राष्ट्रपति सल्वा कीर के वफ़ादार सैन्य बलों और पूर्व उप राष्ट्रपति रिएक मचार के समर्थकों में गृहयुद्ध भड़क उठा था. कई वर्षों तक जातीय हिंसा, सामूहिक अत्याचार और मानवीय संकट जारी रहने के बाद 2018 में नाजुक हालात में एक शान्ति समझौते पर सहमति हुई.रिएक मचार ने साल 2020 से एक गठबन्धन में बतौर प्रथम उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भाला है.शान्ति समझौते से कुछ हद तक स्थिरता आई, लेकिन इसके कार्यान्वयन में देरी और निरन्तर राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता की वजह से तनाव बरक़रार है.तेज़ हुई झड़पेंपिछले 24 घन्टों में लड़ाई में तेज़ी आई है, जिसमें दक्षिण सूडान के सरकारी सैन्य बलों और विपक्षी लड़ाकों के बीच राजधानी जूबा के नज़दीकी इलाक़ों से झड़पें होने की ताज़ा ख़बरें आई हैं. अपर नाइल क्षेत्र में भी स्थिति अस्थिर बनी हुई है. कुछ ही दिन पहले, युवाओं के एक मिलिशिया, तथाकथित व्हाईट आर्मी ने दक्षिण सूडान की सेना के बैरकों को अपने क़ब्ज़े में ले लिया था, जिसके जवाब में, सरकारी बलों ने नागरिक इलाक़ों पर बैरल बमों से बमबारी की है जिसमें ज्वलनशील पदार्थों का इस्तेमाल किया गया।

अपने नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का प्रदर्शन

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में राजशाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) ने आज काठमांडू में अपने नेताओं और समर्थकों की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन किया है। राजधानी के मैतीघर मंडला में हुए विरोध प्रदर्शन में राप्रपा ने गिरफ्तार किए गए पार्टी के बड़े नेताओं सहित एक सौ से अधिक समर्थकों और कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग की है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मरीन ले पेन गबन मामले में दोषी करार, खतरे में राजनीतिक भविष्य

एजेंसी
पेरिस। पेरिस की एक अदालत ने यूरोपीय संघ के धन के गबन के आरोप में दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को दोषी ठहराया। अभी सजा की घोषणा नहीं की गई है। स दोषसिद्धि से 2027 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी पर संदेह पैदा हो गया। ले पेन और उनके सहयोगियों पर आरोप था कि उन्होंने 2004 से 2016 के बीच संसदीय सहायकों के लिए निर्धारित यूरोपीय संसद के धन का पार्टी कर्मचारियों के भुगतान के लिए इस्तेमाल किया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक आधिकारिक संसदीय कार्य के लिए निर्धारित धनराशि का उपयोग फ्रांस स्थित नेशनल रैली पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए किया गया, जो यूरोपीय संघ के नियमों का उल्लंघन था। रिपोर्टों के अनुसार, अभियोजकों ने 3,00,000 यूरो (2,77,60,800.00 रुपये) जुर्माने के साथ पांच साल की निलंबित जेल की सजा की सिफारिश की।

अभियोजकों ने सार्वजनिक पद पर तत्काल पांच वर्ष का प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। अदालत यदि इसे स्वीकार करती है तो ली पेन, जो तीन वर्षों से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं, अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। प्रस्तावित प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू होगा, भले ही ले पेन अपील करने का विकल्प चुनें, जिससे राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। उन्हें वर्तमान में राष्ट्रपति पद के लिए एक मजबूत दावेदार माना जाता है। नेशनल रैली पार्टी की प्रमुख ले पेन ने आरोपों को खारिज करते हुए जोर देकर कहा कि मामला राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने इसे अपनी चुनावी संभावनाओं को कमजोर करने का प्रयास बताया। , ले पेन ने फैसले से पहले चेतावनी दी थी कि दोषी पाए जाने पर फैसला उनकी राजनीतिक मौत का संकेत हो सकता है। फैसले के संभावित प्रभाव पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ÷11 मिलियन लोगों ने इस आंदोलन के लिए वोट दिया है जिसका मैं प्रतिनिधित्व करती हूं और ऐसा कोई भी फैसला कई फ्रांसीसी लोगों को चुनाव में अपने उम्मीदवार से वंचित कर सकता है। 2017 और 2022 दोनों चुनावों में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बाद दूसरे स्थान पर रहने के बाद, ले पेन की पार्टी के समर्थन में लगातार वृद्धि देखने को मिली है। उन्हें अगर चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता है, तो उनके शिष्य, 29 वर्षीय जॉर्डन बार्डेला, पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आ सकते हैं।

दो दिवसीय यात्रा पर नीदरलैंड के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप पहुंचे नई दिल्ली

एजेंसी

नई दिल्ली। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप दो दिवसीय अधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उनके भारत आगमन पर स्वागत किया और कहा कि उनकी यात्रा से दोनों देशों के बहुआयामी संबंध अधिक मजबूत होंगे। विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि वे विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य लोगों के साथ बातचीत करेंगे। आज की भू-राजनीतिक वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए नीदरलैंड और भारत दोनों के लिए सहयोग को मजबूत करना और रिश्तों को प्रगाढ़ करना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री ने उनकी पोस्ट पर कहा कि वे उनसे मुलाकात को लेकर उत्सुक हैं।

वयोवृद्ध कांग्रेस नेता रनोज बसु नहीं रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की छह दशक तक सेवा करने वाले पार्टी के वयोवृद्ध नेता रनोज बसु (98) नहीं रहे। उन्होंने आज यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आखिरी सांस ली। वह उम्र जनित बीमारियों से पीड़ित थे। रनोज बसु के परिवार में दो पुत्रियां सोमा बसु और मल्लिका हैं। सोमा पेशे से पत्रकार हैं और मल्लिका का अपना कारोबार है। उनकी पत्नी का करीब तीन दशक पहले निधन हो गया था। सोमा ने हिन्दुस्तान समाचार को बताया कि निधन के बाद रनोज बसु की पार्थिव देह एम्स को दान दे दी गई, ताकि वह मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के काम आ सके। रनोज बसु 1951 में कांग्रेस पार्टी में कांग्रेस अध्यक्षों के स्थायी सचिव एमपी भार्गव और जवाहरलाल नेहरू के संसदीय कर्तव्यों को देखने वाले पीआर चक्रवर्ती के सहायक के रूप में शामिल हुए। वे छह दशकों से अधिक समय तक कांग्रेस से जुड़े रहे। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान उन्हें कांग्रेस पार्टी का क्षेत्रीय प्रतिनिधि बनाया गया और बाद में प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने उन्हें विशेष कार्य अधिकारी बनाया और 1995 में उन्हें स्थायी सचिव के पद पर पदोन्नत किया, जिसे 2011 में अपनी सेवानिवृत्ति तक बरकरार रखा। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने बसु के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह शतक से दो साल पहले ही दुनिया से चले गए। यह एक लंबी और उल्लेखनीय पारी थी। वे 1951 में कांग्रेस संगठन में शामिल हुए और इसके स्थायी सचिव बने। इस पद पर वे पंद्रह साल तक रहे, और अंततः 2011 में सेवानिवृत्त हुए।

पांच साल बाद दिल्ली की आबोहवा हुई कुछ साफ

नई दिल्ली। इस साल दिल्ली में मार्च का महीना पिछले पांच सालों की तुलना में सबसे कम प्रदूषित रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के मुताबिक साल 2025 मार्च के महीने में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) 170 दर्ज किया गया, जो पिछले पांच साल में सबसे कम है। आयोग ने आंकड़े जारी कर बताया कि 2021, 2022, 2023 और 2024 के दौरान मार्च महीने का औसत एक्यूआई क्रमशः 223, 217, 170 और 176 रहा है। जनवरी-मार्च, 2025 की तिमाही के लिए दिल्ली का औसत एक्यूआई भी पिछले 5 वर्षों के दौरान सबसे अच्छा रहा है। इस तिमाही के दौरान औसत एक्यूआई 2025 में 231 रहा, जबकि 2024 में यह 250, 2023 में 240, 2022 में 241 और 2021 में 278 रहा था। आयोग ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि साल 2025 की इस तिमाही में एक भी दिन ऐसा नहीं रहा जब औसत एक्यूआई 400 से अधिक रहा हो। वर्ष 2021, 2022, 2023 और 2024 में क्रमशः 06, 01, 03 और 03 ऐसे दिन दर्ज किए थे जब एक्यूआई 400 के पार रहा था। इस पहली तिमाही में 36 दिन ऐसे रहे हैं जब दिल्ली का औसत एक्यूआई 200 से कम रहा। यह 2021 के 13 दिन, 2022 के 27 दिन और 2023 के 35 दिन से काफी अधिक है। आयोग ने बताया कि अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण, इस दिशा में विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और आने वाले दिनों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता परिदृश्य में और सुधार लाने के लिए इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। सीएक्यूएम वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और कमी के लिए प्रभावी उपाय करने और एनसीआर में वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए संबंधित विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

आत्मनिर्भरता की दिशा में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिकाः नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊर्जा के क्षेत्र में स्थायित्व और आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह की व्यावहारिक टिप्पणियों की सराहना की। उन्होंने डॉ. सिंह द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि जितेंद्र सिंह ने विस्तार से बताया कि कैसे परमाणु ऊर्जा भारत के सतत और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की खोज में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी है। केंद्रीय मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने अपने इस लेख में लिखा है कि इस साल के केंद्रीय बजट की खास बात यह रही कि सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का फैसला किया। यह सिर्फ इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लीक से हटकर फैसले लेते हैं। आज भारत

का परमाणु परिदृश्य बदल चुका है। 2013-14 में मात्र 4,780 मेगावाट से, परमाणु क्षमता 70 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 8,180 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो 24 चालू रिएक्टरों में फैली हुई है। इन संयंत्रों से वार्षिक बिजली उत्पादन 2013-14 में 34,228 मिलियन यूनिट से बढ़कर 2023-24 में 47,971 मिलियन यूनिट हो गया है। जबकि परमाणु ऊर्जा वर्तमान में भारत के बिजली उत्पादन में लगभग 3 प्रतिशत का योगदान देती है, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में 21 रिएक्टरों की कुल क्षमता 15,300 मेगावाट होने के साथ यह आंकड़ा काफी हद तक बढ़ने वाला है। डा.सिंह ने लिखा है कि ध्यान केवल क्षमता विस्तार से हटकर स्वदेशी तकनीक विकसित करने पर केंद्रित हो गया है। 2023-24 में गुजरात के काकरापार में भारत के पहले स्वदेशी 700 मेगावाट दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) का सफलतापूर्वक चालू होना आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। देश ने परमाणु ईंधन चक्र क्षमताओं में भी प्रगति की है, प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) 2024 में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल करेगा, जिसमें प्राथमिक सोडियम भरना और सोडियम पंपों को चालू करना शामिल है। देश ने पीएचडब्ल्यूआर के डिजाइन और निर्माण में महारत हासिल कर ली है। 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के पूरा होने के साथ फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक ड्राइंग बोर्ड से वास्तविकता में बदल गई है। भारत के परमाणु कार्यक्रम का यह दूसरा चरण महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईंधन उपयोग दक्षता को बढ़ाता है बजट में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

कांग्रेस अभी भी उपनिवेशवादी मानसिकता से ग्रस्त- तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कांग्रेस की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि स्वाधीनता के 60 वर्षों में कांग्रेस ने देश को उपनिवेशी मानसिकता के गिरफ्त में रखा। भाजपा मुख्यालय में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की नई शिक्षा नीति पर लिखी गई चिट्ठी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों को भारत के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताने की बजाय कांग्रेस ने शिक्षा के माध्यम से सांप्रदायिकता और तुष्टीकरण फैलाया। वामपंथी सोच को देश की शिक्षा नीति का हिस्सा बना दिया। जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी, उन्हें नजरअंदाज किया गया और उनका अपमान किया गया। लोगों के बीच तिरस्कार की भावना पैदा की गई। उन्होंने कहा कि जहां तक आरएसएस की बात है, वे देश के प्रेम और विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सोनिया गांधी वास्तविक देशभक्ति तभी देख पाएंगी जब वे अपनी आंखों से इटालियन चश्मा हटा दें।

उल्लेखनीय है कि सोनिया गांधी ने एक प्रसिद्ध अखबार में लिखे एक लेख में नई शिक्षा नीति (एनईपी) के मुद्दे पर केंद्र सरकार की निंदा की है। सांसद सोनिया गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह देश के शैक्षिक ढांचे को कमजोर कर रही है। उनके मुताबिक सरकार नुकसानदेह नतीजों की ओर ले जाने वाले एजेंडे पर चल रही है। उन्होंने अपने लेख में कहा है कि आज भारतीय शिक्षा को '3सी' का सामना करना पड़ रहा है - केंद्रीकरण, कमर्शियलाइजेशन और कम्युनिलिज्म।

भाजपा को 'नाम और छुआछूत' में विश्वास : प्रियंका कक्कड़

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मांस विक्रेताओं को दुकान के आगे नाम लिखने पर सवाल उठाए हैं। पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा पर जातिवादी मानसिकता रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह 'नाम और छुआछूत' की राजनीति में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि मीट और मुर्गे की दुकानों के आगे पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नाम लिखे जाएं, ताकि उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाया जा सके। भाजपा दलित, मुस्लिम और महिला विरोधी है और उसका जोर सिर्फ कमजोर तबकों पर ही चलता है। उन्होंने पूछा कि ये लोग केएफसी और मैकडोनाल्ड जैसी बड़ी कंपनियों पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? प्रियंका कक्कड़ ने सवाल उठाया कि अगर भाजपा को 'नेम

एंड शेम' नीति पर इतना भरोसा है, तो इसे बैंक डिफॉल्टरों पर भी लागू किया जाना चाहिए। भाजपा बताए कि हमारे टैक्स का पैसा किन बैंक डिफॉल्टरों के लोन माफ करने में जा रहा है? हजारों करोड़ रुपए के घोटाले करने वालों के नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किए जाते? भाजपा त्योहारों के दौरान जानबूझकर विवाद पैदा करती है, ताकि समाज में विभाजन और तनाव बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा, त्योहार सभी धर्मों और समुदायों के लिए खुशी और एकता का प्रतीक होते हैं, लेकिन भाजपा हर बार किसी न किसी विवाद को जन्म देती है। इससे साफ होता है कि भाजपा का असली मकसद सांप्रदायिक तनाव फैलाना है। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भाजपा के आरोपों पर भी जवाब दिया।

वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वालों को किरेन रिजिजू का जवाब, संसद में खुली बहस की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशभर में हो रहे विरोध पर एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विरोध करने वालों को पहचानने की अपील करते हुए कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने जब नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू होने पर मुसलमानों को यह डर दिखाया था कि इसके लागू होते ही उन्हें देश से बाहर निकाल दिया जाएगा। रिजिजू ने सवाल भी किया कि सीएए लागू हुए एक साल हो चुका है, तो क्या किसी मुसलमान को बाहर निकाला गया है? उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ के खिलाफ समाज को जागरूक करना आवश्यक है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ लोगों द्वारा किए जा रहे भ्रामक दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि

इस विधेयक में कुछ विशेष प्रावधान किए जा रहे हैं, और इसके विरोधियों द्वारा यह अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि मस्जिदों, कब्रिस्तानों और मुसलमानों की ज़मीन जायदाद को छीन लिया जाएगा। उन्होंने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि वक्फ कानून भारत में स्वतंत्रता से पहले भी अस्तित्व में था और आजादी के बाद भी यह कानून लागू है। रिजिजू ने इसके ऐतिहासिक संदर्भों को समझाया और कहा कि इस कानून के तहत कई बार संशोधन किए गए हैं, जिनमें 1913, 1923, 1931, 1954, 1995, और 2013 में बदलाव किए गए हैं। यह कानून इतना पुराना और स्थिर है कि इसे गैरसंवैधानिक और अवैध कहना एक बड़ा झूठ है। रिजिजू ने कहा कि इस देश का संविधान और कानून है, और किसी भी व्यक्ति का संपत्ति छीनना संभव नहीं है। उन्होंने विरोध करने वालों से अपील की कि वे यह बताएं कि यह विधेयक गैरसंवैधानिक क्यों है और उन्हें अपनी बात तर्कपूर्ण

म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने तीनों सेनाओं के जरिए तेज किया ऑपरेशन 'ब्रह्मा'

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार में आए भूकंप के बाद भारत ने तीनों सेनाओं के जरिए अपना ऑपरेशन 'ब्रह्मा' तेज कर दिया है। नौसेना के दो जहाजों ने यांगून पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया है। इसके अलावा दो और जहाज म्यांमार के लिए रवाना किये गए हैं, जो मंगलवार को पहुंचकर ऑपरेशन में शामिल होंगे। भारतीय सेना की 118 सदस्यीय फील्ड अस्पताल इकाई भी आगरा से मांडले के लिए रवाना की गई है। यह टीम 60 बिस्तरों वाला चिकित्सा उपचार केंद्र स्थापित करके भूकंप प्रभावितों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराएगी। भारतीय वायु सेना ने तीन परिवहन विमानों के जरिए अब तक 96.3 टन राहत सामग्री पहुंचाई है। भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के साथ मिलकर भूकंप प्रभावित

आपदा राहत (एचएडीआर) प्रयासों को आगे बढ़ाया जा रहा है। नौसेना के कमोडोर रघुनाथ नायर ने आज बताया कि म्यांमार में 28 मार्च को

आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत सरकार ने सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया ऑपरेशन 'ब्रह्मा' तेज कर दिया है। नौसेना ने इसके लिए चार जहाजों को तैनात किया है, जिसमें से जहाज सतपुड़ा और सावित्री 29 मार्च को यांगून के लिए 40 टन मानवीय सहायता लेकर

म्यांमार पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा अंडमान और निकोबार कमान से भारतीय नौसेना के जहाज करमुक और एलसीयू 52 भी मानवीय सहायता और आपदा राहत संचालन में सहायता के लिए 30 मार्च को यांगून के लिए रवाना किये गए हैं। इन जहाजों पर लगभग 52 टन राहत सामग्री लादकर भेजी गई है, इस क्षेत्र में 'पहला प्रतिक्रियादाता' बने रहने के भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है। दो जहाजों को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम बंदरगाह में स्टैंडबाय पर रखा गया है। इन्हें मंगलवार को रवाना किया जाएगा और दोनों जहाज लगभग उसी समय म्यांमार पहुंचेंगे, जब वहां पहले से मौजूद दो जहाज वापसी के लिए रवाना होंगे।

सेना की ओर से बताया गया है कि म्यांमार में 28 मार्च को आए भूकंप के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ऑपरेशन ब्रह्मा के हिस्से के रूप में तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष चिकित्सा कार्य बल तैनात कर रही है। लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल के नेतृत्व में शत्रुजीत ब्रिगेड मेडिकल रिस्पॉन्डर्स की 118 सदस्यीय एयरबोन एंजल्स टीम आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के साथ आगरा से मांडले के लिए रवाना हो चुकी है।

NAME CHANGE
I, Rajkumar Mondal S/o. Nemai Mandal R/o. C-6, 2nd Floor, Arya samaj Road, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to RAJKUMAR MANDAL permanently

NAME CHANGE
I Mukesh Kumar Kataria S/O Ram Chander Kataria, R/O Plot No. - D-1/67, U/G/F, 1st Floor, Mansa Ram Park, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi - 110059, have changed the name of my minor SON BHAVYA aged 12 years and he shall hereafter be known as BHAVAY KATARIA.

NAME CHANGE
I hitherto known as RITA VISHWAKARMA W/O SATY NARAIN VISHWAKARMA R/o Vill-kusumhi PO: Brahmanpur, Kushumahi, jaunpur, Leorua, Uttar Pradesh - 222148 have changed my name and shall hereafter be known as SHANTI VISHWAKARMA

NAME CHANGE
It is for general information that I, GARIMA DAS W/o SHAILENDRA KUMAR, R/o Flat No. 8, Kanishka Apartments, Shalimar Place Site, Haiderpur Badli More Metro Station, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi-110088, declare that name of mine has been wrongly written as GARIMA in my minor daughter namely CHARVI SHARMA aged 14 years in her School Record. The actual name of mine is GARIMA DAS.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JATIN KHODEJA S/o BABU LAL Residing at SU-89, Pitampura, VTC: Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi - 110034, declared that the name of my minor Son has been wrongly written as DAKSH in my minor Son namely DAKSH KHODEJA aged 6 years in his School Records. The actual name of my minor Son is DAKSH KHODEJA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I ,SHAKIR HASAN JAIDI, S/o. Shri,NAFIS AHAMAD, R/o, MOHALLA SARAI RAFI NEAR TRACK UNION, CHANDPUR, Bijnor, 246725, Uttar Pradesh, INDIA, I have changed my name to SHAKIR HASAIN ZAIDI for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as SONELAL S/O SHRIPAL R/O 274, KUMHAR WALI GALI, RAMPURA, PO-ONKAR NAGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110035 have changed my name and shall hereafter be known as SONU.

NAME CHANGE
I, GO-2289M, Mukul Kumar Misra, SE (Civ), son of Shri Shiva Kumar Misra, aged about 59 Yrs, by faith: Hindu, by Occupation: Service, residing at present: A2/445, Himsagar Apartments, Pocket-4, Builders Area, Greater Noida, Kasna, Gautam Budh Nagar, UP-201310, have changed my daughter's name from BHAGYSHREE to BHAGYA SHREE MISRA(in my service documents) for all future purposes. Vide affidavit dated 28.03.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15222188W Rank-L/NK Name-PARMAR ARVINDKUMAR KANTIBHAI Father of TAKSH Presently residing at A-402, ARVIND AAVISHKAAR, NR ASHOKMILL COMPOUND, NARODA ROAD, AHMEDABAD CITY, PO-SAIJPUR BOGHA, DIST AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my minor son's name from TAKSH to TAKSH ARVINDKUMAR PARMAR for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I. SATYAM KUMAR S/O SANTOSH KUMAR SINGH R/O House no -189, G- Block Jahangir pur, N.S Mandi, North West Delhi, Delhi -110033 declare that name of my father has been wrongly written as SANTOSH KUMAR in my 10th class marksheet The actual name of my father is SANTOSH KUMAR SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Dharm Kumari Alias Manju D/O Payare Lal W/O Rajesh Kumar, R/O C-60 PREM NAGAR-3, kirari suleman nagar, DIST: North West Delhi, Delhi - 110086,Have changed my name and shall hereafter be known as MANJU.

NAME CHANGE
I, Sapna Shrivastawa W/O Digvijay Kumar Shrivastawa R/O Flat No-B-51, Vrindavan Apartment, Plot No-1 Sector-6, Dwarka Delhi-110075 Have changed my name to sapna srivastwa for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Reena D/O Kartarchand Rana W/O Ranjeet Singh Rana R/O U-10/48, Near Microsoft Buidng,DLF Phase-3, Gurgaon Haryana-122002 Have changed my name to Reena Rana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SARETA SINGH Mother of JC-392437K, Rank-NB SUB, Name-KAUSHLENDRA SINGH residing at VILL-PATHAK KHERA, POST-USROO, DISTT-RAE BARELI, UTTAR PRADESH-229202, have changed my name from SARETA SINGH to SARITA SINGH for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1957 instead of my correct date of birth as 07/07/1960 vide Affidavit dated 01/04/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ASHA POPLI D/O DARBARI LAL POPLI R/o H.No - WZ - 67D, Meenakshi Garden, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, declare that name of mine has been wrongly written as ASHA RANI POPLI in my 10th class, Beautician & hair dressing provisional certificate and trade certificate educational documents and name of mine has been wrongly written as ASHA RANI in my 12th class educational documents and name of my father has been wrongly written as DARBARI LAL in my PAN Card No. AOOPP6117M. The actual name of mine is ASHA POPLI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, GO-5902Y Rank-Pvt Secy Name-VK GOPAL UNIT ADD. HQ DGBR/TP, SEEMA SADAK BHAWAN, RING ROAD, DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o 19-7-86 A/2, RC ROAD, TIRUPATI, TIRUPATI URBAN, POST TIRUPATI, DISTT-CHITTOOR, STATE ANDHRA PRADESH PIN 517501,have changed my name from VK GOPAL to VECHAM GOPAL for all future PURPOSES

NAME CHANGE
I, Satya Bhama Dholkariya W/o Mukesh Kumar R/o 5A/11016, WEA, Sat Nagar, Street No.8, Karol Bagh, New Delhi:-110005 have changed my name to Satya Bhama.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that the ownership of F.I.C ENTERPRISES PRIVATE LIMITED CIN: U92419DL2022PTC405992 R/o Shop no 4, G-Floor, Plot no 2, Khasra no. 133, Neb Sarai, South Delhi-110068 has been transferred by Mr. Anand Kumar and Mr. Umashankar Saha to Ms Fiza Khan and Ms. Neelam respectively.If any individual or entity has any pending amount or claim with the company, please bring it to our attention within 15 days of this notice. You can contact us through the following means through Email:anandarya22.ak@gmail.com;Query.fiza@gmail.com (M:+91-9958143082)."

NAME CHANGE
I hitherto known as APURVA daughter of Shri SACHIN KUMAR, residing at House No. 76 B, Kala Enclave, Near SMS Public School, Khora Colony, Khora, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309, have changed my name and shall hereafter be known as APURVA CHAUDHARI.

NAME CHANGE
I, SUNITA DEVI Wife of No-6949128W, Rank-NK, Name-SUBHASH BHASKAR Residing at WARD NO-5, VPO-GADA KHERA, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333026, have changed my name from SUNITA DEVI and SUNITA for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/04/1983 instead of my correct date of birth as 08/10/1980 vide Affidavit dated 01/04/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mahendrapal S/O Dinanath R/O KH NO-1597, HANUMAN VATIKA, Bahaita Hajeepur, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Kunnugiri Guru Nageshvargiri in my Aadhar card no 9395 0266 8616.The actual name of mine and my father are MAHENDRAPAL AND DINANATH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Rita alias Rita Rani D/O Hari Ram Dhupar W/O Vijay Kumar R/O H No. L-81, New Colony , D-Park , Palwal Haryana -121102, have changed my name and shall hereafter be known as Rita Rani for all future purposes.

Auction Notice
The Citizen Co-operative Bank Ltd4/3 (8750) Ist Floor, D.B. Gupta Road, Pahar Ganj, (Near Jindal Hotel) New Delhi-110055 This is bring in to notice of General Public that The Citizen Co-operative Bank Ltd, New Delhi (Secured Creditor) will going to conduct Auction of Shop situated at Bearing No 24 on Ground Floor, South Patel Nagar Market, New Delhi-110008, Measuring 16.94 Sq. Mtrs. Date & Time of E-auction-15/04/2025 & 11 AM For More information kindly contact bank web site www.citizenbankdelhi.com/visit & bank during business hours 10 AM to 4 PM.

PUBLIC NOTICE
Mr. Pramod Kumar Verma Owner of the Residential EWS Flat no 132, 2nd Floor, Block-C-6 , Sector -31 , Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P., Mr. Pramod Kumar Verma have lost Original GPA executed by M/s Dolly Co. through Proprietor Smt. Paramjeet Kaur. In favour of Mr. Narender Pal Singh duly regd. vide doc no 85, vol no 225 , page no 239-252 dated 25.03.2008 in sub registrar III Noida, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced GPA aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that we, Mr. Vijender Singh (Aadhar No. 332884016747) AND his wife Mrs. Meena Devi (Aadhar No. 449911073194), residents of E-378 E-Block, Bharat Vihar, South West Delhi, hereby declare that our son Mr. Nishchint Singh (Aadhar No. 985883969244) s/o Mr. Vijender Singh has been disowned and disinherited from all our movable and immovable properties.
Due to Multiple Illegal Things, we have severed all our relations with are Son and he shall have no rights, claims, or interests in any of our properties in any manner whatsoever.
We, therefore, caution the general public that any person dealing with Mr. Nishchint Singh s/o Mr. Vijender Singh in respect of any property owned by us shall do so at their own risk and responsibility, and we shall not be liable for any consequences thereof.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Smt. Shashi Devi & Sh. Deepchand in respect to Plot No. 30/2 New No. B354 area measuring 35 sq. yds. out of Khasra No. 401/1 in Gali No. 10 situated in Gagan Vihar village Brahmpur alias Bhopura Pargana Loni Tehsil & Distt. Ghaziabad U.P stating that Sh. Deepachand has undisputed ownership vide Gift deed dated 11.03.2025 , executed by Sh. Sunder Pal, Doc No. 2933 . Now my client intends to sell the property in which **SMFG India home finance Co. Ltd** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Phone No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Sachin Kumar is purchasing the Flat Private No.10, Third Floor, with roof rights, admeasuring 70 Sq. Yds., built on Property No.48, total area admeasuring 200 Sq. Yds., carved out of Khasra No.436, situated in the abadi of New Vijay Nagar, now known as Vijay Block, Laxmi Nagar, in the area of Village Mandawali Fazalpur, Shahdara, Delhi-110092 from Mrs. Urmila Gupta as attorney of Mr. Ved Parkash, Mr. Jag Mohan Gupta & Mr. Sudhir Kumar Kuchhal who are the owners of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 27.07.2004 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I YALLUBAI Mother of No: 15748096K Rank: SIGMN Name: SHANKAR GORAL residing at Vill- Topinkatti, PO-Topinkatti, Teh-khanapur, Dist-belgavi, Karnataka - 591302, have changed my name from Yallubai to Yallubai Goral for all future purposes. That both name Yallubai and Yallubai Goral pertain to one and same person. Vide Affidavit No DL 61590441084631X dated 01Apr 2025

PUBLIC NOTICE
The general public is hereby informed clients Prem Wati W/o Ram Chander Singh, and Ram Chander Singh S/o Gainda Lal, both R/o, 629, Gali No.12, Block-L-ist-A, Sangam Vihar, New Delhi-110062, has debarred/disowned their Daughter-in-law Sonam @ Poonam and Son Virender Kumar, from all their moveable and immoveable properties due to their misbehavior and disobedient attitude towards my clients. Now my clients have no relation /connection with her Sonam @Poonam, and Virender Kumar in future, my clients shall not be responsible for their acts, deeds, things etc. if in future anybody dealing with them shall do so at their own risk and responsibility and my clients shall not be held liable for the same.
RAJKUMAR BAUDH Advocate
Ch. No. 541, Lawyers Block, Saket Courts, Saket, New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Jyoti Goel & Mr. Pankaj Kumar Goel are the owner of Freehold Residential Property Municipal No. 894/58 (Property No. 894, Gali No. 58), land area measuring 100 sq. yds., out of Khasra No. 224, Situated in the area of Village Chowkri Mubarakabad, Delhi State abadi known as Lekhu Nagar, Tri Nagar, Delhi by virtue of Sale Deed dated 10.06.2024 duly registered in the office of SR VIA, Pitampura, as Doc No. 2024/15/I/7791, Book No. 01, Vol No. 13354, Page Nos. 1-24, dated 10.06.2024. initially Mr. Manohar Lal S/o Mr. Wadhan Ram Gugnani become the attorney holder of First Floor, Second & Third Floor with roof rights but after the death of Mr. Manohar Lal his legal heirs released entire property. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and First Floor without roof rights sold too be Mrs. Jyoti Goel and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Pitampura, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I, KISHNA AGGARWAL biological son of ROHIT AGGARWAL and POOJA AGGARWAL, R/o 1538, First Floor, Outram Lines, Kingsway Camp, G.T.B. Nagar, North West Delhi, Delhi-110009, declare that I have adopted by SURAJ AGGARWAL S/o BHUPENDRA AGGARWAL and SHIVANI AGGARWAL W/o SURAJ AGGARWAL R/o 1538, 1st Floor, Outramline Kingsway Camp, G.T.B. Nagar, North West Delhi, Delhi-110009, vide Adoption Deed Registration No. 518, Book No.-3, Vol. No.-434, Page-158 to 163, dated 10.02.2016 of Sub Registrar-VI-A, New Delhi/Delhi. Therefore name of my father and my mother may be known as SURAJ AGGARWAL and SHIVANI AGGARWAL respectively, for all future purposes.

NAME CHANGE
I ANNAPA Father of No: 15748096K Rank: SIGMN Name: SHANKAR GORAL residing at Vill- Topinkatti, PO-Topinkatti, Teh-khanapur, Dist-belgavi, Karnataka - 591302, have changed my name from Annapa to Annappa Goral for all future purposes. That both name Annapa and Annappa Goral pertain to one and same person. Vide Affidavit No DL 61592413828635X dated 01Apr 2025

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Daulat Ram S/o Mr. Nem Singh is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 55 Sq. Yds. i.e. 45.98 Sq. Mtrs. out of Khata No.00049 Khet No.521 Situated at Village Surajpur Pargana Dadri Tehsil and District Gautam Budh Nagar, U.P. by virtue of Sale Deed dated 12.12.2019., Vide Doc No.40771, Book No.1, Volume No.35205, On Page Nos.61-100, S.R- Greater Noida., In the chain documents below mentioned document not available i.e. (1) Court Order dated 16.08.2016 in the Hon'ble Civil Judge Senior Division & (2) Judgment dated 03.02.2018 in respect of Khet No.528, 521 and 520 Mi total area measuring 3.3200 Hectare. Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Ravindra Singh which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Peeraghari, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Sh. Manoj Kumar Sharma is the owner of Freehold Residential Plot No.7, having area measuring 100 Sq. Yds. pertaining to Khasra No.22/1 (3-10), in the area of Village Beselava, Tehsil & District Faridabad, Haryana. by virtue of Transfer Deed dated 05.01.2015 In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original of Sale Deed 20.10.1991 Executed by Sh. Babu Ram in favour of Sh. Ram Gopal in respect of the Said Property. vide 6987 SR-FDB, our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by DCB Bank Limited (KBM). 7/56, D.B. Gupta Road Karol Bagh, New Delhi If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **संजय, पुत्र श्री सूरज, निवासी राजीव भाटी अपार्टमेंट, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 85/2024, U/s 380/457 IPC, पुलिस थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संजय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संजय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **संजय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02 (केंद्रीय)
कक्ष संख्या 26
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/3917/CD/2025

एसपी ने पुलिस पब्लिक पीस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की

नारनौल। पुलिस अधीक्षक आज लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पुलिस पब्लिक पीस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। मीटिंग की शुरुआत एसपी ने पिछली मीटिंग के बिंदुओं पर पुलिस द्वारा किए गए कार्य का फीडबैक लिया। इस दौरान पीस कमेटी के सदस्यों ने पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई हुई मुहिम की सराहना की और कहा कि वो भी इस मुहिम के तहत युवाओं को नशे से दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान उनके नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की एसपी ने सराहना की। पुलिस पब्लिक पीस कमेटी के सदस्यों ने मार्केट क्षेत्र में पुलिस की प्रभावी गश्त की भी सराहना की। एसपी ने कहा कि समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखें, इससे जहां आपसी प्यार, सम्मान और भाईचारा बना रहेगा वहीं सामाजिक ताना बाना भी मजबूत होगा और शांति व्यवस्था बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अपने आसपास ऐसे बच्चों की पहचान करें जो स्कूल नहीं जा रहे, ऐसे बच्चों के स्कूल ना जाने के कारणों का पता लगाकर उनके परिजनों व बच्चों से संपर्क कर उनको शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

नूंह में बच्चों ने एमडीए की गाड़ी में लगाई आग

नूंह। नूंह जिले के मेवात विकास अभिकरण के कार्यालय के बाहर खड़ी एक कार में आग लगने की घटना सामने आई है। आग लगने का कारण कुछ बच्चों के पटाखा चलाना बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची शहर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई जनहानि होने की सूचना अभी तक नहीं है। बच्चों द्वारा गाड़ी के पास आग लगाने की पूरी वारदात कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फिलहाल पुलिस से पूरे मामले के जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11 बजे कुछ बच्चे एमडीए कार्यालय के बाहर खेल रहे थे ,वहीं मेवात विकास अभिकरण बोर्ड की कंडम अवस्था में एक इंडिगो कार खड़ी थी। इसके पास कुछ बच्चे आए और कार के साथ छेड़छाड़ करने लगे। तभी एक लड़के ने कार में कुछ डाल दिया। जिसे बाद में निकालने की कोशिश भी करने लगे। बच्चों ने गाड़ी के कांच भी तोड़े लेकिन वह कामयाब नहीं हुए। देखते ही देखते गाड़ी में एक धमाका हुआ और पूरी गाड़ी से धुंआ निकलने लगे। खते ही देखते पूरी गाड़ी धूं-धूं कर जलने लगी। आग की लपटों को देख पड़ोसियों ने शोर मचा दिया। जिसके बाद इसकी सूचना दमकल विभाग और शहर थाना पुलिस को दी गई।

तावडू में एसबीआई फाउंडेशन द्वारा नगद फसल बीज वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

तावडू। उपमंडल के गांव कालरपुरी में अखिल भारतीय ग्रामीण उत्थान समिति ने एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम सेवा परियोजना के अंतर्गत छोटे न सीमांत कृषि परिवारों को नगद फसलों के बीज एसबीआई तावडू बैंक मैनेजर द्वारा बीजों के कीट का वितरण किया गया। जिसके तहत कालरपुरी गांव के 20 किसानों को भिंडी का बीज वितरण किया गया। संस्था के प्रोग्राम अधिकारी गोपाल बाजिया ने बताया कि ग्राम सेवा परियोजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नगद फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए फाउंडेशन ने रेजिलेंट एग्रीकल्चर के तहत किसानों को एसबीआई तावडू की बैंक मैनेजर द्वारा बीज किट का वितरण किया। वहीं किसानों को कृषि ऋण लोन, पशुधन बीमा लोन आदि विषयों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान गांव के सरपंच एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान गांव से उद्यम, जीतू, सतपाल, सुन्दर, अशोक, मोनू, महेन्द्र, हरीश, धर्मपाल, मुकेश, गजराज, रणवीर, रेनू को बीज किट दिया गया। इस दौरान सुरेश, प्रियंका, गोपाल, असलीम, सागर, भूपेंद्र, रवींद्र, आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की प्रांतीय परिषद के त्रिवर्षीय चुनाव हुए

गुरुग्राम। हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की प्रांतीय परिषद के संगठनात्मक त्रिवर्षीय चुनाव संपन्न हुए। सर्वप्रथम एसोसिएशन के प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय प्रधान एसके गर्ग ने की तथा मंच संचालन बनवारी लाल शर्मा द्वारा किया गया। प्रतिनिधि सम्मेलन में संपूर्ण हरियाणा भर से आए हुए उनतीस जिला यूनिटो से 146 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रांतीय प्रधान, महासचिव, ऑर्गेनाइजर एवं कैशियर के द्वारा अपनी रिपोर्ट आगंतुक सभी प्रतिनिधियों के सामने रखी तथा कुछ प्रतिनिधियों के संबोधन एवं परस्पर वार्ता के उपरांत श्री एस के गर्ग प्रांतीय प्रधान ने अपनी केंद्रीय परिषद का इस्तीफा देकर मंच चुनाव अधिकारियों को सौंपी, चुनाव अधिकारियों मे सर्व श्री शशिकांत,चंद्रभान सैनी व लाखन सिंह ने बाखूबी चुनाव संपन्न करवाये। सर्वप्रथम प्रदेश प्रधान के चुनाव के लिए सिर्फ एस के गर्ग रिटायर्ड एसई का नाम आया तथा अन्य किसी दूसरे का नाम नहीं आने के कारण वे प्रांतीय प्रधान पद पर सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। दूसरा पद महासचिव के लिए धर्म सिंह भारद्वाज भी सर्वसम्मति से प्रांतीय महासचिव पद के लिए निर्विरोध विजय घोषित किए गए क्योंकि महासचिव पद के दूसरे प्रत्याशी बीर सिंह के द्वारा अपना नाम वापस ले लिया गया, उसके उपरांत प्रांतीय कैशियर पद के लिए दो नाम आये जगदीश राय व इंद्रजीत आजाद जिसमें जगदीश राय कैशियर निर्वाचित घोषित किए गए ।

आने वाले पांच साल में देश का कोई जिला ऐसा नहीं होगा जहां मेडिकल कॉलेज न हो : अमित शाह

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में किया महाराज अग्रसेन की विशाल प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी

हिसार। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सदृढ़ और बेहतरीन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आने वाले पांच साल में देश का एक भी ऐसा जिला नहीं बचेगा जहां मेडिकल कॉलेज नहीं होगा। भाजपा शासित राज्य के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाए जाने को लेकर पहले से ही काम चल रहा है। इतना ही नहीं आने वाले पांच वर्षों में मेडिकल की 85 हजार सीटें भी बढ़ाई जाएंगी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिले के महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां महाराज अग्रसेन की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही मेडिकल कॉलेज में नवनिर्मित आईसीयू का उद्घाटन और

पीजी छात्रावास का शिलान्यास भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडोली सहित अनेक नेता मौके पर मौजूद थे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य के लिए काम किए है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर महिलाओं को उपलब्ध करवाए, यह महिला के स्वास्थ्य से जुड़ा पहलू था। ऐसे ही शौचालय बनाकर दिए। इसके बाद योग मिशन आया, फिट इंडिया, पोषण अभियान भी इसी तर्ज पर शुरू हुए। मिशन इंद्रधुष के जरिये बच्चों की रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाया। आयुष्मान योजना, जल जीवन मिशन यह सब स्वास्थ्य से जुड़ी हुई हैं। अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर खास तौर पर काम कर रही है। 64 हजार करोड़ रुपये पब्लिक और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खर्च किए गए। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में आज देश में 23 एम्स हैं।

नरेन्द्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने तो थे तो देश में 7 एम्स थे। इनमें से 6 तो अटल जी के समय के थे। कांग्रेस के राज में एक ही एम्स बना। इसी तरह से मेडिकल कॉलेज की संख्या में इजाफा किया गया। 387 से दोगुनी करके इनकी संख्या 766 हो गयी है। मेडिकल की सीटों में भी बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में मेडिकल कॉलेज में 85 हजार एमबीबीएस की सीट और बढ़ेंगी और आने वाले वक्त में 2 लाख मेडिकल सीट हो जाएंगी। इसी के अनुपात में पैरामेडिकल की सीटों में भी इजाफा होगा।

गृहमंत्री शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सादगी स्वभाव और कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी शांत, सौम्य व्यक्तित्व के साथ-साथ एक कुशल प्रशासक भी हैं। हरियाणा में अब पहले की तरह नौकरियों में भेदभाव, जातिवाद नहीं किया जा रहा। एक क्षेत्र के लोगों को तवज्जों नहीं दी जाती बल्कि बिना खर्ची पर्ची के अब युवाओं को रोजगार मिलते हैं। ऐसी व्यवस्था नायब सरकार ने की है, जो उदाहरण बनी है। हरियाणा में बिना पर्ची और खर्ची के पारदर्शिता से नौकरी की व्यवस्था कायम होने से युवाओं में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन हिसार हवाई अड्डे का किया दौरा

प्रधानमंत्री का 14 अप्रैल को हिसार में दौरा है प्रस्तावित

एजेंसी

हिसार। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 14 अप्रैल को प्रस्तावित हिसार दौरे की तैयारियों के मद्देनजर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने महाराजा अग्रसेन हिसार हवाई अड्डे का दौरा किया और वहां चल रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने हवाई अड्डे की परियोजनाओं से संबंधित अधिकारियों को चालू कार्यों में तेजी लाने की हिदायत दी, साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को 14 अप्रैल के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर अग्रिम तैयारियां करने के लिए कहा। गौरतलब है कि हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या सहित विभिन्न राज्यों के लिए यात्री सेवाएं आरंभ करने की योजना फलीभूत होने जा रही है। गत शुक्रवार को ही महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे पर एलायंस एयर के यात्री विमान की सफलतापूर्वक ट्रायल लैंडिंग करवाई गई जो बेहद सफल रही थी। एलायंस एयर के जिस

विमान से ट्रायल लैंडिंग करवाई गई है, वह 72 सीटर एटीआर-72600 विमान है। इस ट्रायल लैंडिंग के उपरांत हिसार से अयोध्या व अन्य स्थलों के लिए नियमित यात्री-विमानों के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा, विधायक श्री विनोद भयाणा, विधायक श्री रणधीर पनिहार भी साथ थे।

समालखा पट्टी कल्याण में बुधवार से भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण, सभी तैयारियां पूरी

कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, मुख्यमंत्री नायब सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली रहेंगे मौजूद

● जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मंडल अध्यक्षों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़, । समालखा पानीपत में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 2 अप्रैल बुधवार से शुरू होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में भाजपा जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मंडल अध्यक्षों को प्रशिक्षित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में होने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, सह-प्रभारी सुरेंद्र नागर, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा समेत केंद्र व राज्य के मंत्रियों के अलावा केंद्रीय आईटी एवं सोशल मीडिया प्रमुख अमित मालविया भी मंच पर उपस्थित रहेंगे और अपने विचार रखेंगे। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने बताया कि 2 और 3 अप्रैल को पानीपत समालखा के पट्टी कल्याण में होने वाली कार्यशाला की पार्टी ने तैयारियां कर ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और समय-समय पर कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों की जानकारी देने व प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन नियमित रूप से होता रहता है। संगठन और पार्टी की विचारधारा की कार्यकर्ताओं को जानकारी दी जाती है और संगठनात्मक विषयों पर प्रशिक्षित किया जाता है। अरविंद सैनी ने बताया कि हरियाणा में भाजपा का संगठन पर्व चल रहा है। बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां हो चुकी हैं। नवनियुक्त जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों व मंडल अध्यक्षों को इस कार्यशाला में बुलाया गया है। इस प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को संगठन के पदाधिकारियों और नेताओं का मार्गदर्शन मिलेगा। पदाधिकारियों को मीडिया, सोशल मीडिया व पार्टी की परिपाटी के बारे में बताया जाएगा। इन दो दिनों में भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धिं से भी कार्यकर्ताओं को अवगत कराया जाएगा। अरविंद सैनी ने बताया कि भाजपा के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करते हैं। कार्यशाला में सभी बड़े नेता पार्टी की कार्ययोजना एवं रणनीतियों तथा विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे, ताकि हमारे कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएं और विकसित भारत व विकसित हरियाणा बनाने में अपना योगदान दे सकें।

डीएमसी ने सफाई कर्मचारियों की ली औचक हाजिरी

एजेंसी

नारनौल। जिला नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त ने आज नगर परिषद में सफाई कर्मचारियों की औचक हाजिरी ली। इस मौके पर गैर हाजिर मिले 26 कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश दिए। डीएमसी ने सफाई के प्रति कर्मचारी को जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छता जीवन का सबसे अहम हिस्सा है। स्वच्छता केवल हमारे आसपास के वातावरण को साफ रखने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य और जीवनशैली के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। यहीं कारण है कि देश के प्रधानमंत्री लगातार नागरिकों से

स्वच्छता का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह शहर आप सभी लोगों का है। ऐसे में हम सभी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना चाहिए। डीएमसी ने कहा कि जो कर्मचारी अच्छा कार्य करेगा उसे सम्मानित किया जाएगा। आने वाले गर्मी के सीजन को देखते हुए उन्होंने सभी कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपनी सेहत का ख्याल रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। समय पर खाना लें। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए की कर्मचारियों के तनख्वाह, एसीपी तथा पदोन्नति से संबंधित सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। कर्मचारी जब मेहनत करते हैं तो हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी हर बात का ख्याल रखा जाए। इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिए की सफाई कर्मचारियों के पास अगर किसी सामान की कमी है तो उसे जल्द से जल्द उपलब्ध करवाया जाए। इस मौके पर नगर परिषद के एक्सईएन सुंदर श्योराण तथा जेई विकास शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी भी मौजूद थे।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने युवाओं से किया सकारात्मक राजनीति में भाग लेने का आह्वान

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने युवाओं से सकारात्मक राजनीति में भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि युवाओं को विकसित भारत-2047 के लिए अपनी भूमिका तय करनी चाहिए। इसके लिए कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता से आगे बढ़ने की जरूरत है। कल्याण हरियाणा विधान सभा में आयोजित 'विकसित भारत युवा संसद 2025' को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से किया गया, जिसमें प्रदेश भर से 86 युवाओं ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी ने विकसित भारत बनाने के उद्देश्य से 3 मिनट तक संवैधानिक मूल्यों पर अपने विचार रखे। विकसित भारत युवा संसद 2025 की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिसार की निमिशा सूर्यवंशी प्रथम, रोहतक की भूमिका द्वितीय तथा झज्जर की दक्षिता गुलिया तृतीय स्थान पर रहीं। विस अध्यक्ष ने इन सभी को सम्मानित कर सभी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अमंगल से मंगल की प्रेरणा हैं नवरात्रे पर्व : गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा कल्याण नगर में दूसरे नवरात्रे को आयोजित किया गया सत्संग

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा गीता ज्ञान संस्थानम के मीडिया प्रभारी रामपाल शर्मा के कल्याण नगर स्थित निवास स्थान पर दूसरे नवरात्रे प्रातः सत्संग आयोजित किया गया। रूद्राश शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सत्संग में सुनील वत्स, पवन गुब्बंर, रामकुमार शर्मा, नवीन भारद्वाज तथा रतन रसिक द्वारा गाए गए भजनों से सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। भजनों पर ठाकुर जी की युगल जोड़ी के सामने श्रद्धालु खूब जमकर नाचे। सत्संग में थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा भी विशेष रूप से शामिल हुए और गीता मनीषी का आशीर्वाद प्राप्त किया। सत्संग के आयोजक रामपाल शर्मा परिवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने अशीर्वाद स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने आर्शीवचन में

गीता मनीषी ने कहा कि नवरात्रे पर्व हमारी सनातन परंपरा का गौरव है। नवरात्रे शक्ति उपासना के दिन माने जाते है, शक्ति उपासना के इन दिनों में अनेक प्रेरणाएं छिपी हुई है। नवरात्रे अमंगल से मंगल की प्रेरणा है। नवरात्रों को अशुभ से शुभ की प्रेरणा माना जाता है। इन दिनों में व्यक्ति प्रत्येक प्रकार का नशा और बुरे कार्य छोड़ देता है, उसे यह प्रेरणा नवरात्रों से मिलती है। हमारे त्योहारों में प्रेरणा देने की शक्ति है। हमारे त्यौहारों और तीर्थों में प्रेरणाएं छिपी हुई है, उन्हें मिटाया नहीं जा सकता, कुछ समय के लिए इन पर आवरण तो आ सकता है, लेकिन इन प्रेरणाओं को समाप्त नहीं किया जा सकता।

तीर्थों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गीता मनीषी ने कहा कि तीर्थ जीवंत होते हैं। नवरात्रों की प्रेरणा आदिकाल से चली आ रही है। प्रथम नवरात्र के दिन से ही हमारी सनातन परंपरा का गौरव नवसम्वत शुरू होता है और इन दिनों से ही सभी मांगलिक कार्य किए जाते है। अंग्रेजी नववर्ष हुड़दंग से शुरू होता है, जबकि सनातन नववर्ष मांगलिक कार्यों से शुरू होता है। नवरात्रे ऐसे पावन व शुद्ध दिवस है, जिनसें हमें अच्छी-अच्छी प्रेरणाएं मिलती है। इस अवसर पर ब्रह्मचारी शक्ति जी, थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा, ब्राह्मण एवं तीर्थोद्वार सभा के मुख्य सलाहकार जयनारायण शर्मा, नगर पार्षद मनु जैन, पूर्व पार्षद विवेक मैहता (विक्की), विजय नरूला, इंजीनियर चंद्र प्रकाश शर्मा, रवि प्रकाश शर्मा, सरोज शर्मा, रजनी शर्मा, रितु शर्मा, मोनिका शर्मा, यशेंद्र शर्मा, पृथ्वीनाथ गौतम एडवोकेट, सुभाष पाली, पिंकी जयकिशन, अनिरुद्ध शर्मा (हनी) मांगेश्वर शर्मा, अभिनव शर्मा, मंगतराम मैहता, पवन भारद्वाज, हंसराज चोपड़ा, रमाकांत शर्मा, तरुण चुघ सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने सत्संग में भाग लिया और गीता मनीषी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

धनखड़ ने सीएम योगी के साथ की एक राष्ट्र - एक चुनाव पर चर्चा

● नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ तात्कालिक विषयों पर योगी के साथ हुई सार्थक चर्चा - बोले धनखड़

● यूपी प्रवास पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने नववर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ से शिष्टाचार भेंट की और नववर्ष 2082 की शुभकामनाएं दीं। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों नेताओं ने एक राष्ट्र -एक चुनाव सहित अन्य तात्कालिक विषयों पर सार्थक चर्चा की। राष्ट्रीय सचिव श्री धनखड़ ने अपने उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, यूपी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह,कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात की और संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्य योजनाओं के बारे में चर्चा की।

वर्चुअल माध्यम से विधायकों व कार्यकर्ताओं को दिए दिशा निर्देशः श्री धनखड़ ने उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के साथ संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के

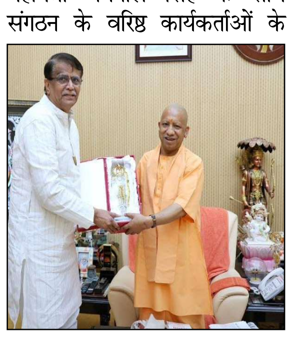

साथ विभिन्न विषयों पर विस्तार से सार्थक चर्चा की । इस उपरांत वर्चुअल माध्यम से उत्तर प्रदेश के सभी विधायकों, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष और चेयरमैन के साथ सीधा संवाद किया, आगामी कार्य योजनाओं और संगठनात्मक विषयों पर दिशा निर्देश दिए।

किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदने के बीजेपी सरकार के दावे झूठे : अभय सिंह चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने अनाज मंडियों में किसानों की फसल को एमएसपी पर न खरीदने के आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों की सरसों 500 से 600 रूपए कम पर खरीद कर सरेआम लूटा जा रहा है। बीजेपी सरकार किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदने के झूठे दावे करती है। लेकिन हकीकत बीजेपी के दावों से बिलकुल उलट है और सरसों की खरीद-फरोख्त में जमकर धांधली की जा रही है। बीजेपी पूरी तरह से किसान विरोधी है जिसके कारण आज प्रदेश का किसान हर साल डेढ़ लाख रूपए नुकसान में जा रहा है इसकी एक अधिकारिक रिपोर्ट एचएयू के प्रोफेसर द्वारा जारी की गई थी। बीजेपी सरकार का संरक्षण प्राप्त दलाल मंडियों में किसानों की सरसों की फसल में अलग अलग कमियां बताकर परेशान करते हैं। कभी सरसों के दानों को छोटा बताकर और कभी उनमें नमी बताकर किसानों को गुमराह कर रहे हैं। किसान दलालों के बहकावे में आकर अपनी फसल को

सस्ते में बेच रहे हैं और दलाल उसी सरसों को एमएसपी पर बेच कर भारी मुनाफा कमा रहे हैं। भोले भाले किसानों के साथ मंडियों में सरेआम धोखाधड़ी की जा रही है, उन्हें लूटा जा रहा है यह सब बिना सरकार के संरक्षण के संभव नहीं है। किसानों को शोषण से बचाने के लिए ही एमएसपी कानून की गारंटी बहुत जरूरी है। सरकार किसानों को परेशान करना बंद करे और झूठे दावे करने की बजाय उनकी फसलों को एमएसपी पर खरीदे।

साइबर अपराधों व नशे के दुष्प्रभावों के बारे जानकारी देकर किया जागरूक

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के निर्देशानुसार व पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल की देखरेख में महिलाओं/बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने व उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से महिला थाना पश्चिम ने कर्मचारियों/स्टाफ को महिलाओं/बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों, साइबर अपराधों, सेल्फ डिफेंस, पॉक्सो एक्ट, डायल 112 व दुर्गा शक्ति ऐप व नशा करने के दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा कम्पनियों के स्टाफ/कर्मचारियों को महिलाओं/बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों, साइबर अपराधों के प्रकार, इससे बचाव व ये अपराध होने के उपरान्त उनके बचाव/निवारण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा इन अपराधों के लिए कानून के दिए गए प्रावधानों व सजा इत्यादि के बारे में भी जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों/कर्मचारियों/स्टॉफ को पुलिस टीम द्वारा नशा करने के दुष्प्रभावों, नशा करने के आदि लोगों को नशा मुक्ति उनके पुनर्वास के बारे में जानकारी देकर भी जागरूक किया गया तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इन विशेष जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस टीम द्वारा पुलिस की डायल-112 व दुर्गा शक्ति एप्लिकेशन/ऐप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि डायल-112 ऐप को इंस्टॉल करके ऐप में अपनी डिटेल्स जैसे नाम, मोबाईल नंबर, पता इत्यादि एक बार अपडेट करना है, उसके बाद जब भी किसी असुरक्षित परिस्थिति में पुलिस सहायता की जरूरत हो तो डायल-112 ऐप से माध्यम से पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती है और उस समय पीड़िता को अपना नाम मोबाईल नंबर व पता/लोकेशन बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RITIK YADAV S/o SATBIR, resident of Patasni (256), PO. Utlodha, Dist. Jhajjar, Haryana-124103, declare that name of mine has been wrongly written as RITIK in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is RITIK YADAV, which may be amended accordingly

सर्राफा बाजार में तेजी से ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज सोना 670 रुपये से लेकर 730 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इस तेजी के कारण दिल्ली समेत कई शहरों में 24 कैरेट सोना पहली बार 92 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। वहीं 22 कैरेट सोना भी 84 हजार रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 91,920 रुपये से लेकर 92,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 84,260 रुपये से लेकर 84,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,03,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 92,070 रुपये प्रति 10

ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 84,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 91,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 91,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 84,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 91,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 84,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 91,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 92,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 84,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 91,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 84,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 92,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 84,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 91,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 84,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एचबीएल इंजीनियरिंग को कवच के लिए मिले 762 करोड़ के ऑर्डर

एजेंसी

नई दिल्ली। एचबीएल इंजीनियरिंग को सेंट्रल रेलवे ने स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' के लिए पांच ऑर्डर दिए हैं, जिनकी कुल कीमत 762.56 करोड़ रुपये है। कंपनी ने बताया कि इस साल अब तक उसे कवच से जुड़े कुल 3618 करोड़ रुपये के ठेके मिल चुके हैं। ये ठेके 413 रेलवे स्टेशनों के बीच लगभग 3900 किलोमीटर के ट्रैक पर कवच प्रणाली लगाने के लिए दिए गए हैं और इन्हें पूरा करने में 18 महीने लगेंगे। कवच एक आधुनिक तकनीक पर आधारित सुरक्षा प्रणाली है, जो ट्रेन चलाते समय किसी गलती या आपातकाल में अपने आप ब्रेक लगा देती है। यह सिस्टम खासकर तब काम आता है जब लोको पायलट सही समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता या मौसम खराब होता है। रेलवे के अनुसार, ट्रैक पर कवच लगाने का खर्च लगभग 50 लाख रुपये प्रति किलोमीटर है और इंजनों में यह सिस्टम लगाने का खर्च करीब 80 लाख रुपये प्रति इंजन है। अब भारतीय रेलवे पूरे देश में इस कवच प्रणाली को बड़े पैमाने पर लगाने की योजना बना रहा है। फिलहाल, तीन कंपनियों को इस सिस्टम की आपूर्ति की मंजूरी दी गई है और बाकी कंपनियों का परीक्षण चल रहा है। रेलवे ने 10 हजार इंजनों में कवच प्रणाली लगाने की योजना बनाई है। इसके अलावा 15 हजार किलोमीटर ट्रैक पर इस सिस्टम को लगाने के लिए निविदाएं जारी की गई हैं, जिनमें से 1865 किलोमीटर के लिए ठेके पहले ही दिए जा चुके हैं।

रिप्लस का बैटरी विनिर्माण संयंत्र विस्तार योजना का एलान

नई दिल्ली। बैटरी निर्माण कंपनी रिप्लस ने अपने वर्तमान एक गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) उत्पादन संयंत्र को अगले साल तक छह जीडब्ल्यूएच तक विस्तार करने की योजना का अनावरण किया। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस विस्तार में अगली पीढ़ी की बैटरी तकनीकों को शामिल किया जाएगा ताकि भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ऊर्जा भंडारण प्रणाली (ईएसएस) बाजार की जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्नत रिप्लस छह जीडब्ल्यूएच संयंत्र को हाई-स्पीड ऑटोमेशन मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस, एडवांस्ड सेल केमिस्ट्री का अपनाना और अगली पीढ़ी के उत्पादों का निर्माण जैसी विशेषताओं के साथ डिजाइन किया जाएगा। बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए संयंत्र एक सेल केमिस्ट्री और टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक दृष्टिकोण अपनाएगा, जिसमें उच्च ऊर्जा घनत्व सेल, ब्लेड सेल, भविष्य की सेल केमिस्ट्री जैसे एलए-आईऑन, एलएमएफपी और एलटीओ को संभालने की क्षमता होगी।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड बीकानेर में साझे में विकसित करेगी 500 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सीएनजी वितरण कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के निदेशक मंडल ने बीकानेर, राजस्थान में राज्य सरकार के एक उपक्रम के साथ मिल कर 500 मेगावाट क्षमता के एक सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना को मंजूरी दी है। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना पर दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यय होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि संयुक्त उद्यम में आईजीएल की हिस्सेदारी जिसमें आईजीएल की 74 प्रतिशत और राजस्थान सरकार द्वारा संचालित राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। कंपनी ने कहा है कि यह योजना सतत ऊर्जा यात्रा की दिशा में आईजीएल का एक निर्णायक कदम है और यह रणनीतिक पहल कंपनी के पोर्टफोलियो में विविधता लाने और अपने शुद्ध शून्य लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन का नेतृत्व करने के मिशन के साथ सहज रूप से जुड़ा है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ' आईजीएल के साथ साझेदारी में बीकानेर जिले में 500 मेगावाट का नया सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह परियोजना एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से क्रियान्वित की जाएगी। आरवीयूएनएल अपने आगामी सौर पार्क में संयुक्त उद्यम को भूमि उपलब्ध कराएगा और निर्बाध बिजली निकासी की सुविधा प्रदान करेगा।

आईजीएल बोर्ड ने अक्षय ऊर्जा उद्यम को दी मंजूरी

नयी दिल्ली। अपनी सतत ऊर्जा यात्रा की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए, देश की सबसे बड़ी सीएनजी वितरण कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के निदेशक मंडल ने राजस्थान में एक सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना को मंजूरी दे दी है। आईजीएल ने यहां बताया कि यह रणनीतिक पहल आईजीएल के अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और अपने नेट जीरो लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन का नेतृत्व करने के मिशन के साथ सहज रूप से संरेखित है। अक्षय ऊर्जा के सर्वोपरि महत्त्व को पहचानते हुए, कंपनी ने हाल ही में शुरू की गई अपनी विविधीकरण रणनीति में औपचारिक रूप से अक्षय ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण व्यवसाय खंड के रूप में पहचाना है। राजस्थान सरकार द्वारा संचालित राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) के साथ साझेदारी में बीकानेर जिले में 500 एम डब्ल्यू पी का ग्रीनफील्ड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह परियोजना एक संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी के माध्यम से क्रियान्वित की जाएगी, जिसमें आईजीएल की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि आरवीयूएनएल 26प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखेगी।

कामर्शियल गैस सिलेंडर 44.50 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष के महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 44.50 रुपये तक की कटौती घोषित की है । नई दरें मंगलवार (आज से ही) लागू हो गयी हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक आज से 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 44.50 रुपये तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 41 रुपये घटकर 1762 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई। पहले ये 1803 रुपये में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में इसका दाम 44.50 रुपये घटकर 1868.50 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1913 रुपये मे मिल रहा था। इसी तरह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कॉमर्शियल गैस की कीमत 1755.50 रुपये प्रति सिलेंडर से 42 घटकर रुपये 1713.50 रुपये हो गया है। इसके अलावा चेन्नई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1921.50 का मिल रहा है। हालांकि, तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव

नहीं किया है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि आज से यानि 1 अप्रैल से शुरू हो रहे वित्तीय वर्ष से 12 लाख रुपये तक की कमाई पर इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा आज से मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, हुंडई इंडिया और होंडा की गाड़ियों के दाम बढ़ जाएंगे।

निसान ने एक साल में सर्वाधिक 99 हजार से ज्यादा कारों की बिक्री का आंकड़ा पार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने घरेलू ऑटो उद्योग के समक्ष कई चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 में पहली बार एक साल के भीतर सबसे ज्यादा 99 हजार से ज्यादा कारों की बिक्री करने का आंकड़ा पार किया है। कंपनी का यह प्रदर्शन वित्त वर्ष 2017-18 से सात वर्षों में सर्वश्रेष्ठ है। इसमें नई निसान मैग्नाइट बी-एसयूवी की लोकप्रियता के चलते घरेलू बाजार में बेची गई 28 हजार से अधिक कारों और निर्यात की गई 71 हजार से ज्यादा कारों की संख्या शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 में 99 हजार से अधिक इकाइयों की समेकित बिक्री दर्ज होने पर निसान इंडिया ऑपरेशंस के प्रेसिडेंट एवं एएमआईईओ रीजन बिजनेस के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट फ्रैंक टोरेस ने एक बयान में कहा कि निर्यात के मोर्चे पर कंपनी ने अपने परिचालन को 20 बाजारों से 65 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक विस्तारित किया और 71 हजार से अधिक इकाइयों की अभूतपूर्व और ऐतिहासिक निर्यात बिक्री दर्ज की है, जिससे वैश्विक स्तर पर निसान के लिए बढ़ते

विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भारत की भूमिका और मजबूत हुई। फ्रैंक टोरेस ने कहा, 'निसान मैग्नाइट की लगातार सफलता के दम पर भारत निसान के विकास का मजबूत स्तंभ बना हुआ है। इस साल नई निसान मैग्नाइट का निर्यात एलएचडी मार्केट समेत 65 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हो रहा है।' उन्?होंने कहा कि भारत में बी-एसयूवी सेगमेंट में वैकल्पिक ईंधन वाहनों के लिए बढ़ती उपभोक्ता पसंद के बावजूद यह मजबूत प्रदर्शन किया गया। टोरेस ने कहा कि अक्टूबर 2024 में पेश नई मैग्नाइट ने न केवल निसान के घरेलू पोर्टफोलियो को मजबूत किया है, बल्कि इसकी वैश्विक रणनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इरेडा की ऋण स्वीकृतियां 2024-25 में 27 फीसदी बढ़कर 47,453 करोड़ रुपये हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) की ऋण स्वीकृतियां चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 27 फीसदी बढ़कर 47,453 करोड़ रुपये हो गई है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी बयान में यह जानकारी दी है। इरेडा की ओर से जारी अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष 2024-25 2024-25 के लिए ऋण स्वीकृतियां 47,453 करोड़ रुपये रही हैं, जो पिछले वित्त वर्ष के 37,354 करोड़ रुपये से 27 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में 25,089 करोड़ रुपये की तुलना में ऋण वितरण 20 फीसदी बढ़कर 30,168 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह बकाया ऋण पुस्तिका में भी 28 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई, जो 31 मार्च, 2025 तक 76,250 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष के 59,698 करोड़ रुपये से अधिक है। हालांकि, यह अनंतिम आंकड़े लेखापरीक्षा के अधीन हैं। इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 के अंतिम दिन इरेडा के वार्षिक प्रदर्शन की घोषणा करना हमारे निवेशकों के साथ कॉर्पोरेट प्रशासन और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उन्?होंने कहा कि ऋण स्वीकृति, संवितरण और ऋण पुस्तिका में इरेडा की निरंतर वृद्धि अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि हम अभिनव और सुलभ वित्तपोषण समाधानों के जरिए भारत के स्वच्छ

ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दास ने कहा, मैं केंद्रीय मंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के मंत्रालय सचिव, एमएनआरई के हमारे निदेशक मंडल, नियामक और एमएनआरई तथा अन्य मंत्रालयों के अधिकारियों को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं टीम इरेडा के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना करता हूं, जिनकी प्रतिबद्धता हमारी सफलता का आधार है।

अगले माह स्टॉक मार्केट में तेजी की उम्मीद, 10 साल के रिकॉर्ड के आधार पर लगाया गया अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली,। अक्टूबर 2024 से घरेलू शेयर बाजार में जारी गिरावट का दौर अब थमता हुआ आने लगा है। मार्च के आखिरी छह कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में आई तेजी से भी बाजार में जारी गिरावट के सिलसिले पर ब्रेक लगने का संकेत मिला है। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार का पिछले 10 साल का रिकॉर्ड भी तो अप्रैल के महीने के लिहाज से पॉजिटिव संकेत देता हुआ नजर आता है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि पिछले 10 साल के दौरान अप्रैल के महीने में निफ्टी ने सात बार औसतन 2.4 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इन 10 सालों में 2018 और 2020 के अप्रैल में निफ्टी में 5 प्रतिशत की तेजी रही है। इसी तरह 2015, 2021 और 2022 के अप्रैल में निफ्टी को

नुकसान का सामना करना पड़ा है। अक्टूबर, 2024 से लेकर मार्च 2025 के तीसरे सप्ताह तक घरेलू शेयर बाजार लगातार दबाव का सामना करता रहा है, लेकिन इस गिरावट की वजह से हाई प्राइस्ड शेयरों का वैल्यूएशन निवेशकों के लिहाज से काफी आकर्षक हो गया है। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की घरेलू शेयर बाजार में वापसी और भारतीय अर्थव्यवस्था के संकेतकों में आई मजबूती के कारण भी अप्रैल के महीने में घरेलू शेयर बाजार में तेजी का माहौल जारी रहने की उम्मीद बनी हुई है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि पिछले 10 साल के दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स ने तो 7 बार ही निवेशकों का फायदा कराया है, लेकिन ब्रॉडर मार्केट में स्थिति और भी बेहतर रही है। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स पिछले 10 साल के दौरान 8 बार पॉजिटिव रिटर्न देने में सफल रहा है। इन 8 सालों में इस सूचकांक में शामिल शेयरों ने औसतन 4 प्रतिशत का रिटर्न दिया। अगर ये ट्रेंड इस साल भी जारी रहा, तो लंबे समय से गिरावट की वजह से नुकसान का सामना कर रहे निवेशक एक बार फिर मुनाफे के रास्ते पर लौट सकेंगे।

जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद में विकासशील भारत उद्यमी नेटवर्क कार्यालय का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली/हैदराबाद। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद के जुबली हिल्स में विकासशील भारत उद्यमी नेटवर्क कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि जुबली हिल्स में आज विकासशील भारत उद्यमी नेटवर्क का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं को अपने स्वयं के उद्यम और स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, ताकि वे अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान कर देश को 2047 तक विकसित देश बना सकें। उन्होंने कहा कि विकाशसील भारत उद्यमी नेटवर्क जैसे संगठन युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने के लिए सभी आवश्यक प्रशिक्षण, जागरूकता और सहायता प्रदान कर रहे हैं। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयासों से युवाओं को लाभ मिलेगा। उन्?होंने कहा कि मैं विकासशील भारत उद्यमी नेटवर्क की पूरी टीम को बधाई देता हूं। इस तरह के संगठनों के माध्यम से छात्रों को शिक्षा के बाद स्टार्ट-अप और सफल व्यवसाय स्थापित करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में योगदान करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज भारत के नौजवान स्टार्टअप की ओर देख रहे हैं...युवाओं को उद्यमिता के प्रति प्रोत्साहित करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के आधार पर, यह उद्यमी नेटवर्क यहां बनाया गया है... मुझे विश्वास है कि इसके माध्यम से कई लोगों को स्टार्टअप करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा...!

रेसिप्रोकल टैरिफ की चिंता से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना पहली बार 3,100 डॉलर के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के मुताबिक रेसिप्रोकल टैरिफ लागू होने के पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया है। आज पहली बार सोने की कीमत 3,100 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करके 3,107.26 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई। मार्च के महीने में अभी तक सोने की कीमत में करीब 8 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। इसी तरह 2025 में अभी तक सोना 18 प्रतिशत चढ़ चुका है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करने का ऐलान करने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार के हर सेगमेंट में चिंता बढ़ गई है। इसीलिए बड़े निवेशक सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में निवेश करना ज्यादा पसंद

कर रहे हैं। इसी वजह से इस चमकीली धातु की कीमत में लगातार तेजी बनी हुई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि इस सप्ताह ट्रंप प्रशासन टैरिफ को लेकर क्या रुख अपनाता है, उस पर ग्लोबल मार्केट की नजर टिकी रहने वाली है। अगर रिसिप्रोकल टैरिफ को लेकर कड़ाई की गई, तो सोना 3,200 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक भी पहुंच सकता है। यदि 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिसिप्रोकल टैरिफ को लेकर नरमी दिखाई, तो इंटरनेशनल मार्केट में सोने में हाई लेवल पर प्रॉफिट बुकिंग की स्थिति भी बन सकती है। जानकारों का कहना है कि रेसिप्रोकल टैरिफ की शुरुआत होने के पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है। ऐसी स्थिति में रेसिप्रोकल टैरिफ लागू होने से दुनिया में ट्रेड वॉर बढ़ने की आशंका बन जाएगी, जिसका प्रत्यक्ष असर सोने की कीमत में तेजी के रूप में देखा जा सकता है।

अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में इसी तरह तेजी जारी रही, तो इसका असर भारत के सर्राफा बाजार पर भी पड़ेगा, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 99 प्रतिशत से भी अधिक सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदना है।

सीतारमण 8-10 अप्रैल तक लंदन दौरे पर जाएंगी, बैठकों में एफटीए पर हो सकती है चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 8 से 10 अप्रैल तक तीन दिवसीय दौरे पर ब्रिटेन जाएंगी। सीतारमण के इस यात्रा के दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और द्विपक्षीय निवेश संधि से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही वित्त मंत्री लंदन में भारत-यूनाइटेड किंगडम आर्थिक और वित्तीय वार्ता सहित कई बैठकों में भाग लेंगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्री इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान ब्रिटेन की चांसलर ऑफ द एक्सचेकर रेचल रीव्स और अन्य ब्रिटिश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकती हैं। इसके अलावा सीतारमण की व्यापार समझौते और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) से संबंधित मुद्दों पर भी दोनों के बीच चर्चा हो सकती है। इससे पहले 24

फरवरी को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार एवं व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत फिर से शुरू करने की घोषणा की थी। मंत्रालय के अनुसार भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता आठ महीने से अधिक के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है। दोनों देशों के बीच यह बातचीत 13 जनवरी, 2022 को शुरू की गई थी, अबतक 14 दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2022-23 में 20.36 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 21.34 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में छठा सबसे बड़ा निवेशक है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के बीच भारत को 35.3 अरब यूएस डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है।

डालमिया भारत ने 4.95 करोड़ टन की सालाना क्षमता का लक्ष्य किया हासिल

नई दिल्ली। देश की चौथी सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक कंपनी डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 4.95 करोड़ मीट्रिक टन सालाना की उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि डालमिया परिवार द्वारा प्रवर्तित कंपनी डीबीएल ने बिहार में अपने रोहतास सीमेंट वर्क्स (आरसीडब्ल्यू) संयंत्र में अतिरिक्त पांच लाख टन का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद यह लक्ष्य हासिल किया है। डीबीएल की भारत के पूर्वी क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति है। इसकी विनिर्माण इकाइयां- बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में स्थित हैं। कंपनी ने 2031 तक अपनी क्षमता को बढ़ाकर सालाना 11 से 13 करोड़ टन तक करने का लक्ष्य रखा है। डालमिया भारत के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी पुनीत डालमिया ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र में हमारी वृद्धि क्षेत्र की विकास क्षमता में हमारे दृढ़ विश्वास को दर्शाती है। इस विस्तार के साथ हम प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन करने और क्षेत्र में आर्थिक प्रगति में योगदान करने की अपनी क्षमता बढ़ा रहे हैं। गौरतलब है कि सीमेंट निर्माता संघ के आंकड़ों के मुताबिक भारत की कुल स्थापित सीमेंट उत्पादन क्षमता 69 करोड़ टन सालाना है।

वित्त मंत्री 'नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल 1 अप्रैल को करेंगी लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 1 अप्रैल को नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच पोर्टल लॉन्च करेंगी, जो वित?त वर्ष 2022-23 तक तीन दशकों में राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों पर डेटा के व्यापक भंडार तक पहुंच प्रदान करेगा। नीति आयोग ने जारी एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच पोर्टल की शुरुआत करेंगी। नीति आयोग ने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर एक पोर्टल बनाया है। यह पोर्टल लगभग 30 वर्षों (अर्थात वित?त वर्ष 1990-91 से वित?त वर्ष 2022-23) की अवधि के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों, शोध रिपोर्टों, शोधपत्रों और राज्य वित्त पर विशेषज्ञ टिप्पणियों पर डेटा का एक व्यापक भंडार है।

नीति आयोग के मुताबिक पोर्टल के चार मुख्य घटक हैं:-

राज्य रिपोर्ट:- 28 भारतीय राज्यों के समग्र और राजकोषीय स्थिति का सारांश, जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित।

डेटा संग्रह : - पांच क्षेत्रों अर्थात जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, राजकोषीय, स्वास्थ्य और शिक्षा में वर्गीकृत संपूर्ण डेटाबेस तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

राज्य का राजकोषीय और आर्थिक डैशबोर्ड :- समय के साथ प्रमुख आर्थिक चरों का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व प्रदर्शित करता है और डेटा परिशिष्ट के माध्यम से अपरिष?कृत डेटा या सारांश तालिकाओं के माध्यम से अतिरिक्त जानकारी तक त्वरित पहुंच प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं टिप्पणी : - राज्य वित्त तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजकोषीय नीति एवं वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक अनुसंधान पर आधारित है।

यह पोर्टल समग्र, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सहायता करेगा। इस पर आसानी से डेटा उपलब?ध होगा और यह उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप तथा एक ही स्थान पर समेकित क्षेत्रीय डेटा की आवश्यकता को भी पूरा करेगा। यह प्रत्येक राज्य के डेटा को अन्य राज्यों और राष्ट्रीय आंकड़ों के साथ संदर्भ में भी मदद करेगा। यह नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और अन्य लोगों को जानकारी और चर्चाओं के लिए डेटा का उल्लेख करने में रुचि रखने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। आयोग के मुताबिक यह पोर्टल एक व्यापक शोध केंद्र के रूप में काम करेगा, जो गहन शोध अध्ययनों के लिए डेटा और विश्लेषणात्मक उपकरणों का भंडार होगा। यह सूचना के केंद्रीय भंडार के रूप में कार्य करेगा, जो पिछले 30 वर्षों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों के व्यापक डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करेगा। ऐतिहासिक रुझानों और वास्तविक समय के विश्लेषण का लाभ उठाकर, उपयोगकर्ता प्रगति को पता करने, उभरते पैटर्न की पहचान करने और विकास के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियां तैयार करने में सक्षम होंगे।

चेहरे को चमकाने से बाल लंबे और घने करने तक, ऐसे काम आता है एलोवेरा

एलोवेरा का पौधा ज्यादातर घरों में आसानी से मिल जाता है और मार्केट में एलोवेरा जेल भी ज्यादा महंगा नहीं आता है. इसे आप चेहरा चमकाने से लेकर बालों की प्रॉब्लम से छुटकारा पाने तक के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. जान लेते हैं इसकी कुछ रेमेडीज.

एलोवेरा एक ऐसा इनग्रेडिएंट है जो मार्केट में किफायती दरों पर मिल जाता है तो वहीं घरों में भी फ्री में उपलब्ध है. ये सेहत से लेकर त्वचा तक के लिए बेहद फायदेमंद होता है. एलोवेरा जूस का सेवन करने से लेकर इसे गुम चोट, घावों पर लगाने से लेकर हेल्दी स्किन और बालों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है. एलोवेरा कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है. आयुर्वेद में एलोवेरा का इस्तेमाल कई दवाओं को बनाने में किया जाता है. आप भी इसका इस्तेमाल अलग-अलग तरीकों से कर सकते हैं. आज के इस आर्टिकल में जानेंगे एलोवेरा से जुड़ी ऐसी ही रेमेडीज के बारे में जो आपके बालों और त्वचा से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिला सकती हैं.

नेचुरल चीजों का इस्तेमाल आपकी सेहत से लेकर त्वचा, बालों तक के लिए ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. भले ही ऑर्गेनिक चीजें धीरे-धीरे असर करती हैं, लेकिन बेहतरीन रिजल्ट मिलता है और नुकसान होने की संभावना भी बहुत कम होती है, इसलिए दादी-नानी देसी नुस्खों का इस्तेमाल खूब किया करती थीं. जान लेते हैं त्वचा और बालों के लिए एलोवेरा की रेमेडीज.

चेहरे पर बढ़ेगा नेचुरल ग्लो

त्वचा में नेचुरल ग्लो तो हर कोई चाहता है. इसके लिए आप एलोवेरा को विटामिन ई के कैप्सूल के साथ मिलाकर चेहरे से गर्दन तक अप्लाई करें और 20 से 25 मिनट बाद फेस क्लीन कर लें. इस पैक को हफ्ते में दो से तीन बार यूज करने से कुछ ही दिनों में चेहरे के दाग-धब्बे, पिंपल्स कम होने लगते हैं और स्किन क्लियर हो जाती है. इससे स्किन में कसाव भी आता है.

बाल बनेंगे सिल्की-शाइनी

एलोवेरा में हाइड्रेटिंग गुण होते हैं, जो त्वचा के साथ ही बालों को भी नमी प्रदान करते हैं. फायदे को बढ़ाने के लिए दही और अंडा के साथ एलोवेरा मिलाकर बालों में लगाना चाहिए. इस हेयर पैक को लगाने के बाद आपको पहली ही बार में बेहतरीन रिजल्ट मिलेगा.

ड्राई स्किन होगी मुलायम

जिन लोगों की त्वचा में ड्राईनेस ज्यादा रहती है. उनके लिए भी एलोवेरा बेहतरीन इनग्रेडिएंट है. इसके लिए एलोवेरा जेल में शहद, गुलाबजल और दो से तीन बूंद नारियल का तेल मिलाकर अप्लाई करना चाहिए. इससे त्वचा मुलायम बनती है और ड्राईनेस कम होने लगती है.

डैंड्रफ दूर करे एलोवेरा

बालों के झड़ने की बहुत बड़ी वजह डैंड्रफ भी होता है. इससे छुटकारा पाने के लिए एलोवेरा को दही और नींबू के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है. इसके अलावा एलोवेरा जेल में थोड़ा सा कोई भी जेंटल स्क्रब मिलाकर स्कैल्प पर मसाज करके बाल धो देना चाहिए. इससे भी डैंड्रफ कम होती है. हफ्ते में एक बार ऐसा करने से जल्दी ही डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाता है.

आईपीएल में हो रही है चौकों-छक्कों की बरसात, कौन बनेगा चैम्पियन

आईपीएल का 18वां सत्र आरंभ हो चुका है। भारत के क्रिकेट इतिहास में आईपीएल की लोकप्रियता चरम पर है। हर साल गर्मियों में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में देश की प्रतिष्ठा भले ही दांव पर न हो लेकिन खिलाड़ियों को मालामाल करने के लिए यह काफी है। आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग देश का एक ब्रांड बन चुका है। इसमें हर खिलाड़ी भाग लेना चाहता है। वजह, बहुत कम समय में लखपति या करोड़पति बनने का यह सुनहरा अवसर है। हम सब जानते हैं कि विभिन्न टीमों में खिलाड़ियों को चुनने के लिए ऊंची बोलियां लगती हैं। अच्छे खिलाड़ियों को अपने पाले में करने के लिए फ्रैंचाइजी कंपनियां करोड़ों रुपये न्योछावर कर देती हैं। इस बार भी नीलामी में कई खिलाड़ियों के लिए कंपनियों में होड़ रही। मसलन, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच जमकर होड़ रही। आखिरकार लखनऊ ने 27 करोड़ रुपये में पंत को अपने साथ जोड़ लिया। हालांकि, अभी तक खेले गए दो मैचों में वह कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।कई खिलाड़ियों ने इस बार पाला बदल लिया है। पिछले सत्र तक जो खिलाड़ी जिस टीम में थे वे अब दूसरी टीम के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। इसी नाते कई टीमों के नए कप्तान भी दिख रहे हैं। पिछली बार की विजेता टीम कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब की टीम से जुड़ गए हैं। वह इस टीम के नए कप्तान हैं। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 लाख रुपये में खरीदा है। आईपीएल की नीलामी ने साल- दर- साल व्यापक रूप ले लिया है। इस नीलामी से क्रिकेट के खेल में भारत के एक बड़ी ताकत होने और अपने देश में क्रिकेट का विशाल बाजार होने का पता चलता है। यही कारण है कि अपने यहां आईपीएल की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। देखना यह है कि इस बार कौन सी टीम चैम्प्यनि बनेगी? कुल दस टीमों के बीच जोर आजमाइश शुरू हो चुकी है।कई युवा खिलाड़ी आईपीएल के मंच पर दमदार प्रदर्शन करके देश की टीम में शामिल हो रहे हैं। यह नेशनल टीम में आने का एक दरवाजा बन चुका है। यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रिंकू सिंह, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने आईपीएल के दम पर भारतीय टीम में अपनी जगह बनाई है।

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की एक चहेती टीम है जिसने अब तक 5 बार यह खिताब जीता है। देश के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस टीम के साथ आरंभ से ही जुड़े हुए हैं। वह 42 साल के हो चुके हैं पर, अब भी खेल रहे हैं। धोनी की वजह से यह टीम सबकी चहेती बनी हुई है। हर बार लगता है कि यह धोनी का आखिरी साल है लेकिन उनके करोड़ों प्रशंसक उन्हें रिटायर नहीं होने दे रहे। 2025 का आईपीएल उनका आखिरी है या नहीं, यह कोई नहीं बता सकता। धोनी जब तक फिट हैं, खेलते रहेंगे।

विराट कोहली एक और ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपनी टीम नहीं बदली। वह शुरू से यानी 2008 से ही रायल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ हैं। यह बात दीगर है कि उनकी टीम आजतक कोई खिताब नहीं जीत सकी है। कोहली द्वारा कप्तानी छोड़ने के बाद पिछले साल तक दक्षिण अफ्रीका के फाफ डू प्लेसी बेंगलुरू के कप्तान थे। इस बार युवा रजत पाटीदार कप्तान हैं। मुकेश अंबानी के मालिकाना हक वाली टीम मुंबई इंडियंस ने भी 5 बार आईपीएल का खिताब जीता है, मगर जबसे हार्दिक पांड्या इसके कप्तान बने हैं टीम का प्रदर्शन गिरावट पर है। पिछले साल रोहित शर्मा को हटा कर पांड्या को कप्तान बनाया गया। इससे टीम में कटुता भी दिखी है। इस बार भी पांड्या ही कप्तान हैं। जसप्रीत बुमराह इस टीम के मुख्य खिलाड़ी है लेकिन उनके साथ फिटनेस की समस्या है। कई माह से वह मैदान से बाहर हैं। गुजरात टाइटंस तीन साल पहले आईपीएल में शामिल हुई और 2023 में चैम्पियन भी बन गई। तब हार्दिक पांड्या ने अपनी कप्तानी का लोहा मनवाया था। ज बवह मुंबई के साथ चले गए तो शुभमन गिल को गुजरात का कप्तान बनाया गया है।

कोलकाता ने तीन बार आईपीएल जीता है। इस बार नए कप्तान अंजिक्य रहाणे पर यह जिम्मेदारी है कि वह 2024 में जीते खिताब की रक्षा करें। इस टीम के साथ क्विंटन डीकाक भी जुड़ गए हैं जो अभी तक लखनऊ के साथ थे। कोलकाता की जीत के बाद ही इसके कोच गौतम गंभीर को पिछले साल जुलाई में भारत का मुख्य कोच बनाया गया है। हैदराबाद की टीम के कप्तान ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस हैं। उनकी टीम पिछले साल उम्दा प्रदर्शन करके प्ले ऑफ में पहुंची थी। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गुजरात छोड़ कर इस बार हैदराबाद के साथ हैं। राजस्थान रायल्स को आईपीएल का पहला खिताब जीतने का श्रेय प्राप्त है, पर इसके बाद उसके हाथ खाली हैं। भारत के कोच पद से हट चुके राहुल द्रविड़ अब इस टीम के कोच हैं। संजू सैमसन इस टीम के कप्तान हैं। ऋषभ पंत के दिल्ली छोड़ने के बाद अक्षर पटेल को नया कप्तान बनाया गया है। दिल्ली ने अभी तक खिताब नहीं जीता है।

संपादकीय

मोदी की नागपुर यात्रा संतुलन की कवायद

अपने प्रधानमंत्रित्व काल के तकरीबन 11 वर्षों के दौरान भारतीय जनता पार्टी को नरेन्द्र मोदी ने इतना मजबूत बना दिया है कि उसके अध्यक्ष जेपी नड्डा को यह कहने में न तो संकोच हुआ और न ही डर लगा कि %अब भाजपा इतनी शक्तिशाली हो चुकी है कि उसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ज़रूरत नहीं रह गयी है%। देश ने अब तक भाजपा के दो ही प्रधानमंत्री देखे हैं- मोदी के अलावा अटल बिहारी वाजपेयी। तीन बार पीएम का पद सम्हालने वाले वाजपेयी का कार्यकाल हालांकि एक ही बार पूर्णकालिक रहा था (पहले दो बार क्रमश॰ 13 दिन व 13 माह का)।अटल बिहारी वाजपेयी 2007 में गोलवलकर शताब्दी समारोह में भाग लेने के दौरान संघ मुख्यालय गए थे, लेकिन तब वह प्रधानमंत्री के पद पर नहीं थे। बतौर प्रधानमंत्री मोदी ने भी 2014 से अब तक यहां आने की कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। 11 सालों बाद 2025 में अब कहीं जाकर मोदी ने रविवार को यहां का दौरा किया। वे भवन में स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर भी गये जहां संघ के संस्थापक हेडगेवार तथा दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के स्मारक हैं। इससे पहले मोदी 2013 में यहां आये थे, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। संघ के पदाधिकारी तथा प्रवक्ता इसे गैर राजनीतिक यात्रा बता रहे हैं, लेकिन संघ से वाकई बड़े हो चुके मोदी के यहां आने का मकसद,वह भी इतनी देर से, ढूंढ़ा जा रहा है।पहली बात यह कही जाती है कि नड्डा के उपरोक्त उल्लेखित बयान के कारण भाजपा तथा संघ के बीच रिश्तों में आई दरार को पाटने मोदी यहां आये थे। इतना ही नहीं, यह भी कयास लगाया जा रहा है कि अगले साल बिहार में होने जा रहे चुनाव पर भी चर्चा हुई होगी। कोई कह सकता है कि इस दौरान जब मोदी ने लोकसभा के तीन और न जाने कितने राज्यों के विधानसभा चुनाव जीत लिये तो अब बिहार का चुनाव जीतने हेतु उन्हें संघ प्रमुख से चर्चा करने के लिये क्योंकर आने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। बिहार के बारे में पिछले कुछ समय से भाजपा तथा संघ गम्भीर हैं। वह इस मायने में कि प्रदेश की भाजपा इकाई ने यह कहकर बिहार जीतने की मंशा जाहिर की है कि, पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब यहां भाजपा का मुख्यमंत्री बने।% हाल ही में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बिहार का पांच दिवसीय दौरा किया था। इन सारी बातों को जोड़कर भी देखा जा रहा है। वैसे नड्डा की बात में दम तो है कि संघ के बिना भाजपा को चुनाव जीतना आता है। वे दिन गये कि संघ के असंख्य कार्यकर्ता वर्तमान भाजपा और पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के प्रत्याशियों के लिये चुनावी श्रम करते थे। अब भाजपा कायकर्ताओं के बल पर नहीं वरन केन्द्रीय जांच एजेंसियों- सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर आदि के जरिये विपक्ष को खत्म कर, ऑपरशन लोटस, केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, ईवीएम, इलेक्टोरल बॉड्स से इकट्ठी धन राशि, समर्थक मीडिया, आईटी सेल आदि के बल पर चुनाव जीतती है।वैसे तो जब सक्रिय राजनीति में शामिल या सत्ता में बैठे लोग आरएसएस से दूरी बनाकर रखते हैं, तो यह संघ के उस विमर्श को बढ़ाने में मददगार साबित होता है जिसमें कहा जाता है कि संघ एक सांस्कृतिक संगठन है तथा उसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि संघ व भाजपा के अंतर्संबंधों का पर्याप्त खुलासा हो चुका है तथा अब इस बात को बाहरी ही नहीं, खुद दोनों संगठनों के लोग नहीं मानेंगे।

बहरहाल, संघ कार्यालय में उन्होंने अपने 34 मिनट के भाषण में संघ की स्वाभाविकत॰ भरपूर तारीफ की, उसे वटवृक्ष बताया तथा कहा कि संघ उनके जैसे लाखों लोगों को देश के लिये जीने की प्रेरणा है। फरवरी में मुम्बई में हुए भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए तथा हाल ही में प्रसिद्ध अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ हुई चर्चा में भी मोदी ने संघ की प्रशंसा की थी तथा अपने जीवन पर संगठन के पड़े प्रभाव को बतलाया था। अपने भाषण में मोदी ने देश में हुई विभिन्न त्रासदियों में संघ कार्यकर्ताओं द्वारा पीड़ितों को मदद पहुंचाने का ज़िक्र भी किया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कोरोना काल में जब लाखों देशवासी ऑक्सीजन, दवाओं तथा बिस्तरों के अभाव में मर रहे थे.

अमेरिका के पलटने से वैश्वीकरण का सपना टूटा

ये महत्वपूर्ण बदलाव हैं जो दुनिया के कई कोनों में अपना प्रभाव डालेंगे क्योंकि अमेरिका की ताकत और उसके बड़े व्यवसायों की शक्ति एवं पहुंच नए राजनीतिक माहौल के अनुरूप है। अमेरिका के सामने निस्संदेह एक जटिल और परेशान समय है जो ऐसी कई क्रॉस धाराओं के बीच मुड़ता है जिनके पास ताकत हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी नीति में और अधिक बदलाव का संकेत देने वाले एक महत्वपूर्ण भाषण में वैश्वीकरण की नीति को खारिज कर दिया है। उन्होंने उस विचार प्रणाली पर भी हमला किया है जिसने अमेरिकी कंपनियों को आउटसोर्स सुविधाओं में आप्रवासियों और सस्ते श्रम से लाभ कमाने में सक्षम बनाया है। भाषण का फोकस अमेरिकी कंपनियों द्वारा अमेरिकी उत्पाद डिजाईनों को त्यागने और लागत बचाने के लिए कहीं और उत्पादित उत्पादों को अपनाने के कारण अमेरिकियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा ।वेंस ने चीन का नाम तीन बार लिया लेकिन भारत का नहीं। फिर भी, ऑफ़शोरिंग की बुराइयों पर ज़ोर देने से इसमें कोई संदेह नहीं रह गया कि भारत के सॉफ़्टवेयर और संबंधित सेवाओं को इस तर्क के व्यापक विषय से बाहर नहीं रखा गया था। भारत ने वर्ष 2023-24 में 200 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निर्यात किया जिसमें से आधे से अधिक अमेरिका को किया गया है। ट्रम्प पहले भी भारतीय कॉल सेंटरों का मजाक उड़ा चुके हैं जिनमें से अधिकांश यूएस-आधारित ग्राहकों की सेवा करते हैं लेकिन पहले ही एआई-संचालित समाधानों की बढ़ती तैनाती के कारण एक अलग खतरे में हैं। उपराष्ट्रपति वेंस 18 मार्च को उद्यम पूंजी फर्म आंद्रेसेन होरोविट्ज़ द्वारा आयोजित एक तकनीकी कार्यक्रम अमेरिकी गतिशीलता शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे। शिखर सम्मेलन राष्ट्रीय हित के लिए काम करता है; और इस संदेश के साथ 2025 की बैठक को बढ़ावा दिया गया कि %यह अमेरिका के निर्माण करने का समय है।

हालांकि यह कहना मुश्किल है कि वेंस की नीति तत्काल कैसे चल सकती है और अगर यह एक जटिल और बेहद कुशलता से काम करने वाली वैश्विक मूल्य श्रृंखला को उजागर करने का एक यथार्थवादी उद्यम है% तो भारतीय संदर्भ में कई दिलचस्प बातें सामने आ खड़ी होती हैं।

पहली तो यह कि, भारत अब चीनी मॉडल की नकल करके विनिर्माण केंद्र बनाने या बनने की उम्मीद नहीं कर सकता। फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों को अपने कारखानों को भारतीय साइटों पर लाने और अमेरिकी बड़ी कंपनियों के लिए निर्माण करने वाली बात पीछे छूट रही है। उस तरह के विनिर्माण आधार के निर्माण का खेल इसकी समाप्ति तिथि से आगे निकल चुका है। यहां तक कि यदि भारत इस नीति को जारी रखता है तो भी वह यह खेल के निचले सिरे तक ही सीमित रहेगा। वह भी ऐसी जगह जिसे चीन ने इस श्रृंखला में कुछ ज्यादा पाने के लिए पीछे छोड़ दिया था। उदाहरण के लिए, आंकड़ों के मुताबिक चीन में 2009 में आईफोन 3 जी की असेंबली के लिए कुल मूल्य केवल 6.5 अमरीकी डालर या उस मॉडल के लिए सामग्री के बिल का 3.6 प्रतिशत था। यह केवल फॉक्सकॉन द्वारा असेंबली के लिए था। एक दशक बाद 2018 में आईफोन एक्स के लिए यह 104 अमरीकी डालर या सामग्री के बिल का 25.4 प्रतिशत तक पहुंच गया क्योंकि चीन बहुत धीरे-धीरे आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत हो गया और बैटरी, फ्रेम तथा कैमरा मॉड्यूल जैसे कई (गैर-कोर) भागों की आपूर्ति की। यह डेटा टोक्यो के नेशनल ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी स्टडीज के युकिंग जिंग की रिपोर्ट से है।

वेंस के विरोध का एक कारण मूल्य श्रृंखला में चीन का ऊपर जाना भी है, जबकि अमेरिका इस बात से नाखुश है कि वैश्वीकरण ने अमेरिका से नौकरियां छीन ली हैं। (मूल्य श्रृंखला व्यवसायों के लिए रणनीतिक योजना का एक अभिन्न अंग है। मूल्य श्रृंखला किसी उत्पाद या प्रक्रिया के पूरे जीवनचक्र को संदर्भित करती है , जिसमें सामग्री सोर्सिंग, उत्पादन, खपत और निपटान-पुनर्चक्रण प्रक्रियाएं शामिल हैं।) अमेरिका इस बात से भी असहज है कि इस प्रक्रिया ने उन देशों को लाभान्वित किया है जहां उत्पादों या सेवाओं का निर्माण होता है। दूसरे शब्दों में अमेरिका स्वीकार कर रहा है कि वैश्वीकरण केवल अमेरिकी हितों की सेवा के लिए था और विनिर्माण केंद्रों के लिए काम नहीं करने वाला था। वेंस ने इसे कई शब्दों में कहा- %हमने माना कि अन्य राष्ट्र हमेशा मूल्य श्रृंखला में हमारा पीछा करेंगे लेकिन यह पता चला है कि जैसे-जैसे वे मूल्य श्रृंखला के निचले छोर पर बेहतर होते गए उन्होंने भी ऊंचे स्तर (इसमें प्रीमियम, अपस्केल, शानदार, टॉप-ऑफ़-द-लाइन और उच्च-गुणवत्ता शामिल हैं) पर पकड़ना शुरू कर दिया। हम दोनों सिरों से निचोड़े गए थे। यह वैश्वीकरण का पहला झूठा घमंड या दावा था।

तथ्य यह है कि भारत को खतरे के रूप में कम नहीं समझा गया है या उल्लेख नहीं किया गया है, यह भी एक संकेतक है कि देश अपने सभी दावा किए गए तकनीकी कौशल के लिए सस्ते श्रम वाली मध्यस्थता में फंसा हुआ है जिसमें नारायण मूर्ति के युवाओं के लिए 70 घंटे के कार्य सप्ताह जैसे नुस्खे में सीमित आकांक्षाएं देखी गई हैं। भारत को उत्तेजक, आकर्षक और अभिनव सॉफ्टवेयर समाधानों के साथ आगे होना चाहिए था लेकिन भारत की नीतियां बहुत धीमी गति से आगे बढ़ने की है; जबकि चीनियों ने लंबी छलांग मारकर खुद को आगे कर लिया जिसके उदाहरण डीपसीक, मानुस या ओबाबा के क्यूडब्ल्यूक्यू -32 बी जैसे चीनी एआई मॉडल हैं।वेंस के अनुसार, वैश्वीकरण का दूसरा झूठा दावा यह था कि सस्ता श्रम एक बैसाखी बन गया, यहां तक कि एक नशीली दवा बन गया जिसने अमेरिकी नवाचार को दबा दिया है। वेंस की योजना के अनुसार यदि यह दवा आपूति% काट दी जाती है तो कंपनियों को उसी काम के लिए अधिक भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाएगा जो उन्हें उत्पादकता और मार्जिन बनाए रखने हेतु नवाचार करने के लिए प्रेरित करेगा। पहले कई लोगों ने आउटसोर्सिंग को एक नवाचार कहा है। अब हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं जहां आउटसोर्सिंग को नवाचार की मौत की घंटी के रूप में देखा जा रहा है। यह एक नाटकीय उलटफेर है जो यह संकेत दे सकता है कि रोजमर्रा में अमेरिकी श्रमिकों के गुस्से ने कितना कुछ गहरा छोड़ दिया है।दूसरी बात जो सामने आती है वह यह है कि उपभोक्तावाद ने अमेरिका के मन में खालीपन भर दिया है। इसका बड़ा सबूत इस बात से मिलता है जब वेंस इशारा करते हैं कि %श्रमिकों को उनकी नौकरियों से, उनके समुदायों से, उनकी एकजुटता की भावना से अलग करने% के कारण अमेरिका को नुकसान पहुंचा है। उपभोक्तावाद विरोधी गहरी भावना के साथ उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट रूप से कहा- %आप लोगों में उनके उद्देश्य की भावना से अलगाव देखते हैं और महत्वपूर्ण बात यह है कि वे एक ऐसे नेतृत्व को देखते हैं जो मानता है कि लोक कल्याण नौकरी की जगह ले सकता है और एक मोबाईल फोन एप उद्देश्य की भावना को बदल सकता है।? वेंस ने वास्तव में तर्क दिया कि पैसा भले ही उपलब्ध हो लेकिन वह किसी ऐसी चीज को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है जो काम के बारे में सम्मानजनक और उद्देश्यपूर्ण थी।ये महत्वपूर्ण बदलाव हैं जो दुनिया के कई कोनों में अपना प्रभाव डालेंगे क्योंकि अमेरिका की ताकत और उसके बड़े व्यवसायों की शक्ति एवं पहुंच नए राजनीतिक माहौल के अनुरूप है। अमेरिका के सामने निस्संदेह एक जटिल और परेशान समय है जो ऐसी कई क्रॉस धाराओं के बीच मुड़ता है जिनके पास ताकत हैं।क्यू-एनॉन और इसके मनगढ़ंत दावों और षड्यंत्र के सिद्धांतों को भूल जाइए। हम नए क्षेत्र में हैं जिसमें डार्क एनलाइटनमेंट नामक नव-प्रतिक्रियावादी आंदोलन के संस्थापक टेक नेता कर्टिस यारविन जैसे पर्दे के पीछे के प्रभावशाली खिलाड़ी हैं, जो चाहते हैं कि अमेरिकी लोकतंत्र को राजशाही में बदल दिया जाए। तकनीकी-स्वच्छंदतावाद का उदय सरकार की दखलदांजी को कम करना और व्यक्तियों के लिए अधिक स्वतंत्रता उपलब्ध कराएगा लेकिन विपक्ष को चुप कराने के लिए सरकार का अधिकतम उपयोग करने के लिए तैयार है। बेशक, ऐलन मस्क हैं जो मानते हैं कि सरकार एक हिंसक एकाधिकार है और इसे ध्वस्त करने की जरूरत है। पे पॉल के सह संस्थापक पीटर थिएल हैं जो मानते हैं कि मृत्यु अपरिहार्य नहीं है। फिर ट्रम्प भी हैं जो हमेशा के लिए राजा बनकर खुश रहना चाहते हैं।

मेकअप से होती है एलर्जी तो ध्यान रखें ये बातें

मेकअप का मतलब कई सारे कॉस्मेटिक्स यानि केमिकल्स। ये सारे केमिकल्स तो आपकी स्किन के लिए सही नहीं होते। कई बार सही जानकारी न होने पर इनका इस्तेमाल आपकी स्किन में एलर्जी का कारण बन जाती है। यहां हम आपको बता रहें हैं कुछ टिप्स जिनसे आप ऐसी एलर्जी से बच सकते हैं...

मेकअप टूल्स

अपने मेकअप टूल को हमेशा साफ सुथरा और धो कर रखें। अगर आपको मेकअप ब्रश या टूल गंदा है और आपने उसे इस्तेमाल कर लिया है तो, रिएक्शन होने का खतरा बढ़ सकता है।

मिनिमल मेकअप

अगर आपको मेकअप से एलर्जी है तो आप बिना मेकअप के भी बाहर निकल सकती हैं। आंखों पर हल्का काजल और कुछ आयुर्वेदिक क्रीम लगा कर अलग सा लुक प्राप्त कर सकती हैं।

खरीदने से पहले ऐसे करें टेस्ट

कोई भी मेकअप प्रोडक्ट खरीदने से पहले एक टेस्ट जरूर कर लें। इस टेस्ट को करने के लिये मेकअप प्रोडक्ट को अपने कान के पीछे वाले हिस्से पर जरा सा लगाएं। फिर 48 से 72 घंटे तक का इंतजार करें। यदि आपको उससे कोई जलन या खुजली महसूस होती है तो उस प्रोडक्ट को ना खरीदें।

वॉटरप्रूफ मेकअप प्रॉडक्ट्स

अगर आप को मेकअप लगाना ही है तो वॉटरप्रूफ या फिर कैमिकल फ्री मेकअप प्रोडक्ट खरीदें। इससे आपको एलर्जी नहीं होगी।

परफ्यूम ऐसे करें यूज

अगर आपके शरीर पर परफ्यूम छिडकने से वहां की त्वचा लाल पड जाती है या वहां जलन होने लगती है तो, अब से परफ्यूम शरीर पर नहीं कपडों पर छिडकें।

कार्यक्षमता में इजाफा कर आप पा सकेंगे कामयाबी

ऑफिस में आपकी कार्यक्षमता का सीधा असर आपकी प्रगति पर पड़ता है। आपको नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी या नहीं, इसका फैसला भी आपकी कार्यक्षमता को देखकर ही लिया जाता है। कैसे अपनी कार्यक्षमता में इजाफा करें, बता रहे हैं हम...

बिजनेस या नौकरी क्षेत्र का एक पुराना दस्तूर है कि हर कोई उसी घोड़े पर रेस लगाना चाहता है, जो तेज भागता है। ऑफिस की स्थिति भी कमोबेश इसी तरह की होती है। बॉस अथवा सीनियर उसी कर्मचारी पर अपना भरोसा जताते हैं या जिम्मेदारियां डालते हैं, जो हर काम बखूबी और समय से कर देता है। यानी उसकी कार्यक्षमता अधिक है।

वहीं दूसरी ओर लेटलतीफ व आलसी कर्मचारी लकीर के फकीर बने रहते हैं और तरक्की के नाम पर हर साल उन्हें मायूसी हाथ लगती है। करियर बिल्डर की तरफ से नौ देशों पर कराए गए एक सर्वे के अनुसार भारत में सबसे अधिक लोग (करीब 42 फीसदी) देर से दफ्तर जाने की वजह से बाहर का रास्ता देखते हैं। लेटलतीफ व आलसी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने में भारत पहले स्थान पर है। इसके बाद ब्राजील का नंबर आता है। कार्यक्षमता का यह गुण जन्मजात नहीं होता, बल्कि इसे बढ़ाया या निखारा भी जा सकता है।

सहकर्मियों से बिठाएं तालमेल : ऑफिस में आपके काम की गति तभी बढ़ेगी, जब सहकर्मियों के साथ आपका तालमेल ठीक हो। आप जो भी कदम उठाने जा रहे हों, उसके लिए बॉस की सहमति होनी चाहिए। साथ ही सहकर्मियों का परस्पर सहयोग भी जरूरी है, खासकर किसी टीमवर्क में। इसका फायदा यह होगा कि आपके प्रयास में यदि कोई कमी भी रहेगी तो कई हाथ आपके सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। तालमेल बैठाने के लिए आपको सिर्फ अपने विचार न थोपकर सहकर्मियों की बातों को भी गंभीरतापूर्वक सुनना होगा। उनकी बातों में दम है तो स्वीकार करें और उन्हें सराहें।

अपडेट रहें : लम्बी रेस का घोड़ा बनने के लिए जरूरी है कि आपको हर प्लेटफॉर्म की सही जानकारी हो। समय-समय पर इन जानकारियों को अपडेट करते रहना भी जरूरी है। इसके लिए सभी संचार माध्यमों अथवा एक्सपर्ट लोगों से जानकारी जुटानी होगी। ऐसे मौके पर जब आपको किसी खास प्रोजेक्ट को पूरा करने की जिम्मेदारी मिली हो, अपना नेटवर्क बनाकर रखें। प्रोफेशनल्स के साथ संपर्क बढ़ाने से नए अवसरों की जानकारी मिलती रहेगी, जो आपको नई तकनीक और करियर में आगे बढ़ने के रास्ते सुझा सकते हैं।

समस्या नहीं, समाधान बताएं : आप जो भी काम करते हैं, उसमें समस्याएं जरूर आती हैं। हर वक्त इन समस्याओं का रोना रोने से आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और आप किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाते। इसलिए अपने बॉस या सहकर्मियों से बातचीत में समस्याओं का समाधान निकालने की राह बताएं। धीरे-धीरे आप फैसला लेने की दिशा में मजबूत होंगे। लेकिन किसी भी निष्कर्ष पर अंतिम राय बनाने से पहले बॉस अथवा सीनियर से राय-मशविरा जरूर करें।

आलोचनाओं को करें दरकिनार : सफलता व असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कुछ मौकों पर आप सफल रहते हैं, जबकि कई बार आप निष्ठापूर्वक कोई काम करते हुए भी असफल हो जाते हैं। आपकी असफलता पर कई तरह की आलोचनाएं होती हैं, फैसले पर उंगली उठती है और कमियां निकाली जाती हैं। आप इन पर ध्यान न देते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करें।

महिलाएं वजन घटाने के लिए न अपनाएं शॉर्टकट

वजन घटाने का कोई शॉर्टकट नहीं है। इसके लिए आपको धैर्य रखना होगा। पहले तो भूखे नहीं रहें, जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज न करें। अपनी जीवनशैली को बदलें। अपने सोने की आदत और डाइट में आपको बदलाव लेकर आने होंगे। वर्कआउट किसी के सुपरविजन में ही करें।

महिलाओं में वजन का बढ़ना और मोटापा आज एक बहुत ही गंभीर समस्या है। वजन घटाने के तरीके आज इंटरनेट पर सबसे अधिक सर्च किया जाना वाला प्रश्न है। वजन बढ़ने की समस्या पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में अधिक देखी जाती है क्योंकि महिलाएं अपना अधिकांश समय घर में ही गुजारती हैं। इसके अलावा महिलाओं में पुरुषों की तुलना में मांसपेशियों का स्तर भिन्न-भिन्न होता है। वजन का बढ़ना और मोटापा आपके शरीर को कई प्रकार की बीमारियों में फंसा सकता हैं। महिलाओं में वजन के बढ़ने के कई कारण होते है जैसे शारीरिक गतिविधियाँ और व्यायाम आदि को ना करना। आइये महिलाओं के लिए वजन घटाने की टिप्स को विस्तार से जानते हैं।

कार्ब्स कम खाएं

रिफाइंड कार्ब्स का कम सेवन करना महिलाओं में वजन कम करने का आसान तरीका है। रिफाइंड कार्ब्स अधिक प्रसंस्करण से गुजरते है इसलिए उसमें फाइबर और सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है। रिफाइंड कार्ब्स रक्त में शर्करा के स्तर को बढ़ाते हैं, भूख बढ़ाते हैं और शरीर में वजन और पेट की चर्बी को भी बढ़ाते हैं। इसलिए रिफाइंड कार्ब्स जैसे सफेद ब्रेड, पास्ता और पैक किए गए खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करना सबसे अच्छा है। इसके बजाय आप जई, ब्राउन चावल, क्विनोआ, और जौ जैसे पूरे अनाज उत्पादों को खाएं।

वजन कम करने के लिए शारीरिक गतिविधि करें

वजन को कम करने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका शारीरिक गतिविधि करना हैं। महिलायें अपने वजन को कम करने के लिए दैनिक रूटीन में वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज को जोड़ें। व्यायाम करना आपके शरीर से अतिरिक्त कैलोरी को जलने में मदद करता है। वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज हड्डियों के खनिज घनत्व को ऑस्टियोपोरोसिस से बचाने में भी मदद करता है। वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज के अलावा आप बाइकिंग, तैराकी और जॉगिंग से महिलाएं अपने वजन को कम कर सकती हैं।

अधिक पानी पिए

अधिक मात्रा में पानी पीना महिलाओं में वजन कम करने का एक सरल तरीका है। एक छोटे से अध्ययन के अनुसार 16.9 औंस या 500 मिलीलीटर पानी पीने से अस्थायी रूप से 30-40 मिनट के बाद कैलोरी के बर्न होने की संख्या 30% तक बढ़ जाती है। अध्ययन यह भी बताते हैं कि भोजन से पहले पानी पीने से वजन कम हो सकता है और आप लगभग 13% कैलोरी का कम सेवन करते है।

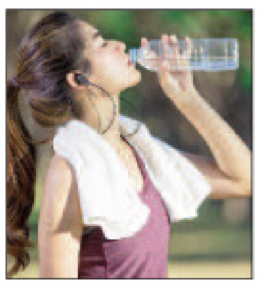

अधिक प्रोटीन खाएं

अधिक प्रोटीन का सेवन करना महिलाओं में भूख को कम करता है क्योंकि प्रोटीन पेट को भरा हुआ महसूस कराता है। आप ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें जिसमें अधिक मात्रा में प्रोटीन होता हैं। आप इसके लिए मांस, पोल्ट्री, समुद्री भोजन, अंडे, डेयरी और फलियां जैसे खाद्य पदार्थों को अपने आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना सकते हैं। वास्तव में उच्च-प्रोटीन आहार को खाने से आपकी भूख में कमी आ सकती है, परिपूर्णता की भावनाएं बढ़ सकती हैं और यह चयापचय को बढ़ावा दे सकता है।

नियमित नींद लें

अध्ययनों से पता चलता है कि पर्याप्त नींद लेना भी आहार और व्यायाम के सामान वजन कम करने के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। कई अध्ययनों के अनुसार नींद की कमी शरीर के वजन में वृद्धि और घ्रेलिन हार्मोन का उच्च स्तर भूख को उत्तेजित करने के लिए जिम्मेदार होता हैं इसलिए पर्याप्त नींद लेना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा महिलाओं में एक अध्ययन से पता चला है कि प्रत्येक रात कम से कम सात घंटे की नींद लेना और समग्र नींद की गुणवत्ता में सुधार करने से वजन घटाने में मदद मिलती है।

फाइबर खाएं

अपने आहार में अधिक फाइबर जोड़ना वजन घटाने का एक अच्छा तरीका है जो आपको कम भोजन करने में मदद करता है और आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है। अपने आहार या जीवन शैली में कोई अन्य बदलाव किए बिना फाइबर का 14 ग्राम प्रति दिन सेवन करना कैलोरी में 10% की कमी और 4.2 पाउंड या 1.9 किलोग्राम तक वजन घटाने में मदद कर सकता है। फाइबर के लिए आप फल, सब्जियां, फलियां, नट्स, बीज, और साबुत अनाज का सेवन करे जो कि फाइबर के बेहतरीन स्रोत हैं जिनका आनंद संतुलित आहार के हिस्से के रूप में लिया जा सकता है।

हेल्दी ब्रेकफास्ट खाएं

सुबह के नाश्ते में पौष्टिक भोजन का आनंद लेना आपको अपने अगले भोजन तक पूर्ण महसूस करवा सकता है। एक अध्ययन में पाया गया है कि नियमित रूप से खाने के पैटर्न को बनाये रखना वजन बढ़ने के खतरों को कम कर सकता है। इसके अलावा महिलाएं अपने वजन को कम करने के लिए अपने भोजन से चीनी की मात्रा को कम करें। वजन बढ़ाने, मधुमेह और हृदय रोग जैसे गंभीर स्वास्थ्य मुद्दों में चीनी का प्रमुख योगदान होता है। अधिक चीनी के साथ खाद्य पदार्थ उच्च कैलोरी से भरे होते हैं, लेकिन इसमें विटामिन, खनिज, फाइबर और प्रोटीन की कमी होती है जो कि हमारे शरीर के लिए आवश्यक होते है। इस कारण से वजन घटाने के लिए सोडा, कैंडी, फलों का रस और मिठाई जैसे शर्करा वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कम से कम करना सबसे अच्छा है।

अपना कोलेस्ट्रॉल घटाएं और खुद को हार्ट अटैक से बचाएं

दिल के रोगों में हाई ब्लड कोलेस्ट्रॉल को एक प्रमुख खतरा माना जाता है। मरीज के रक्त में अगर कोलेस्ट्रॉल जितना ज्यादा होगा, रोग बढ़ने व हार्ट अटैक का खतरा उतना ही ज्यादा होगा। रक्त में जब बहुत ज्यादा कोलेस्ट्रॉल होता है, यह धमनियों में जमा होने लगता है। आगे चलकर धमनियां सख्त होकर सिकुड़ जाती हैं और दिल की ओर रक्त का बहाव धीमा या बंद हो जाता है। रक्त दिल के लिए ऑक्सीजन लेकर जाता है और अगर दिल को आवश्यक रक्त और ऑक्सीजन न मिले तो आपके सीने में दर्द हो सकता है। अगर दिल के एक हिस्से को रक्त मिलना बिल्कुल बंद हो जाए तो हार्ट अटैक हो जाता है।

इस बारे में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मानद महासचिव डॉ. के.के. अग्रवाल ने बताया कि हाई ब्लड कोलेस्ट्रॉल का कोई लक्षण नहीं होता, इसलिए लोगों को पता नहीं चलता कि यह बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में तेजी से बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को देखते हुए जीवनशैली में बदलाव जरूरी हो गया है। सक्रिय और सेहतमंद जीवन अपना कर, स्वस्थ्य आहार लेकर, सिगरेट और शराब से दूर रहकर और तनाव से मुक्त होकर जीवनशैली के रोग टाले जा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान...

-अनसेचुरेटेड फैट खाएं और सेचुरेटेड और ट्रांस फैट से बचें।

-वेजीटेबल ऑयल दिल के लिए अच्छे हैं, उसी में बना व्यंजन खाएं।

-मछली, मूंगफली, बीजों और कुछ सब्जियों के तेल में सेहतमंद फैट होती है, इसलिए ये ले सकते हैं।

-सेचुरेटेड फैट वाले पकवान कम खाएं और ट्रांस फैट से भी दूर रहें।

-ओटमील और फलों में उपलब्ध सोलेबल फाइबर ज्यादा लें। यह ब्लड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

-प्लांट स्टेरोल्ज और स्टानोल्ज को आहार में शामिल करें, क्योंकि इन प्राकृतिक पौधों की संरचना कोलेस्ट्रॉल जैसी ही होती है।

वैसे खानपान पर नियंत्रण कोलेस्ट्रॉल को कम करने का सरल और कारगर तरीका है, लेकिन हर व्यक्ति पर इसका अलग-अलग असर होता है।

गर्मियों में त्वचा झुलस जाती है, त्वचा में ठंडक बनाए रखने के लिए घरेलू फेसपैक लगाएं

यदि आप भी घरेलू फेस पैक की तलाश में हैं तो ये आयुर्वेदिक फेस पैक आपके काम के हो सकते हैं। आजमाकर देख लीजिए...

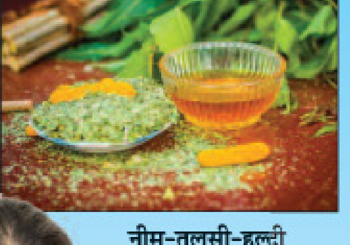

शहद और नींबू

सामान्य व तैलीय त्वचा के लिए

क्या चाहिए— शहद- 1 बड़ा चम्मच, नींबू का रस- 3-4 बूंदें।

कैसे बनाएं- शहद में 3-4 बूंदें नींबू के रस की मिलाकर पूरे चेहरे पर लगाएं। ध्यान रहे कि आंखों के आसपास के हिस्से पर न लगाएं। क़रीब 20 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगा सकते हैं।

नीम-तुलसी-हल्दी

हर प्रकार की त्वचा के लिए

क्या चाहिए-तुलसी की पत्तियां- 4, नीम की पत्तियां- 3-4, हल्दी- 1 छोटा चम्मच और दही- 1 छोटा चम्मच।

कैसे बनाएं- तुलसी और नीम की पत्तियों का पेस्ट बना लें। इसमें चुटकीभर हल्दी और एक चम्मच दही मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पैक को चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह से लगाएं और सूखने पर धो लें। इस पैक को एक दिन छोड़कर लगा सकते हैं।

चावल और चंदन

सामान्य व तैलीय त्वचा के लिए

क्या चाहिए-चावल का आटा- 1 बड़ा चम्मच, चंदन का तेल- 2-3 बूंदें या चंदन पाउडर- आधा छोटा चम्मच, गुलाबजल- 1 बड़ा चम्मच।

कैसे बनाएं— सभी सामग्रियों को एक बोल में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पैक को चेहरे-गर्दन पर लगाएं और 5 से 10 मिनट तक मसाज करें। फिर चेहरे को धोकर मॉइश्चराइज कर लें।

दूध-हल्दी-बेसन

हर प्रकार की त्वचा के लिए

क्या चाहिए-1 बड़ा चम्मच बेसन, 2 बड़े चम्मच दूध, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर।

कैसे बनाएं— सभी सामग्रियों को बोल में मिलाकर पैक बना लें। इसे चेहरे पर लगाएं। और 5 -10 मिनट तक चेहरे पर ऊपर की ओर मसाज करें। जब पैक सूखने लगे तब चेहरे को धो लें। इसे हफ्ते में एक बार लगा सकते हैं।

सस्ते ब्यूटी सीक्रेट्स

ब्यूटीफुल दिखने का मतलब यह नहीं कि आप बाजार जाएं और ढेर सारी मेकअप एक्सैसरीज खरीद लाएं। महंगे कॉस्मैटिक्स, कपड़े खरीद कर अपनी जेब खाली कर लें और महीने भर का बजट एक दिन में उड़ा दें। घर पर रह कर भी बिना पैसे खर्च किए आप लो कॉस्ट ब्यूटी का मजा ले सकती हैं।

घर पर करें स्क्रब

स्पा में जाकर पैसे खर्च करने से अच्छा है कि घर पर खुद स्क्रब बनाएं। इसके लिए एक मुट्ठी भर चीनी और थोड़े से जैतून के तेल को मिला लें। अब इसे एप्लाई करते हुए शावर के नीचे जाएं और धीरे-धीरे डैड स्किन हटाएं।

ऐसे करें मैनीक्योर

नाखूनों को लैमन जूस में डुबोएं और साफ करें। उसके बाद नेल टिप्स को शाइनी बनाने के लिए नेल बफर प्रयोग में लाएं। अब नेल्स पर किसी तरह की पॉलिश लगाने की जरूरत नहीं।

प्यार से लगाएं लिपस्टिक

अगर आपके हाथ में लिपस्टिक आ गई है तो इसका मतलब यह नहीं कि इसे होंठों पर घिसकर जल्द खत्म करना है। आप लिपस्टिक को जितने प्यार से लगाएंगी, यह उतना ही अच्छा इफैक्ट देगी। सबसे पहले वैसलीन की पतली लेयर लगाएं। अब लिपस्टिक लगाएं और फिंगरटिप से एकसार कर लें। अब मैट लुक देने के लिए होंठों पर हल्का पाऊडर लगाएं और ऊपर से डार्क शेड लगा लें। इसमें ईवनिंग इफैक्ट आएगा।

वैट और ड्राई हेयर प्रॉडक्ट्स

दो अलग-अलग स्टाइल के हेयर प्रॉडक्ट्स यूज करने की बजाय एक ही प्रॉडक्ट खरीदें और उसे कई तरीकों से इस्तेमाल करें। बालों को सुलझाने के लिए हेयर क्रीम लगाएं और जब हेयर ड्राई हों तो इसे स्मूद लुक देने के लिए यूज लगाएं और जब सूख जाएं तो हेयर जैल को बालों में शाइन लाने के लिए यूज करें।

बॉडी मॉयश्चराइजर खरीदें

मॉयश्चराइजर खरीदने जा रही हैं तो ऐसा मॉयश्चराइजर खरीदें जो आपकी पूरी बॉडी पर प्रयोग में लाया जा सके। फेस के लिए अलग, हाथों के लिए अलग, पैरों के लिए अलग, मॉयश्चराइजर खरीदना पैसे की बर्बादी है।

खाइए और स्किन निखारिए

अगर आप नैचुरल स्किन केयर प्रॉडक्ट यूज करें तो बेहतर होगा। ढेर सारी सब्जियां और फल खाइए, फिर देखिए आपकी स्किन बिना मेकअप के ही चमक उठेगी।

ऐसा हो बच्चों का शयनकक्ष

इस बात का ध्यान भी रखना आवश्यक है कि बच्चों के शयनकक्ष में पर्याप्त प्रकाश एवं हवा आने की व्यावस्था हो। बच्चों के शयनकक्ष की वायरिंग ठीक से हो एवं कक्ष ऊंचे स्विच बोर्ड वाला हो। बाथरूम युक्त शयनकक्ष बच्चों के लिए अच्छा माना जाता है।

परिवार रूपी बगिया में बच्चे रूपी कोमल कलियों का अपना अलग ही महत्व है। बच्चे दिन भर खेलते-कूदते हैं, पढ़ने के लिए जाते हैं और धमा-चौकड़ी मचाते हैं। दिन भर के थके बच्चों का शयनकक्ष ऐसा होना चाहिए जिसमें वे रात भर ठीक से विश्राम कर सकें। बच्चों का शयनकक्ष उत्तम डिजाइनों का बना होना चाहिए। कक्ष निर्माण करवाते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है।

- बच्चों की बढ़ती उम्र के अनुसार उनकी जरूरतें भी बढ़ जाती हैं। बच्चों के विचार, उनकी प्रवृत्ति एवं पसंद को बराबर तरजीह देनी चाहिए। यह भी जानना आवश्यक है कि लड़के एवं लड़कियों की जरूरतें एवं अपेक्षाएं अलग-अलग होती हैं। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि बच्चों के बड़े हो जाने पर ही उनका शयनकक्ष बनाना चाहिए ताकि उनमें बार-बार परिवर्तन न करना पड़े। बच्चों के शयनकक्ष ऐसे होने चाहिएं जिसमें उनके व्यक्तित्व का पूर्ण विकास हो।
- बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार उसके कमरे में सामान चाहिए। एक 6 वर्षीय बच्ची की जरूरत पर अगर ध्यान केंद्रित करें तो पाएंगे कि उसे अच्छे कपड़े, खिलौने एवं किताबों को रखने तथा खेल कूद के लिए पर्याप्त स्थान वाला कमरा चाहिए। इसे ध्यान में रख कर ही हम उसके लिए कक्ष का निर्धारण करेंगे।
- एक उत्तम शयनकक्ष का निर्माण कराते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के बच्चे पहले की अपेक्षा अधिक उत्साही एवं साहसी होते हैं। हमें उनकी ऊर्जा को पहचान कर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना चाहिए।
- एक आदर्श शयनकक्ष उसे कहा जा सकता है जिसे बच्चे अपनी पसंद तथा इच्छानुसार जब जैसा चाहें, बदल सकें। अगर बच्चों को अपने हरेक काम को पूरा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलेगी तो वे वैसी स्थिति में अन्य कमरों में जाकर उछल कूद मचाएंगे और उन्हें पापा-मम्मी से डांट-फटकार सुननी ही पड़ेगी।
- हमें यह बराबर याद रखना चाहिए कि किसी स्थान को डिजाइन करना सिर्फ उसकी सुंदरता को ही बढ़ाना नहीं होता है बल्कि उसमें रहने वाले व्यक्ति को सरस, सहज एवं नियमित जीवन जीने की कला प्रदान करता है, अत: एक कुशल डिजाइनर को हमेशा यह ध्यान रखना होगा कि सकारात्मक डिजाइन द्वारा बच्चों में अच्छी आदत कैसे विकसित की जाए क्योंकि इससे बच्चे अपना काम खुद करना सीखते हैं और किस वस्तु को कहां रखा जाए इसका भी ध्यान रखते हैं।

- स्वभाव से शरारती बच्चों के शयन कक्ष का रंग अगर गहरा रखा जाए तो ज्यादा अच्छा होता है। इससे बच्चे खेल-कूद के समय दीवारों को अनजाने में ही गंदा नहीं कर पाते।
- शयनकक्ष बनाते या निर्धारित करते समय उनके आराम, मनोरंजन एवं उसके कोमल मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना बेहद आवश्यक होता हैं। साथ ही लड़कों का शयनकक्ष लड़कियों के शयनकक्ष से कई मायने में काफी अलग होता है।
- इस बात का ध्यान भी रखना आवश्यक है कि बच्चों के शयनकक्ष में पर्याप्त प्रकाश एवं हवा आने की व्यवस्था हो। बच्चों के शयनकक्ष की वायरिंग ठीक से हो एवं कक्ष ऊंचे स्विच बोर्ड वाला हो। बाथरूम युक्त शयनकक्ष बच्चों के लिए अच्छा माना जाता है। बच्चे के शयनकक्ष को हल्के हरे रंगाना चाहिए। इससे उनकी मेधाशक्ति में वृद्धि होती है।

सैसमी गार्लिक पोटैटो

सामग्री : 4-5 आलू, लहसुन की 4 कलियां कटी हुईं, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून तिल, 2-3 हरी मिर्च लम्बाई में कटी हुईं, 12 करी पत्ते, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाऊडर, आधा-आधा टीस्पून हल्दी पाऊडर और शक्कर, तलने के लिए तेल, सजावट के लिए हरा धनिया, नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को छील कर चिप्स की तरह काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करके आलू को सुनहरा तल कर अलग रख दें। दूसरे पैन में एक टीस्पून तेल गर्म करके जीरा, लहसुन और तिल का छौंक लगाएं। जब तिल तड़कने लगें तब हरी मिर्च और करी पत्ते डालें। अब इसमें तले हुए आलू और अन्य सभी सामग्री मिलाएं। तेज आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। हरा धनिया से सजाकर सर्व करें।

सुंदर दिखने के लिए क्या जरूरी है, क्या नहीं

- अपने चेहरे के आकार के अनुरूप ही हेयरकट कराना ठीक रहता है। यह मान कर न चलें कि आमिर या सलमान खान का हेयरकट फैशन में है तो उसे करा कर आप सुंदर दिखेंगे हो सकता है वह आप पर सूट न करे।
- आप साधारण कपड़ों में जोकि सलीके से पहने हों और साफसुथरे हों, सुंदर दिख सकते हैं। जरूरी नहीं कि आए दिन आप नए फैशनेबुल कपड़े पहनें या नए शूज खरीदें, जिन्हें खरीद कर आप का बजट ही क्यों न गड़बड़ा जाए।
- ढीलेढाले कपड़ों और बालों में तेल लगाने से आप का व्यक्तित्व उतना प्रभावशाली नहीं लगेगा जितना कि सही फिटिंग के कपड़ों और कंडीशनिंग किए बालों में।
- परफ्यूम, टेलकम पाउडर, डिओडरेंट का इस्तेमाल जब जरूरी लगे, तभी करें। जरूरी नहीं कि रोजरोज नए ब्रांड इस्तेमाल करने से आप दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर पाएंगे। इन प्रसाधनों का चयन करते समय इन की खुशबू को खास महत्त्व दें क्योंकि इन की महक से कई बार कुछ लोगों का सिर दर्द होने लगता है जिस से आप के नजदीक आने, आप से बात करने में लोग कतरा भी सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2033

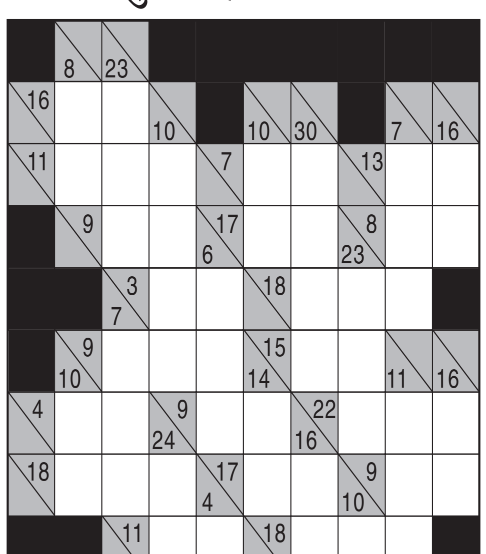

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

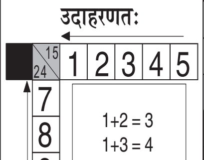

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2032 का हल

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।
अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।
रमन- ये भी मेरी नहीं है।
अंकल- तो फिर किसकी है?
रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2033

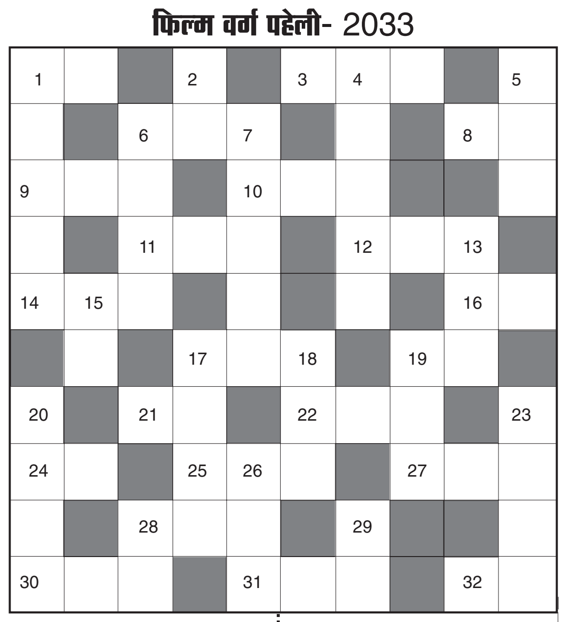

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३,२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2032

सूडोकु -2033

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2032 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2033

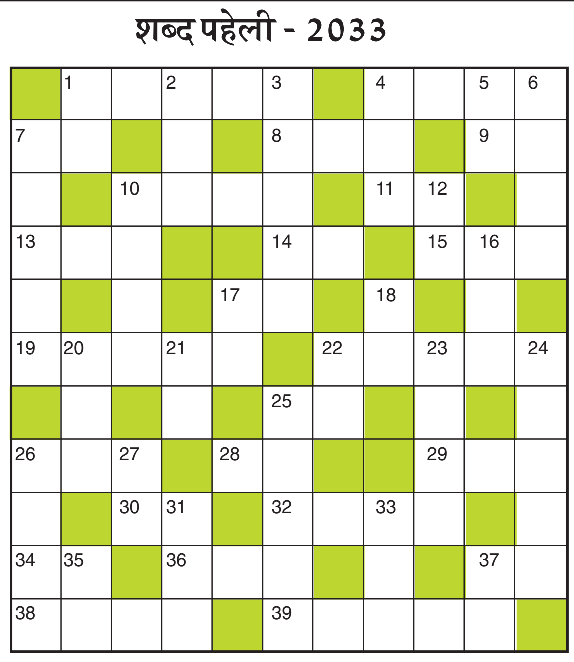

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2032 का हल

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 ड्रग्स सप्लायर गिरफ्तार, 40 किलो गांजा बरामद

एजेंसी

मुंबई। मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मलाड इलाके से 4 ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया और उनके पास से 40 किलो गांजा बरामद किया। इस गांजे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।मुंबई पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए ड्रग्स सप्लायर ओडिशा से मुंबई ड्रग्स लेकर पहुंचे थे, और जैसे ही पुलिस को इस मामले की जानकारी मिली, पुलिस ने जाल बिछाकर इन सप्लायरों को गिरफ्तार किया। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि ये ड्रग्स सप्लायर इतनी बड़ी मात्रा में गांजा कहां सप्लाई करने वाले थे और इस पूरे नेटवर्क का आकार क्या है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार ड्रग्स सप्लायर ओडिशा से ड्रग्स लेकर आए थे और उन्हें मुंबई में किसी विशेष स्थान पर सप्लाई करना था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन सप्लायरों का नेटवर्क और सप्लाई चेन किस तक फैला हुआ था। गिरफ्तारी के बाद, एंटी नारकोटिक्स सेल ने इन ड्रग्स सप्लायरों को कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने उन्हें दो अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। मुंबई पुलिस इस मामले की गहरी जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस बड़े तस्करी रैकेट में और कौन-कौन से लोग शामिल हैं।

राजस्थान दिवस पर वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने सीएम भजनलाल को दी शुभकामनाएं

जयपुर। राजस्थान दिवस के शुभ अवसर पर वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा, राजस्थान वीरों की भूमि है, जहां की गाथाएं युगों-युगों तक गूंजती रहेंगी। मैं उन वीरों को कोटि-कोटि नमन करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, राजस्थान मेरी जन्मभूमि है, और यह हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। गौरतलब है कि 31 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाता है, जो राज्य की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शौर्यपूर्ण परंपराओं का प्रतीक है।

देवस्थान विभाग द्वारा 'सनातन धर्म एवं शक्ति' संगोष्ठी आयोजित

बीकानेर। राजस्थान दिवस एवं भारतीय नववर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में देवस्थान विभाग द्वारा शक्ति महोत्सव पर्व के तहत रानी बाजार स्थित जिला उद्योग संघ सभागार में 'सनातन धर्म एवं शक्ति' विषय आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें श्री लालेश्वर मठ के अधिष्ठाता विमर्शानंद महाराज, चंपेश, सुमन छाजेड़, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश लदरेचा ने अपने विचार रखे। इस दौरान संगीता यादव, उषा शर्मा, ऋतु जोशी सहित अन्य मौजीज लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने किया। उन्होंने कार्यक्रमों की श्रृंखला के बारे में बताया।

राजस्थान अपने चहुंमुखी विकास की राह पर कदम बढ़ा रहा है : राठौड़

चूरू। राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर सांय को जिला मुख्यालय स्थित नेचर पार्क के ओपन थियेटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम व कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, बसंत शर्मा, पूर्व सभापति विजय शर्मा सहित अतिथि मंचस्थ रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एडीएम अर्पिता सोनी, डीएफओ वीरेंद्र कृष्णिया, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, आयुक्त अभिलाषा सिंह, एक्सईएन पूर्णिमा यादव आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के लिए गौरव का दिन है। तत्कालीन गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल ने प्रदेश की नींव रखी और आज का यह समृद्ध राजस्थान अपने चहुंमुखी विकास की राह पर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी के कण- कण में वीर, शौर्य व बलिदान है। राजस्थान का इतिहास त्याग का रहा है। माटी पर मर मिटना यहां की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान स्थापना दिवस मनाने का निर्णय सराहनीय है। राजस्थान की सामाजिक विरासत और लोक संस्कृति इतिहास पर टिकी है। इसी इतिहास व परंपराओं को दोहराते हुए सरकार ने जनभावना का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि चूरू जिला प्रशासन के नवाचारों जिला विकास की नई राह पर है। जिला प्रशासन के नवाचारों से लोक संस्कृति को स्पंदन हुआ है।

लोकमाता अहिल्याबाई के जनकल्याण और सुशासन के कार्य प्रेरणादायकः मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने 300 वर्ष पहले जनकल्याण के जो काम किये और सभी संकटों को पार कर सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए हैं, वे आज हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं। मुगल काल में सनातन संस्कृति को नष्ट करने का काम किया गया, लेकिन नर्मदा पुत्री देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा का काम किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी खरगोन जिले के महेश्वर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा 'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्याबाई की पुण्य गाथा' नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुषी जैन द्वारा देवी अहिल्या बाई की जीवनगाथा पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने होल्कर साम्राज्य के साथ ही सम्पूर्ण देश में जन-कल्याण के कार्य किए हैं। उन्होंने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिरों की पुनर्स्थापना को बनाने का कार्य किया है। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में नदी घाटों का निर्माण कराया, गरीबों की दिल खोलकर मदद की, रोजगार के लिए महेश्वरी साड़ियों का निर्माण कराया, व्यापार को प्रोत्साहन दिया, किसानों की मदद की और न्याय एवं सुशासन के अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इतिहास माता अहिल्या के विविध प्रसंगों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि माता अहिल्याबाई के कार्यों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने पहला दशहरा महेश्वर में मनाया और कैबिनेट की बैठक भी महेश्वर में आयोजित की है। प्रदेश की सशस्त्र वाहिनी क्रमांक 01 को अहिल्या माता का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री ने महेश्वर में देवी अहिल्या की जीवनगाथा पर नाटक मंचन के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना की। उन्होंने अतिथियों के साथ सम्पूर्ण नाटक का मंचन देखा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर में नाटक का मंचन किया जा रहा है।

पंजाब में किसानों ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के आवासों की ओर किया कूच

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के किसानों ने अब राज्य सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के बैनर तले किसानों ने पंजाब के मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के आवासों को घेरने का प्रयास किया। इसके चलते पुलिस और किसानों के बीच कई जगह भारी झड़प भी हुई।

बीती 19 मार्च 2025 को केंद्र सरकार के साथ सातवें दौर की बातचीत के बाद पंजाब पुलिस ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर समेत अन्य किसान नेताओं को अलग-अलग जगह से हिरासत में ले लिया था। इसके बाद दोनों बॉर्डर खाली करा लिए गए थे। 20 और 21 मार्च से दोनों बॉर्डर पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। पंजाब सरकार की इस कार्रवाई से गुस्साए किसानों ने आज प्रदेश सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया।

पंजाब में किसानों ने जालंधर में कैबिनेट मंत्री महेंद्र भगत के घर की तरफ कूच किया तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। जिसे लेकर वहां हंगामा हो गया। यहां पुलिस ने किसानों पर लाठीचार्ज भी किया। हंगामे के बाद किसानों ने कुछ समय के लिए यहां धरना भी दिया। इस बीच किसानों ने पंजाब के अमृतसर, तरनतारन, होशियारपुर, गुरदासपुर, पठानकोट, फिरोजपुर, मोगा, बठिंडा, लुधियाना, जालंधर, पटियाला, मानसा व संगरूर जिलों में करीब दो दर्जन स्थानों पर रोष प्रर्दशन किया।

यूसीसी कानून धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं : पुष्कर सिंह धामी

एजेंसी

बरेली । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने का संवैधानिक उपाय है, जिससे महिलाओं को संपत्ति और उत्तराधिकार में समान अधिकार मिलेंगे। यह कानून किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं है, बल्कि कुप्रथाओं को समाप्त कर समरसता स्थापित करने का प्रयास है। वह उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने को लेकर बरेली के इन्वर्टिस विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे।इस दौरान धामी का सम्मान किया गया। उन्होंने यूसीसी में लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रावधान महिलाओं और उनके बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए है। उत्तराखंड से शुरू हुई यह पहल अन्य राज्यों को भी प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए

ऐतिहासिक फैसलों-अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक का उन्मूलन, नागरिकता संशोधन कानून और अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं से प्रेरणा लेकर उत्तराखंड में यूसीसी लागू किया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने आईएमए की टीम को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने पर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, महापौर डॉ. उमेश गौतम सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गुजरात में 64 साल बाद 8 अप्रैल से शुरू होगा कांग्रेस अधिवेशन

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात में 64 साल बाद कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 8 और 9 अप्रैल को होने जा रहा है। इस अधिवेशन की तैयारियां चल रही हैं। कांग्रेस नेताओं के लिए अहमदाबाद और आसपास के इलाकों में दो हजार कमरें बुक कराए है। इस अधिवेशन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के मुख्यमंत्री और दिग्गज नेता शामिल होंगे। महात्मा गांधी के कांग्रेस के अध्यक्ष बनने के 100 साल और सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष में साबरमती तट पर होने वाले कांग्रेस अधिवेशन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद में होने वाले कांग्रेस के अधिवेशन में करीब तीन हजारकांग्रेस नेता शामिल होंगे। इन सभी के ठहरने के लिए अहमदाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों के होटलों में दो हजार कमरें बुक किए गए हैं। इसकी वजह से आईटीसी नर्मदा और कोर्टयार्ड समेत कई होटल 8 और 9 अप्रैल के लिए हाउसफुल हो गए हैं। होटल से बैठक स्थल तक कांग्रेस नेताओं को लाने और ले जाने के लिए कार और बसों की व्यवस्था की गई है। स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी अपनी निजी कार नेताओं के लिए तैयार रखने को कहा गया है। अहमदाबाद स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय को सजाया-संवारा जा रहा है। राष्ट्रीय नेताओं के कटआउट भी लगाए जा रहे हैं। दीवारों पर रंग-रोगन किया गया है। अधिवेशन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सुक्खू, कर्नाटक के सिद्धरमैया समेत राज्यसभा, लोकसभा, विधानसभा सदस्यों और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्यों के शामिल होने की उम्मीद है। यह सभी

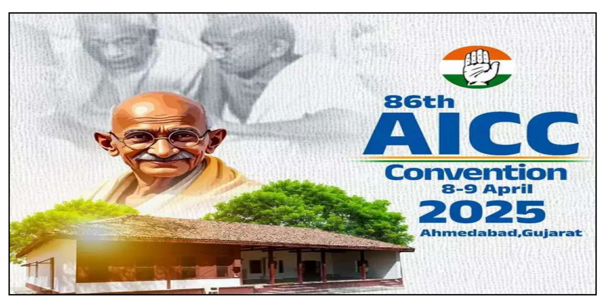

नेता दो दिन अहमदाबाद में रहेंगे। कांग्रेस के कार्यक्रम साबरमती रिवरफ्रंट और सरदार पटेल स्मारक में आयोजित किए जाएंगे। इससे पहले गुजरात के भावनगर में 1961 में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था।

अरुणाचल प्रदेश में 3.5 तीव्रता का हल्का भूकंप

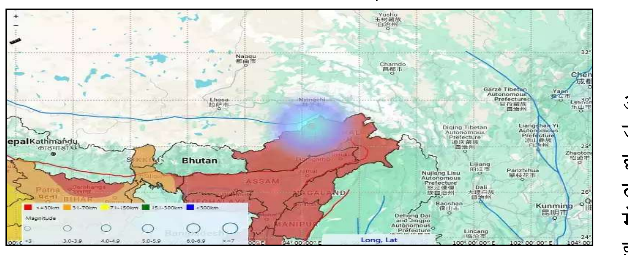

एजेंसी

ईटानगर। चीन और म्यांमार की सीमा से लगे पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले और आसपास के इलाकों में अपराह्न 2 बजकर 38 मिनट पर हल्का भूकंप आया। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गयी। हालांकि, भूकंप से किसी के हताहत होने या अन्य क्षति की कोई खबर नहीं है।भारतीय सिस्मोलॉजी विज्ञान केंद्र द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 2.38 बजे आए भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 28.88 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 94.34 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर स्थित था।पड़ोसी देश म्यांमार में पिछले दिनों आए दो शक्तिशाली भूकंप के बाद से पूर्वोत्तर के राज्यों में हल्के भूकंप के झटके महसूस किये जा रहे है, जिसके चलते स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

लोकमाता अहिल्यादेवी ने राष्ट्र को एकात्मता के सूत्र में पिरोया : सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर

एजेंसी

रायपुर। लोकमाता अहिल्यादेवी होल्कर त्रिशताब्दी जयंती समारोह आयोजन समिति छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा रायपुर स्थित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने कहा कि हमारे देश ने समय-समय पर कई प्रतिकूलताओं का सामना करते हुए भी कई गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह इस पवित्र भूमि में जन्म लेने वाली महान विभूतियों, संत व समाज सुधारकों के कृतित्व का परिणाम है। लोकमाता अहिल्यादेवी राष्ट्र की ऐसी ही एक प्रेरणापुंज हैं, जिनसे वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के चरित्र को पढ़ने व स्मरण करने से राष्ट्र जीवन को दिशा मिलती है। रामदत्त चक्रधर ने पुण्यश्लोका अहिल्यादेवी के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि वह एक सामान्य परिवार से थीं। उनके जीवन में तीन गुण ऐसे थे, जो उन्हें महान वीरांगना बनाते हैं। इनमें पहला गुण अभयम अर्थात साहस है। उनका राज्य बहुत विस्तृत था, कई बार उन्हें विद्रोह का सामना करना पड़ा, लेकिन लोकमाता ने अपनी अद्भुत सैन्य क्षमता से उसका स्थायी समाधान किया। उन्होंने संपूर्ण भारत को एकात्मता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। सह सरकार्यवाह रामदत्त ने इस अवसर पर कहा कि लोकमाता के जीवन का दूसरा गुण कुशल प्रशासक का था। उनके परिवार में दुर्घटनाओं की लंबी श्रृंखला हुई, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने प्रशासनिक कौशल में कहीं उदासीनता नहीं दिखाई। नासिक में एक निर्माण कार्य के दौरान आर्थिक अनियमितता की शिकायत उन तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारी को उसके पद से हटा दिया। इसी प्रकार पंढ़रपुर में एक अन्य निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांचने के लिए उन्होंने हाथियों को निर्माण कार्य के ऊपर चलवाया। लोकमाता के राज्य में निर्धन व्यक्ति को कोई भी धनवान व्यक्ति प्रताड़ित नहीं कर सकता था। वह कहतीं थी कि जनता और शासन के बीच मां और संतान का संबंध होता है। रामदत्त चक्रधर ने अपने वक्तव्य में कहा कि लोकमाता ने महेश्वर में स्वदेशी उद्योग लगवाए। उनके जीवन चरित्र का एक गुण उनकी आध्यात्मिकता है। हम सब उनके चित्र को देखें तो उनके हाथ में शिवलिंग है। उन्होंने देशभर में मंदिरों का निर्माण व जीर्णोद्धार करवाया। काशी, बद्रीनाथ, केदारनाथ, गया समेत अनेक स्थानों पर उन्होंने मंदिर बनवाए। पंढ़रपुर यात्रियों के लिए वह भोजन व्यवस्था करवाती थीं। न्याय के लिए तो वह प्रसिद्ध हैं ही, वह हमेशा सनातन मूल्यों को जीती थीं। अपने उद्बोधन में रामदत्त चक्रधर ने कहा कि भारत का यह स्वर्णिम कालखंड है। इस पीढ़ी को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, 370 धारा के समाप्त होने समेत ऐसे अनेक गौरवशाली क्षण देखने को मिल रहे है।

जल विद्युत उत्पादन में दस फीसदी बढ़ोतरी, अब परमाणु बिजली पर फोकस : मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि वर्ष 2024-25 में देश में जल विद्युत उत्पादन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाकर केंद्रीय परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु व राजस्थान में 5900 मेगावाट परमाणु बिजली का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है।मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में पत्रकारों को बताया कि वर्ष 2025-26 में 34,855 मेगावाट नवीनीकरण ऊर्जा क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इनमें सौर ऊर्जा से लेकर पवन और हाइब्रिड बिजली उत्पादन शामिल है। केंद्र सरकार का लक्ष्य पहाड़ी क्षेत्रों में जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देना है और मैदानी इलाकों में सौर ऊर्जा को बड़ा

विकल्प बनाने पर फोकस है। वर्ष 2024-25 (अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025) के दौरान जल विद्युत उत्पादन एक लाख 39 हजार 780 मिलियन यूनिट (एमयू) था, जबकि 2023-24 की इसी अवधि के दौरान यह एक लाख 27 हजार 038 एमयू था, जो जल विद्युत उत्पादन में 10 प्रतिशत की वृद्धि है।केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देशभर में ग्रिड स्टेशनों के साथ पावर प्लांट और ट्रांसमिशन अपग्रेड पर फोकस है। वर्ष 2025-26 में देश में उपभोक्ताओं की मांग 277 गीगावाट रहने की उम्मीद है, जबकि देश की वर्तमान स्थापित उत्पादन क्षमता 470 गीगावाट है। सरकार ने अप्रैल, 2014 से 238 गीगावाट उत्पादन क्षमता बढाकर बिजली की कमी के गंभीर मुद्दे का समाधान किया है। 2014 से 2,01,088 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) ट्रांसमिशन लाइनों, 7,78,017 एमवीए परिवर्तन क्षमता और 82,790 मेगावाट अंतर-क्षेत्रीय क्षमता को जोड़ा गया है, जिससे देश के एक कोने से दूसरे कोने तक 1,18,740 मेगावाट बिजली स्थानांतरित करने की क्षमता है। हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में केंद्र, राज्य व निजी क्षेत्र में 2025-26 में 6040 मेगावाट उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल व तेलंगाना में तापीय बिजली थर्मल प्लांट के जरिये 9280 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

गुजराती संस्कृति में समरसता का अद्भुत भावः राज्यपाल

एजेंसी

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गुजराती में कहा कि गुजराती संस्कृति में समरसता का अद्भुत भाव है। गुजरातियों में मेलजोल और आपसी भाईचारे का व्यवहार होता है। जहां बसे गुजराती, वहां बसे सदाकाल गुजरात÷ कहावत को गुजरातियों ने हमेशा चरितार्थ किया है। मध्य प्रदेश की संस्कृति में भी गुजराती समाज रच- बस गया है।

राज्यपाल पटेल शाम भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित अखिल भारतीय गुजराती समाज के कार्यक्रम 'सदाकाल गुजरात' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि गुजराती समाज का मध्य प्रदेश के विकास में विशेष योगदान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत को बनाने में मध्य प्रदेश की जनता के साथ गुजराती समाज लगातार सहयोग और सहभागिता कर रहा है।

राज्यपाल ने केंद्र और राज्य सरकार के सामाजिक सहभागिता पर आधारित कार्यक्रमों को सफल बनाने में अखिल भारतीय गुजराती समाज संस्था के सहयोग और सक्रियता की सराहना की।

गुजरात देश का ग्रोथ इंजन : मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल ने गुजराती में कहा कि गुजराती संस्कृति गर्व का प्रतीक है। आजादी के आन्दोलन में देश को गुजरात ने ही महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल के रूप में मजबूत नेतृत्व दिया है। अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित और विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने गुजरात राज्य की भौगोलिक चुनौतियों को अवसरों में बदल कर गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाने वाले प्रधानमंत्री मोदी की कार्यकुशलता, नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति की सराहना की। मुख्यमंत्री पटेल ने मध्य प्रदेश के गुजराती समाज को प्रदेश के विकास में हमेशा योगदान देने और ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ निर्माण में बढ़-चढकर भाग लेने का आव्हान किया।

गुजरात पर ईश्वर की विशेष कृपाः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गुजरात राज्य पर ईश्वर की विशेष कृपा और आशीर्वाद है। आजादी से लेकर देश के विकास और अर्थव्यवस्था में आज गुजरात का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में हुई मुठभेड़ में एसएलआर रायफल, कारतूस, मैग्जीन, वॉकी-टॉकी व नक्सल सामग्री बरामद

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के थाना कोहकामेटा अंतर्गत अबूझमाड़ के जंगल में 27 मार्च को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने का दावा मुठभेड़ में शामिल जवानों ने किया है। फायरिंग बंद होने पर सुरक्षाबलों द्वारा इलाके की सर्चिंग करने पर घटना स्थल में एक एसएलआर रायफल, एसएलआर कारतूस 12, एसएलआर मैग्जीन एक, नक्सली पिट्ठू एक, वॉकी टॉकी एक, रेडियो-एक, नक्सली साहित्य छह एवं मेडिकल सामग्री सहित अन्य दैनिक उपयोगी सामान बरामद हुआ। सर्च ऑपरेशन पूरा करने के बाद आज 31 मार्च को सुरक्षा बल मुख्यालय वापस सुरक्षित लौटने के बाद नक्सलियों के उक्त बरामद सामग्री को प्रर्दशित किया है। पुलिस अधीक्षक नारायणपुर प्रभात कुमार ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सल विरोधी सर्च अभियान में नारायणपुर डीआरजी, बस्तर फॉईटर एवं एसटीएफ की संयुक्त पार्टी शीर्ष नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर अबूझमाड़ क्षेत्र के घमंडीपारा, पदमकोट, नेलांगूर की ओर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान घमंडीपारा के जंगल, पहाड़ में पुलिस एवं नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। सुरक्षा बलों को भारी पड़ता देखकर नक्सली हथियार एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री छोड़कर भाग खड़े हुए। घटना स्थल में खून के धब्बे एवं घसीटने के निशान दिखाई दिये हैं, जिससे प्रतीत होता है कि इस मुठभेड़ में कई अन्य माओवादियों के घायल अथवा मारे जाने की प्रबल संभावना है।

प्रधानमंत्री के संभावित मधुबनी दौरे को लेकर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट ने की बैठक

एजेंसी

मधुबनी। बिहार के मधुबनी में आगामी 24 अप्रैल को होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित यात्रा के मद्देनजर प्रशासनिक इन्तजाम सहित अन्य तैयारी को लेकर केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन कुमार सिंह उर्फ ललन सिंह,उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों के संग बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंत्रिमंडल के सदस्य नीतीश कुमार मिश्रा (उद्योग मंत्री), बिहार के मुख्य

सचिव अमृत लाल मीणा, बिहार के डीजीपी विनय कुमार समेत राजग के नेता और जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी भी मौजूद रहे। डीआईजी, डीएम, एसपी के साथ विधायक और सांसद भी मौजूद थे। हालांकि, इनमें जदयू की ओर से केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के अलावा अन्य कोई और नहीं दिखा। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवम्बर महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिससे पहले सभी राजनीतिक दल चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इसी क्रम में अप्रैल महीने में एक बार फिर पीएम मोदी बिहार दौरे पर आएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रदानमंत्री फरवरी महीने में बिहार के भागलपुर आए थे, इस दौरान उन्होंने कई योजनाओं की सौगात दी। अपने बिहार दौरे में प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही बिहटा एयरपोर्ट का शिलान्यास भी करेंगे। पीएम मोदी कुछ नई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन भी कर सकते हैं।

गर्भावस्था

छोटी-छोटी बातों का रखें ख्याल

गर्भावस्था जीवन की एक महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसमें महिला को न सिर्फ अपना, बल्कि अपने होने वाले शिशु के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना होता है। गर्भावस्था का परिणाम एक स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु होना चाहिए। गर्भावस्था में उचित खुराक, आराम, व्यायाम, चिकित्सकीय देखभाल, जांचों और जरूरत पड़ने पर कुछ दवाओं की जरूरत होती है। इन सभी पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है।

गर्भावस्था के प्रारंभिक तीन महीनों में कई महिलाओं को मॉर्निंग सिकनेस या जी मचलाने या मितली आने की शिकायत होती है। इस अवधि में सुबह बिस्तर से निकलने से पहले ही सूखा बिस्किट खा लें। थोड़ी बहुत चाय-कॉफी और हल्का खाना, फल, सलाद खाते रहें। बच्चे के समुचित विकास के लिए मां की खुराक में ज्यादा कैलोरी, प्रोटीन, आयरन और कैल्शियम आवश्यक है।

आमतौर पर भारतीय शाकाहारी होते हैं। इसलिए खुराक में प्रोटीन की आपूर्ति के लिए दालों और अंकुरित अनाज भी खाना आवश्यक है। यदि चार-पांच प्रकार की दालें मिलाकर बनाएं तो और अच्छा है। इनके अलावा मूंगफली, छोले, राजमा, भुने चने और हो सके तो सूखे मेवे का नियमित सेवन करना चाहिए। सोयाबीन भी प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत है।

महिलाओं में लौह तत्व की कमी से एनीमिया होना भी बहुत अधिक पाया जाता है। इससे बचने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, सलाद खाना आवश्यक है। आयरन की गोली अवश्य लें। विटामिन-सी के सेवन से आयरन का अच्छी तरह से अवशोषण होता है। कैल्शियम के लिए आहार में रोज प्रचुर मात्रा में दूध, दही या मट्ठा होना चाहिए। कमी अधिक हो तो कैल्शियम की गोली भी लेना चाहिए।

हर गर्भवती महिला को रात में कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए। साथ ही दिन में भी एक-दो घंटा आराम की जरूरत है। गर्भावस्था में रोजमर्रा का हल्का-फुल्का काम किया जा सकता है, लेकिन भारी काम से पूरी तरह परहेज करें। साथ ही उचित व्यायाम करना आवश्यक है। गर्भावस्था के व्यायाम की जानकारी स्त्री रोग विशेषज्ञ से ले सकते हैं। विशेषज्ञ से सलाह लिए बगैर मन से व्यायाम न करें। बेहतर होगा कि व्यायाम योग्य प्रशिक्षक की मौजूदगी में करें।

भ्रांतियों से दूरी बनाएं

कई घरों में यह मान्यता होती है कि गर्भावस्था के सातवें-आठवें महीने तक डॉक्टरी जांच की कोई आवश्यकता नहीं होती है, जो सरासर गलत है। मासिक धर्म रुकने के तुरंत बाद ही डॉक्टरी जांच करवाकर निश्चित करवाएं की आप गर्भवती हैं। पहले छह महीने तक एक-एक महीने के अंतराल से जांच करवाना चाहिए। सातवें महीने से हर पंद्रह दिन में जांच करवाएं। नवां महीने लगने पर हर हफ्ते जांच की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर कम से कम दस बार जांच होना चाहिए।

चिकित्सक की सलाह मानें

डॉक्टर की सलाह के अनुसार परीक्षण और आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी होना चाहिए। पहली सोनोग्राफी जांच ड़ेढ़-दो महीने की गर्भावस्था में ही की जाती है। इससे भ्रूण की स्थिति के सही निदान के साथ ही प्रसव की सही तारीख भी तय की जा सकती है। इसके बाद चौथे महीने में यानी कि सोलह से अठारह हफ्ते में सोनोग्राफी करवाकर गर्भस्थ भ्रूण के अंदर कोई जन्मजात गड़बड़ी जैसे कि हृदय, सिर में, रीढ़ में या पेट में गड़बड़ी हो तो उन्हें देख लिया जाता है।

तिम तिमाही में रहें सावधान

सातवें-आठवें महीने में सोनोग्राफी से गर्भनाल की स्थिति, शिशु का वजन, बच्चेदानी के अंदर का पानी सभी की जांच होती है। आपके डॉक्टर को जरूरत पड़ने पर सातवें महीने के बाद एक से अधिक सोनोग्राफी की जरूरत हो सकती है।

भ्रूण का विकास कम हो तो क्या करें

यदि बच्चे में विकास की दर कम हो तो पहले यह सुनिश्चित करें कि मां गर्भावस्था के दौरान कोई बीमारी जैसे ब्लड प्रेशर (रक्त चाप), डायबिटीज (मधुमेह) से तो पीड़ित नहीं थी। यदि वह बीमार है तो कलर डॉप्लर सोनोग्राफी की जरूरत पड़ सकती है। इसमें शिशु के धमनियों में रक्त का प्रवाह कैसा है, इसे जांचा जाता है और आने वाले खतरों की चेतावनी मिलती है।

न कराएं लिंग परीक्षण

ध्यान रहे कभी भी शिशु का लिंग परीक्षण करवाने के लिए सोनोग्राफी न करवाएं। यह न केवल आपके और समाज के लिए हानिकारक है वरन? कानूनन अपराध भी है। प्रसूति विशेषज्ञ द्वारा नियमित रूप से आपकी खून की एवं पेशाब की जांचें करवाई जाएंगी। हिमोग्लोबिन की जांच गर्भावस्था में तीन-चार बार करवाना आवश्यक है। आपका रक्त समूह (ब्लड ग्रुप) जानना जरूरी है। यह भी तय करें कि आप आर.एच. निगेटिव तो नहीं हैं। सातवें महीने में ग्लूकोज देकर शुगर की जांच होती है। पेशाब की जांच से यूरिनरी इंफेक्शन का पता चलता है। इन सबके अलावा एचआईव्ही और हिपेटाइटिस बी की जांच करवा लेना चाहिए।

टिटेनस के टीके

गर्भावस्था में महिला को टिटेनस टॉक्साइड के दो इंजेक्शन चार से छह हफ्ते के अंतराल से लगते हैं, जिनसे मां और नवजात शिशु दोनों में टिटेनस की रोकथाम होती है। जिन महिलाओं की गर्भावस्था सामान्य रहती है, उनको ज्यादा चिंता की जरूरत नहीं, लेकिन कई बार गर्भावस्था हाई-रिस्क या असामान्य श्रेणी में आती है।

गर्मियों की बड़ी समस्या
एक्ने

अक्सर गर्म मौसम में तैलीय त्वचा वाले युवाओं को पीड़ाजनक एक्ने का अनचाहा सामना करना पड़ता है। बार-बार की सावधानियां भी इस तकलीफ को रोक नहीं पाती और पीडित झुंझला उठता है। कई बार सही जानकारी का अभाव भी एक्ने का जनक हो सकता है।

आप यही उदाहरण देख लीजिए

18 वर्षीय एक युवती के माथे पर अचानक छोटे-छोटे दाने उभर आए। बालों में कई समय से रूसी होने के कारण ये दाने हो गए थे। सौंदर्य समस्याएं कई बार सेहत से जुड़ी होती हैं। जैसा इस युवती के मामले में हुआ। दानों के उपचार के लिए उसकी त्वचा और बालों की रूसी का उपचार साथ-साथ किया, हेयर स्टाइल बदली ताकि बाल माथे पर न आएं। उसे रोज बालों को धोने की सलाह दी गई। साथ ही रूसी का उपचार भी शुरू किया गया।

हाजमा ठीक न होने से भी इस तरह की परेशानी हो सकती है। उसे रोज दिन में एक कटोरी दही खाने की सलाह दी गई। तीन महीनों के बाद उसके माथे के दाने गायब हो गए। माथे के दाने कई बार साधारण न होकर किसी संक्रमण के कारण हो सकते हैं।

हाजमा बिगड़ना भी एक कारण हो सकता है, इसके लिए भरपूर पानी पीना बहुत जरूरी है। माथे की त्वचा चेहरे की बाकी त्वचा से थोड़ी अलग होती है, वहां तेल ग्रंथियां ज्यादा होती हैं, इसलिए दाने भी सबसे पहले उभरते हैं।

इसी तरह अगर लिवर इंफेक्शन होने पर भी माथे पर दाने आ सकते हैं। हालांकि ऐसा हर बार हो ही, ऐसा जरूरी नहीं। साफ-सफाई बहुत ही महत्वपूर्ण है। अपने हाथों को दिन में कई बार साबुन से धोएं। चेहरे को सेलिसिलिक एसिड युक्त फेस वॉश से दिन में दो बार धोएं। बालों को छोटा रखें। अगर लंबे हों तो उन्हें पीछे की ओर बांधे। ध्यान रखें कि वे चेहरे पर न आने पाएं।

- अपने हाथों को चेहरे पर कम से कम लगाएं।
- हेड बैंड्स का प्रयोग न करें, क्योंकि वे पसीना सोखते हैं।
- धूम्रपान कम करें। एक्टिव स्मोकर्स में एक्ने ज्यादा होता है।
- हेयर स्प्रे बहुत सावधानी से करें क्योंकि इससे रोम छिद्र बंद हो सकते हैं। बालों को बांध कर रखें।

ध्यान दें कि बालों से शैंपू पूरी तरह साफ हो। बालों और माथे पर शैंपू के अंश रह जाने से कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

क्या आपका बच्चा पूरी रात आराम से सोता है? कई बार माताएं शिकायत करती हैं कि उनका बच्चा पूरी रात ठीक से नहीं सोता, जिस वजह से उन्हें भी रातभर जाग कर शिशु की देखभाल करनी पड़ती है। पहले तो दिनभर के काम निपटाओ और फिर जब रात को सोने की बारी आती है तो बच्चा सोने नहीं देता। ऐसी ही समस्या का समाधान आज हम यहां पर देगें, जिससे आपका बच्चा आराम से रात को सो सकेगा और आप भी चैन की नींद लेंगी।

क्या आपका बच्चा रातभर आराम से सोता है?

इन तरीकों से सुलाएं अपने बच्चे को

अच्छी तरह से खिलाएं

पेट भरा हुआ होने से बच्चे को अच्छी नींद आएगी। अगर आप बच्चे को स्तनपान करवाती हैं तो उस पर भी ध्यान रखें कि उसने अच्छी तरह से दूध पी लिया हो। दिन में बच्चे को रोशनी में खाना खिलाएं लेकिन रात होने पर किसी शांत जगह पर और अंधेरे में ही खिलाएं। इससे बच्चे को अच्छी नींद आ जाती है।

दिन में कम सुलाएं

अगर बच्चे को पूरी रात बिना जगाए सुलाना है तो दिन में उसे कम सुलाएं। दिन में दूध या खाना खिलाने के तुरंत बाद सुला दें और फिर अपना सारा काम निपटा लें। पर उतना ही सुलाएं जितनी उसको जरुरत हो वरना ज्यादा सोने से उसे रात में नींद नहीं आएगी।

अपने बच्चे के पास रहें

सोते समय जब आप अपने बच्चे के पास लेटती हैं, तब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। कुछ बच्चों को यह महसूस हो जाता है कि मां उसके पास मौजूद नहीं है, इसलिये वह झट से उठ जाता है और रोने लगता है। इसलिये बच्चे के सोने के 10-15 मिनट बाद ही बिस्तर से उठें।

एक ही रूटीन का पालन करें

अगर बच्चे को एक समय पर ही सुलाना चाहती हैं तो रुटीन का पालन करें। कभी जल्दी और कभी देर से न सुलाएं, इससे आप ही को परेशानी होगी। बच्चे को रोज एक ही समय पर खाना खिलाएं और फिर सुलाएं।

आरामदायक बिस्तर

अगर कमरे में अंधेरा हो और मुलायम बिस्तर हो तो बच्चे को अच्छी नींद आती है। बच्चे के लिये एक अलग से कंबल या चादर रखें, इससे बच्चा आराम से खुद के बिस्तर और कंबल में बिना परेशानी के सो सकता है।

फायदेमंद है ममा का क्रिएटिव होना

नई-नई मम्मी बनी महिलाओं के अलावा ये खबर ममी टू बी ज के लिए भी बेहद अच्छी है। एक शोध ने बताया है कि पार्ट टाइम काम करने वाली या किसी भी अन्य क्रिएटिव काम में बिजी रहने वाली मम्मियां कई तरह की परेशानियों से दूर रह सकती हैं। चलिए मुद्दे पर आते हैं। असल में पिछले दिनों हुए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि वे महिलाएं, जिन्होंने कुछ ही महीने या हफ्ते पहले बच्चे को जन्म दिया हो, अगर पार्ट टाइम किसी संस्थान में काम करती हैं या फिर घर में बच्चे की देखभाल से बचे समय में पेंटिंग, संगीत, लेखन या अन्य किसी क्रिएटिव काम से जुड़ी रहती हैं तो वे तनाव, डिप्रेशन आदि से काफी हद तक दूर रहती हैं।

यही नहीं अन्य महिलाओं की तुलना में ऐसी महिलाएं ज्यादा स्वस्थ भी रहती हैं और उनके बच्चे भी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। असल में किसी भी काम में व्यस्त रहने से आपका दिमाग उन नकारात्मक चीजों में उलझने से बच जाता है जो आपको खाली बैठे में घेर सकती हैं। चाहे फिर वे नकारात्मक भावनाएं या उलझनें आपके परिवार, आस-पड़ोस या अन्य किसी भी मुद्दे से जुड़ी क्यों न हों।

साथ ही क्रिएटिव काम या मनपसंद काम को करने से जो पॉजिटिव एनर्जी आपको मिलती है वह बच्चे के साथ समय गुजारने में आपकी मदद करती है। वहीं भावनात्मक तौर पर भी आप मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने के लिए और मजबूत बनती हैं। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप सेहत को नुकसान पहुंचाकर कोई काम शुरू करें या अपने आराम के समय से समझौता करें। असल बात सिर्फ मानसिक तौर पर आपके किसी क्रिएटिव चीज में डूबने से जुड़ी है। यानी दिमाग को अच्छी खुराक मिलेगी और आप बच्चे के साथ को और भी अच्छी तरह एंजॉय कर पाएंगी।

गर्मी में लड़कियों के लिए खास टिप्स

गर्मी ने आते ही सबके हाल बेहाल करना शुरू कर दिया है। इसका असर बच्चों व बूढ़ों पर पड़ा है, तो महिलाएं भी इससे अछूती नहीं रही हैं।

कामकाजी महिलाओं और लड़कियों को गर्मी के मौसम में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां हम महिलाओं को गर्मी से बचने के कुछ उपाय बता रहे हैं।

1. धूप में बाहर जाने से 20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाएं। यह आपको सनबर्न, स्कीन टैन आदि से बचाएगा। आपका सनस्क्रीन SPF15 या उससे ज्यादा का होना चाहिए।
2. इसके साथ जब भी बाहर जाएं तो गॉगल, हैंड ग्लव्स और स्कॉर्फ भी पहनें।
3. अपने सिर को हमेशा ढंककर रखें।
4. हर 1 घंटे में पानी पीने का नियम बना लें। ऐसा करने से आपके शरीर में हाइड्रेशन लेवल बना रहेगा।
5. रसीले फलों का सेवन करें, जैसे अंगूर, तरबूज, आम, ककड़ी ये आपके शरीर को पोषण देने के साथ-साथ तरोताजा भी रखेंगे।
6. अपने चेहरे पर हफ्ते में एक बार हर्बल मॉइस्चराइजर लगाएं जिसमें चंदन, हल्दी, ब्राह्मी, आमला और एलोवीरा हो।
7. साथ ही 1 महीने में 2 बार फरुट मॉस्क भी लगाएं।
8. गर्मी के मौसम में बाहर रोड पर लगे नलों में से पानी पीना अवॉइड करें। अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें।
9. गर्मी के मौसम में 2 बार स्नान करें।
10. जरूरत से ज्यादा भी काम न करें। जितनी क्षमता हो, उतना ही काम करें।
11. चाय और कॉफी का ज्यादा सेवन न करें तथा इन्हें खाली पेट तो बिलकुल न लें। खाली पेट लेने से पेट की बीमारियां होने की आशंका होती है।
12. और सबसे जरूरी कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। समय से सोएं और समय से उठें।

विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे 10 युवा भारतीय मुक्केबाज

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत की दस सदस्यीय मुक्केबाजी टीम वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 में भाग लेने के लिए तैयार है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज रात से ब्राजील के फोज दो इगुआसू में शुरू हो रहा है।इस वर्ष के पहले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में 19 विभिन्न देशों के 130 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें कई ओलंपियन भी शामिल हैं, हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता रफेन पैलेस होटल और कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की जाएगी। प्रतिभागी देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीनी ताइपे, फ्रांस, इंग्लैंड, जर्मनी, ग्वाटेमाला, भारत, इटली, कजाकिस्तान, नॉर्वे, पनामा, पोलैंड, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, उज्बेकिस्तान और वेल्स शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के मुकाबले होंगे, लेकिन भारतीय टीम केवल पुरुषों की 10 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेगी। भारत की ओर से 85 किग्रा में जुगनू को छोड़कर बाकी सभी मुक्केबाजों ने इस साल जनवरी में बरेली में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्ग में जीत दर्ज कर टीम में जगह बनाई है। जुगनू फाइनल में सुमित से हार गए थे, लेकिन राष्ट्रीय चैंपियन की अनुपलब्धता के कारण उन्हें टीम में शामिल किया गया। भारत की टीम में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र सबसे अनुभवी और चर्चित मुक्केबाज हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर हुए उस्मान खान

हैमिल्टन। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज उस्मान खान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण दूसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में पदार्पण करने वाले 29 वर्षीय उस्मान खान को नेपियर में खेले गए पहले वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट में जानकारी दी गई कि मैच के बाद स्कैन रिपोर्ट में उनके हैमस्ट्रिंग में लो-ग्रेड टियर की पुष्टि हुई, जिसके चलते वह तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उस्मान खान को शुरुआत में पाकिस्तान की वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन टी20 सीरीज के समापन के बाद उन्हें टीम में शामिल किया गया। उन्होंने अपने पहले वनडे में 33 गेंदों पर 39 रन बनाए।

पहले वनडे में पाकिस्तान को 73 रनों से हार

पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रनों की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 344/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया। मार्क चैपमैन (100 रन) ने शानदार शतक जड़ा, जबकि डेरिल मिचेल (76 रन, 84 गेंद) और मुहम्मद अब्बास (52 रन, 26 गेंद) ने भी अहम पारियां खेलीं।पाकिस्तान की ओर से इरफान खान ने 5 ओवरों में 51 रन देकर 3 विकेट झटके। हारिस रऊफ (2/38), अकीफ जावेद (2/55), नसीम शाह (1/60) और मोहम्मद अली (1/53) ने भी विकेट चटकाए।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में दीपक, उदित ने जीता रजत, दिनेश को कांस्य

अम्मान। भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपना तीसरा रजत पदक और कुल मिलाकर पांचवां पदक जीता, जबकि उदित को भी लगातार दूसरी बार उपविजेता रहकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। 25 वर्षीय दीपक पुनिया पेरिस ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके थे, लेकिन उन्होंने 92 किग्रा वर्ग में दमदार वापसी की। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने किर्गिस्तान के बेकजात रखीमोव को कड़ी टक्कर देते हुए 12-7 से हराया। यह मुकाबला हाई-स्कोरिंग रहा,जिसमें दीपक ने शानदार दांव-पेंच दिखाए। सेमीफाइनल में दीपक ने जापान के ताकाशी इशिगुरो को 8-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्वर्ण पदक मुकाबले में उन्हें ईरान के विश्व नंबर-1 अमीरोसैन बी. फिरोजपूरबंदपेई के खिलाफ करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच में दीपक शुरू से ही रक्षात्मक मुद्रा में दिखे। उन्होंने शुरुआती दो मिनट में कोई आक्रामक दांव नहीं लगाया और आउट ऑफ बाउंड होने के कारण पहला अंक गंवा दिया। इसके बाद ईरानी पहलवान ने कई टेकडाउन किए और तकनीकी श्रेष्ठता (टेक्निकल सुपीरियोरिटी) के आधार पर मुकाबला जीत लिया। दीपक इससे पहले 2021 (अल्माटी) और 2022 (उलानबातार) में भी रजत पदक जीत चुके थे, जबकि 2019 और 2020 में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में दीपक, उदित ने जीता रजत, दिनेश को कांस्य

अम्मान। भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपना तीसरा रजत पदक और कुल मिलाकर पांचवां पदक जीता, जबकि उदित को भी लगातार दूसरी बार उपविजेता रहकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। 25 वर्षीय दीपक पुनिया पेरिस ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके थे, लेकिन उन्होंने 92 किग्रा वर्ग में दमदार वापसी की। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने किर्गिस्तान के बेकजात रखीमोव को कड़ी टक्कर देते हुए 12-7 से हराया। यह मुकाबला हाई-स्कोरिंग रहा,जिसमें दीपक ने शानदार दांव-पेंच दिखाए।

वंदना कटारिया ने की अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे एक असाधारण करियर का समापन हो गया। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 158 गोल करने वाली वंदना भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में विदाई ले रही हैं। आंकड़ों से कहीं अधिक, वह एक प्रेरणादायक धरोहर छोड़कर जा रही हैं, जो एक संघर्ष, संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को उच्च शिखर पर पहुंचाने की अनवरत भूख की कहानी है।

एक युग का अंत

वंदना ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, ÷यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मुझे पता है कि अब सही समय है। हॉकी मेरी जिंदगी रही है, और भारतीय जर्सी पहनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। लेकिन हर यात्रा का एक अंत होता है, और मैं गर्व, आभार और खेल के

प्रति अपार प्रेम के साथ छोड़ रही हूं। भारतीय हॉकी अच्छे हाथों में है, और मैं हमेशा इसकी सबसे बड़ी समर्थक रहूंगी। उन्होंने लिखा, ÷मैं अपने कोच, टीम साथियों, समर्थन कर्मचारियों, हॉकी इंडिया, परिवार और सभी फैंस का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरे साथ हर कदम पर समर्थन किया। उनके हर एक चीयर, संदेश और प्रोत्साहन ने मुझे बहुत कुछ दिया।

शानदार करियर और ऐतिहासिक क्षण

वंदना का हॉकी में सफर एक छोटे से गांव रौशनाबाद, हरिद्वार से शुरू हुआ था, जहां से वह अपने सपने को सच करने के लिए निकली थीं। वंदना ने 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण किया और तब से लेकर आज तक उन्होंने कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इनमें दो ओलंपिक (रियो 2016, टोक्यो 2020), दो एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप (2018, 2022), तीन कॉमनवेल्थ गेम्स (2014, 2018, 2022) और तीन एशियाई खेल (2014, 2018, 2022) शामिल हैं। वंदना की टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें 2016 और 2023 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2022 में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप और 2018 एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदक शामिल हैं।

टोक्यो ओलंपिक में रचा इतिहास

वंदना की टोक्यो ओलंपिक में तीन गोल की हैट्रिक हमेशा याद की जाएगी। यह गोल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारत की महत्वपूर्ण 4-3 की जीत में मददगार साबित हुए, जिससे भारत क्वार्टरफाइनल में पहुंचा और अंततः चौथे स्थान पर रहा–यह भारत का ओलंपिक हॉकी में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। वंदना ने इस बारे में कहा, मैं आज भी टोक्यो के बारे में सोचकर रोमांचित हो जाती हूं। ओलंपिक खास होते हैं, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह मैच मेरे जीवन के सबसे भावुक मैचों में से एक था। मैं बस अपनी टीम और देश के लिए हर कुछ देना चाहती थी। हैट्रिक खास थी, लेकिन उससे ज्यादा यह साबित करना था कि हम इस मंच पर हैं।

रोमानिया के जियानु ने तिरिआक ओपन में दर्ज की पहली जीत

एजेंसी
बुकारेस्ट। रोमानिया के टेनिस खिलाड़ी फिलिप क्रिस्टियन जियानु ने तिरिआक ओपन के पहले दौर में अमेरिकी निशेश बसवारेड्डी को 6-3, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। 23 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी, जो एटीपी रैंकिंग में 241वें स्थान पर हैं, ने 108वीं रैंकिंग वाले बसवारेड्डी को 93 मिनट में पराजित किया। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी ने अधिक विनर (22-13) लगाए, लेकिन उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर (16-9) भी किए, जिसका फायदा जियानु को मिला। इस जीत के साथ जियानु को 10,460 यूरो (11,317 अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि और 25 एटीपी अंक मिले। अब वे प्री-क्वार्टर फाइनल में वैलेंटिन वाशेरोट या दामिर जुहुमर में से किसी एक से भिड़ेंगे। वहीं, एक अन्य रोमानियाई खिलाड़ी, लुका प्रेडा, पहले दौर में वाशेरोट से 6-2, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। उन्हें 3,200 यूरो (3,462 अमेरिकी डॉलर) और 7 एटीपी अंक प्राप्त हुए। तिरिआक ओपन, जो एक एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट है, 31 मार्च से 6 अप्रैल तक बुकारेस्ट के नेशनल टेनिस सेंटर में खेला जा रहा है।

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी, शाई होप बने टी20 कप्तान

एजेंसी
नई दिल्ली। क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रैथवेट ने चार साल तक टीम का नेतृत्व किया। वहीं, शाई होप को वेस्टइंडीज टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने उक्त जानकारी दी। 32 वर्षीय ब्रैथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। दूसरी ओर, शाई होप, जो पहले से ही वनडे टीम के कप्तान हैं, अब रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। पॉवेल मई 2023 से टी20 टीम की कप्तानी कर रहे थे।

सीडब्ल्यूआई के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बोर्ड के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा, टीम के विकास और 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शाई होप को कप्तान नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

ब्रैथवेट के नेतृत्व में

ऐतिहासिक जीत

ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं। पिछले साल, उनकी अगुवाई में टीम ने ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27

वर्षों में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। इसी साल पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज़ बराबर करने का कारनामा किया, जो 34 वर्षों में पहली बार हुआ था। उनकी कप्तानी में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में जीत मिली, जबकि 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज़ जीती थी।

कप्तानी छोड़ने का कारण

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, ब्रैथवेट चाहते थे कि उनकी विदाई से पहले टीम को बदलाव का पर्याप्त समय मिले। इसलिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज़ से पहले इस्तीफा दिया, जिससे नई नेतृत्व टीम को खुद को स्थापित करने का मौका मिल सके।

ब्रैथवेट अभी 98 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज़ उनके लिए खास होगी, क्योंकि वह अपने 100 टेस्ट पूरे करने के करीब हैं। सीडब्ल्यूआई ने कहा, हम क्रेग ब्रैथवेट के योगदान और उनकी नेतृत्व क्षमता के लिए आभार व्यक्त करते हैं। जल्द ही नए टेस्ट कप्तान की घोषणा की जाएगी।

वेस्टइंडीज जून-जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ खेलेगा, जो नए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत होगी।

जैस्मिन पाओलिनी ने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद नाता तोड़ा

एजेंसी
रोम। इटली की टेनिस स्टार जैस्मिन पाओलिनी ने अपने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद अलग होने की घोषणा की है। 29 वर्षीय पाओलिनी ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा की। 10 अद्भुत सालों के बाद, मैं रेंजो फुरलान को उनके योगदान के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं। उन्होंने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी, पाओलिनी ने लिखा। फुरलान के मार्गदर्शन में पाओलिनी ने शानदार प्रगति की। 2024 में वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन की उपविजेता रहीं, पेरिस ओलंपिक में डबल्स स्वर्ण पदक जीता और इटली को बिली जीन किंग कप जीतने में मदद की। इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह दुनिया की नंबर चार खिलाड़ी बनीं। फुरलान को उनके बेहतरीन कोचिंग योगदान के लिए डब्ल्यूटीए कोच ऑफ द ईयर का सम्मान भी मिला। पाओलिनी ने फुरलान के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, रेंजो मेरे लिए सिर्फ एक कोच ही नहीं, बल्कि मेरे व्यक्तित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण

भूमिका निभाने वाले व्यक्ति रहे हैं। उनसे मिली सीख हमेशा मेरे साथ रहेगी। मैं उनके समर्पण, जुनून और मूल्यों के लिए उनकी बेहद सम्मान करती हूं। हालांकि, 2025 सीजन में पाओलिनी का प्रदर्शन अब तक उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में बाहर हो गईं और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से हार गईं। फ्रेंच ओपन की शुरुआत 25 मई से हो रही है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पाओलिनी अपने पूर्व कोच के बिना पिछली सफलता को दोहरा पाएंगी।

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने दर्ज की पहली जीत, केकेआर को 8 विकेट से हराया

एजेंसी
मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सीजन के पहले मुकाबले में मुंबई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 8 विकेट से हराया है। 117 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए रियान रिकल्टन के नाबाद अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 43 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। कोलकाता की ओर से मिले 117 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए मुंबई इंडियंस की ओर से पारी की शुरुआत रोहित शर्मा और रियान रिकल्टन ने की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। रोहित 13 रन बनाकर आंद्रे रसेल का शिकार बने। इसके बाद विल जैक्स और रिकल्टन

ने 45 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जैक्स भी 16 रन बनाकर रसेल का दूसरा शिकार बने। बाद में सूर्यकुमार यादव ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 9 गेंदों में 27 रन (3 चौके, 2 छक्के) बनाए और मुंबई को आसान जीत दिला दी।इससे पहले मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने केकेआर को सिर्फ 116 रनों पर समेट दिया। डेब्यू कर रहे अश्वनी कुमार और अनुभवी दीपक चाहर ने धारदार गेंदबाजी की। मुंबई के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसे गेंदबाजों ने सही साबित किया। पावरप्ले में ही केकेआर के शीर्ष 4 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। पूरी टीम 17 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। अश्वनी कुमार ने 4 विकेट लेकर शानदार डेब्यू किया। कोलकाता की तरफ से अंगकृश रघुवंशी ने सबसे अधिक 26 रन बनाए। इसके अलावा, रमनदीप सिंह ने 22 रन, मनीष पांडेय ने 19 और रिंकू सिंह ने 17 रन का योगदान दिया।

एनसीए के एलीट कैम्प के लिए एचपीसीए के चार खिलाड़ियों का चयन

धर्मशाला। नेशनल क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित किए जा रहे अंडर-16 बॉयज एलीट कैंप के लिए एचपीसीए के चार खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में जिला ऊना के अंशुमन सिंह राणा, जिला मंडी के मंथन गुरुंग, जिला हमीरपुर से वरुण सिंह और जिला बिलासपुर के वरुण ठाकुर शामिल हैं। कैंप का आयोजन 18 अप्रैल से 24 मई तक किया जाएगा। इसके लिए चयनित खिलाडियों 17 अप्रैल को कैंप स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि कैंप में जाने से पहले चयनित खिलाड़ियों की एचपीसीए स्टेडियम धर्मशाला में फिटनेस परखी जाएगी, उसके उपरांत

उन्हें कैंप में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि अंशुमन सिंह राणा सलेम में टीम ए, मंथन गुरुंग जयपुर में टीम बी, वरुण सिंह मुंबई में टीम सी और वरुण ठाकुर पुणे में टीम डी की ओर से भाग लेंगे। एचपीसीए ने सभी चयनित खिलाडियों को बधाई देते हुए कैंप के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

स्पिन आक्रमण के लिए पूरी तरह तैयार है पंजाब किंग्स : जेम्स होप्स

एजेंसी
लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने अपने पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 11 रनों से हराकर शानदार शुरुआत की थी। अब टीम मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ एकाना क्रिकेट स्टेडियम में भिड़ेगी। सात दिन के लंबे अंतराल के बावजूद, टीम कोचिंग स्टाफ का मानना है कि इस ब्रेक ने खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी करने का मौका दिया है। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह सीजन हमारे लिए धीमी गति से शुरू हुआ है, लेकिन इस ब्रेक ने हमें अपने खेल पर काम करने का समय दिया। हमें पता है कि लखनऊ के खिलाफ मुकाबला स्पिन-अटैक से भरा होगा, जो हमें पहले मैच में देखने को नहीं मिला था। लेकिन हमारी टीम ने

पिछले कुछ दिनों में इसका पूरा अभ्यास किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स को इस सीजन में तेज गेंदबाजों की चोटों से जूझना पड़ा है। उनकी प्रमुख तेज गेंदबाजों की सूची में मयंक यादव, मोहित खान, आवेश खान और आकाशदीप फिलहाल चोट से उबर रहे हैं। ऐसे में दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद और मणिमरण सिद्धार्थ की स्पिन चौकड़ी टीम की गेंदबाजी की रीढ़ बनी हुई है। होप्स से जब पूछा गया कि क्या लखनऊ टीम अपने घरेलू मैदान का फायदा उठाकर स्पिन-अनुकूल पिच तैयार करेगी, तो उन्होंने कहा, हर घरेलू टीम को अपनी परिस्थितियों का लाभ उठाने का पूरा हक है। अगर आपके पास मजबूत स्पिन आक्रमण है, तो आप स्पिन-अनुकूल पिच तैयार कर सकते हैं। हमें इसके लिए पहले से ही तैयार रहना होगा। आईपीएल में ऐसी कोई टीम नहीं जो स्पिनिंग ट्रैक पर नहीं खेल सकती। होप्स ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल बल्लेबाजों के लिए अनुकूल हो गया है और अधिकतर मुकाबलों में बड़े स्कोर देखने को मिले हैं। ऐसे में उन्हें नहीं लगता कि कोई भी विकेट पूरी तरह से खेलने लायक नहीं होता। अगर पिच घरेलू टीम के पक्ष में हो तो इसमें कोई बुराई नहीं है। वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए होप्स ने कहा, श्रेयस अय्यर एक शानदार बल्लेबाज हैं और दुनिया के बेहतरीन शॉर्ट-फॉर्म क्रिकेटर्स में गिने जाते हैं।

सुमाह में विशाल दंगल आयोजित, ईरान के अहमद मिर्जा ने जीता सुमाह केसरी का खिताब

अखनूर। अखनूर के सुमाह में हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य वार्षिक दंगल आयोजित किया गया। इस दंगल का आयोजन पीर बाबा दंगल कमेटी द्वारा किया गया जिसमें समिति के हरीश प्रधान, उपप्रधान संजय शर्मा, अध्यक्ष तिलक राज, कैशियर विनोद सहित राकेश, केवल, शुभम, अभय, रिंकू, योगराज, रवि, बिट्टू, पूर्व सरपंच रामपाल, गणेश शर्मा और पूर्व सरपंच मनीषा शर्मा का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखनूर के विधायक मोहन लाल भगत थे। उनके साथ एसपी ग्रामीण बृजेश शर्मा, जम्मू नरवाल सब्जी मंडी के प्रधान सुरिंदर सिंह काला, युवा राजपूत सभा के प्रधान विक्रम सिंह, पूर्व प्रधान राजन सिंह हैप्पी, थाना प्रभारी रोहित गांधी, बराल सभा के प्रधान मंगल बराल और जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संयुक्त सचिव रणवीर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भारत में तीन और अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश टूर्नामेंट के लिए हुआ समझौता

एजेंसी
मुंबई। भारत में स्क्वैश खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसआरएफआई) ने एक ऐतिहासिक समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत अगले तीन वर्षों में देश में तीन पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। एसआरएफआई के संरक्षक एन. रामचंद्रन और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक व निदेशक पार्थ जिंदल ने इस नई साझेदारी की घोषणा की। हाल ही में संपन्न जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन ने भारतीय स्क्वैश को एक नई दिशा दी है। मुंबई में आयोजित इस टूर्नामेंट में अनाथ सिंह ने महिला वर्ग का खिताब जीता। इस मौके पर बताया गया कि नई दिल्ली, मुंबई और चेन्नई इन तीन शहरों में अगले तीन वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश टूर्नामेंट होंगे। इसके अलावा विश्व स्तरीय हाई-परफॉर्मेंस कोच भारतीय खिलाड़ियों

के साथ काम करेंगे, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारने का सुनहरा मौका मिलेगा। भारत के छह खिलाड़ी पहले ही विश्व रैंकिंग के टॉप-100 में शामिल हैं, और यह पहल 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक पार्थ जिंदल ने कहा, हम भारतीय स्क्वैश को मजबूती देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य विश्व स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित कर खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रतिस्पर्धा का अवसर देना है। एसआरएफआई के संरक्षक एन रामचंद्रन ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ यह साझेदारी भारतीय खिलाड़ियों को ओलंपिक पदक जीतने के करीब लाने का प्रयास है।

गवर्नमेंट हाई स्कूल जतवाल में डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया ने किया शुभारंभ

एजेंसी
सांबा। सांबा जिला के कस्बा घगवाल के जतवाल राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल में विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया ने एक रोमांचक डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत कारवाई। सुरजीत सिंह सलाथिया ने कहा कि पिछले पांच साल से डे नाइट टूर्नामेंट जतवाल की कमेटी की तरफ से करवाई रही है। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में काफी टीमें शिरकत करेंगी और आज से नाइट टूर्नामेंट की शुरुआत है और यह एक अच्छी शुरुआत है। विधायक ने बताया घगवाल के नौजवान युवाओं के लिए अच्छा सा स्टेडियम बनाया जाएगा और कहा इस संदर्भ में हमारी मुख्यमंत्री के साथ एक बैठक हुई थी। उस बैठक में मैंने घगवाल में एक स्टेडियम की डिमांड रखी थी जैसे ही स्टेडियम के लिए पैसा आता है तुरंत स्टेडियम बनाने का काम शुरू करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे नशे से दूर रहे और अपनी पढ़ाई में फोकस करें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और कहा इस टूर्नामेंट में युवा पीढ़ी को क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा और युवाओं की सोच बदलेगी व नशे से दूर रहेंगे। फिजिकल फिट रहेंगे और युवाओं का ध्यान खेलने की तरफ रहेगा। इस क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत करवाने वाले नौजवान युवा गंगेश्वर के साथ गांव के बुजुर्ग, बच्चे व वह नौजवान युवा सब मिलकर इस टूर्नामेंट को करबा रहे है। गंगेश्वर शर्मा, मंडल

प्रधान निशांत शर्मा, राजेश शर्मा, सौरभ शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं में फैली नशे की लत को छुड़वाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा तथा युवाओं को खेलों में ध्यान लगाकर नशे से दूर रहना चाहिए क्योंकि युवाओं में खेल के प्रति रुचि उन्हें नशे से दूर रखने में सहायक होती है। ऐसे में युवाओं को चाहिए कि वे अपने अंदर खेलों के प्रति लगाव पैदा करते हुए किसी भी खेल का हिस्सा बनें क्योंकि आजकल प्रदेश में नौजवान पीढ़ी चिट्टे की लत में पड़ती जा रहा है जो की आने वाले समय में बहुत ही घातक सिद्ध हो सकती है। यही नहीं इससे न जाने कितने घरों के चिराग बुझ जा रहे हैं तथा धीरे-धीरे यह नशा गांव-गांव में भी बढ़ता जा रहा है जिसके लिए हम सभी अर्थात हर एक बच्चों के परिजनों को जागरूक रहना होगा तथा यह सोचना होगा कि किस तरह अपने बच्चों को व दूसरों को भी इस नशे के प्रति जागरूक किया जाए ताकि हमारे नौजवान पीढ़ी इस जंजाल से बची रहे। ऐसे में युवाओं को भी चाहिए कि वह नशे की लत से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए खेलों की ओर ध्यान दें। स्वयं भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इससे दूरी बनाकर रखने के लिए प्रेरित करें। इस मौके पर गंगेश्वर शर्मा, गोपाल शर्मा, सौरभ शर्मा प्रणव शर्मा और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

37 साल पहले आया

माधुरी दीक्षित

का वो सुपरहिट गाना, जिसमें अनिल कुमार ने जबरदस्ती डलवाया था अपना वर्जन

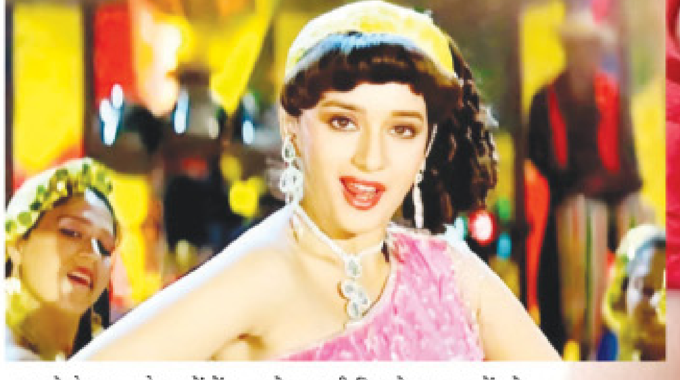

पहले के समय के गानों में कुछ तो बात थी कि लोग उन गानों को सुनकर आज भी उस पर झूम उठते हैं. उन्हीं पॉपुलर गानों में से अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित का गाना एक, दो, तीन भी था. ये फेमस गाना साल 1988 में आई फिल्म 'तेजाब' का था, जिसे जावेद अख्तर ने लिखा था. हालांकि, एक शो में एक्टर ने इस गाने को लेकर कमाल का खुलासा किया था. एक्टर ने बताया था कि पहले ये गाना केवल माधुरी के ही लिए बनाया गया था.

अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित स्टारर 'तेजाब' ने उस वक्त पर बॉक्स ऑफिस पर काफी कमाल किया था. इसके साथ ही साथ फिल्म के सभी गाने भी काफी फेमस हो गए थे. इन्हीं में से एक गाना एक, दो, तीन भी है, जिसे लोग आज भी सुनना काफी पसंद करते हैं. इस गाने पर माधुरी के लुक्स और उनके डांस को लेकर काफी तारीफ की गई थी. इस फेमस गाने में अनिल कपूर भी शामिल थे, जो कि बाद में बदलाव के बाद संभव हो पाया.

फीमेल वर्जन का था गाना

दरअसल, अनिल कपूर काफी वक्त पहले द कपिल शर्मा शो का हिस्सा बने थे. इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी फिल्मों का जिक्र शुरू कर दिया था. अनिल ने 'तेजाब' के बारे में बात करते हुए बताया कि जब उन्होंने एक, दो, तीन गाना सुना, तो उसी वक्त उन्हें पता लग गया था कि ये गाना सुपरहिट साबित होगा. गाना सुनने के बाद एक्टर ने मेकर्स से मांग की कि वो भी इस गाने का हिस्सा बनेंगे. लेकिन मेकर्स ने उनसे बताया कि ये गाना फीमेल के लिए लिखा गया है.

जबरदस्ती स्क्रिप्ट में डलवाया

बाद में एक्टर ने खुद जावेद अख्तर से बाद की और उनसे इस गाने में अपना वर्जन भी लिखने की मांग की. हालांकि, पहले तो उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में वो इस बात के लिए मान गए. शो में एक्टर ने कहा कि ये गाना स्क्रिप्ट में ही नहीं था, लेकिन मैंने जबरदस्ती उसे डाला था. खैर, आखिर में तो फिल्म और गाने दोनों ही काफी हिट साबित हुए और लोगों से तारीफें भी मिली थी.

5-5 सुपरस्टार्स, करोड़ों का बजट, 18 साल पहले आई वो फिल्म, जिसे FLOP होने से सलमान-गोविंदा भी नहीं बचा पाए

बॉलीवुड में हर साल ढेरों फिल्में रिलीज होती हैं. लेकिन वो फिल्म खास बन जाती है जिसमें कई बड़े सुपरस्टार्स होते हैं. लेकिन हमेशा ऐसा नहीं हो पाता है. क्योंकि बॉलीवुड की कुछ मल्टीस्टारर फिल्में खूब पसंद की गई हैं तो कुछ मल्टीस्टारर फिल्में टिकट खिड़की पर औंधे मुंह भी गिर गई थीं. आज हम आपसे एक ऐसी ही फिल्म को लेकर बात करेंगे.इस फिल्म में एक दो नहीं बल्कि पांच-पांच बड़े सुपरस्टार्स थे, लेकिन फिर भी फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ था. इसमें सलमान खान और गोविंदा जैसे बड़े स्टार भी थे. लेकिन उनका स्टारडम भी धरा का धरा रह गया था. ये फिल्म 35 करोड़ रुपये के अच्छे खासे बजट में तैयार की गई थी. लेकिन इसकी कमाई बजट से भी बहुत कम हो पाई थी. ये अपना बजट तक निकालने में नाकाम रही.

'सलाम ए इश्क' में थे 5 बड़े स्टार

हम आपसे बात कर रहे हैं फिल्म 'सलाम ए इश्क' की जो कि 18 साल पहले 25 जनवरी 2007 को रिलीज हुई थी. इसे डायरेक्ट किया था निखिल आडवाणी ने. बतौर डायरेक्टर ये उनकी दूसरी ही फिल्म थी. इससे पहले उन्होंने डायरेक्टर के रूप में पहली फिल्म 'कल हो ना हो' बनाई थी जो सफल रही थी. लेकिन सलाम-ए-इश्क को दर्शकों ने नकार दिया. सलाम ए इश्क में सलमान खान और गोविंदा के अलावा विद्या बालन, अनिल कपूर, जूही चावला, जॉन अब्राहम, आयशा टाकिया, शैनन एसरा, सोहेल खान और अक्षय खन्ना जैसे स्टार भी थे. ये फिल्म ब्रिटिश फिल्म 'लव एक्चुअली' का रीमेक थी.

35 करोड़ में बनी, बजट नहीं नहीं निकला

गोविंदा ने राजू, सलमान ने राहुल, प्रियंक ने कामिनी, अनिल कपूर ने बिनय मल्होत्रा, जूही ने सीमा मल्होत्रा और विद्या ने तहजीब नाम का किरदार निभाया था. मेकर्स ने फिल्म को बनाने में 35 करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम खर्च की थी. लेकिन बदले में उन्हें नुकसान झेलना पड़ा था. ये मल्टीस्टारर फिल्म दर्शकों को अपनी तरफ खींचने में सफल नहीं हो पाई. और दर्शकों के साथ ही मेकर्स के हाथ भी सिर्फ निराशा ही लगी. इसने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 22.73 करोड़ रुपये की कमाई की थी और ये हिंदी सिनेमा की डिजास्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

'तुझमें रब दिखता है...' अनुष्का शर्मा को छोड़ जब विराट कोहली ने इस लड़की के लिए गाया गाना, घुटनों पर बैठे

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली. क्रिकेट-सिनेमा की ये जोड़ी काफी हिट है. एक क्रिकेट की दुनिया का 'किंग' है तो एक ने बड़े पर्दे पर राज किया है. विराट और अनुष्का को फैंस पावर कपल के रूप में देखते हैं. दोनों के दिल में एक दूसरे के प्रति काफी प्यार है और दोनों अक्सर ही फैंस को कपल गोल्स देते हैं.कई मौकों पर अनुष्का और विराट ने एक दूसरे के प्रति अपने प्यार को जाहिर किया है. लेकिन एक बार विराट, अनुष्का नहीं, बल्कि एक लड़की के लिए घुटनों पर बैठ गए थे. इतना ही नहीं उन्होंने उस लड़की के लिए बॉलीवुड का पॉपुलर सॉन्ग 'तुझमें रब दिखता है' भी गाया था. इसके अलावा वो लड़की विराट का हाथ पकड़कर डांस करती हुई भी नजर आई थी. अब सोशल मीडिया पर विराट कोहली का वो पुराना वीडियो काफी वायरल हो रहा है.

विराट ने अपनी फैन के लिए गाया गाना

सोशल मीडिया पर विराट कोहली का एक वीडियो सुर्खियों में है. विराट जब कपिल शर्मा के शो 'कॉमेडी नाइट्स' में गए थे तब उन्होंने अपनी एक फैन के लिए गाना गाया था. करीब एक दशक पहले विराट ने कपिल के शो में शिरकत की थी. तब एक फैन ने उनसे कहा था, 卐मैंने कहीं पढ़ा था आपने घुटनों के बल बैठकर किसी स्पेशल पर्सन के लिए 'तुझमें रब दिखता' है गाना गाया था.卐 फिर लड़की ने कहा था कि वो सचिन तेंदुलकर थे. इस पर विराट ने कहा था बात तो सही है. फिर लड़की ने विराट से रिक्वेस्ट की थी कि क्या आप मेरे लिए भी वो गाना गाएंगे ? इसके बाद विराट ने अपनी फैन के लिए भी सिंगिंग की थी.

लड़की के लिए घुटनों पर बैठे कोहली

विराट से अपने लिए सिंगिंग की रिक्वेस्ट करने वाली लड़की बाद में क्रिकेटर के पास आ गई थीं. इसके बाद कोहली ने महिला फैन से हाथ मिलाया. और फिर उन्होंने उसके लिए 'तुझमें रब दिखता है' गाना गाया. इस दौरान विराट अपनी फैन का हाथ पकड़कर उसे डांस भी कराते रहे. आखिरी में विराट लड़की के सामने घुटने पर भी बैठ गए थे. फिर उन्होंने गाना खत्म करने के बाद फैन को गले लगा लिया था. विराट ने फिर कपिल शर्मा को बताया था कि 2011 का वर्ल्ड कप जीतने के बाद उन्होंने हरभजन सिंह और युवराज सिंह के साथ घुटने के बल बैठकर सचिन तेंदुलकर के लिए ये गाना गाया था. सोशल मीडिया पर विराट का ये पुराना वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है.

रवीना टंडन

की फिल्म में जब शाहरुख खान को अजय देवगन ने किया रिप्लेस, 6 गुना ज्यादा हुई कमाई

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने 90ह्र के दशक में कई सारी बड़ी फिल्मों में काम किया था. वे अपने अब तक के करियर में कई सारी मल्टीस्टारर फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. साल 1994 में उनकी पिल्म दिलवाले रिलीज हुई थी. इस फिल्म का बजट 2 करोड़ रुपये के करीब था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसमें रवीना और सुनील के अलावा अजय देवगन भी शामिल थे. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म के लिए शाहरुख खान पहली पसंद थे. मगर बात बन ना सकी और फिर उनकी जगह फिल्म में अजय देवगन की एंट्री हुई थी. और उनकी एंट्री लगता है फिल्म के लिए लकी साबित भी हुई.सिद्धार्थ कनन से बातचीत के दौरान दिलवाले के राइटर करण राजदान ने कहा- जो रोल दिलवाले फिल्म में मैंने अजय देवगन को ऑफर किया था वो पहले शाहरुख खान को दिया गया था. उनके लिए ही ये रोल लिखा गया था. मैं उन्हें ये कहानी सुनाने के लिए उनके घर गया था और उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट काफी पसंद भी आई थी. लेकिन उन्होंने मुझे सुझाव दिया था कि इस फिल्म के अंत में लड़की को दूसरे लड़के के साथ भाग जाना चाहिए. लेकिन मैंने उनका सुझाव ठुकरा दिया था. इसके बाद उन्होंने मेरे साथ काम करने से मना कर दिया था.इसके बाद राजदान ने ये रोल अजय देवगन को ऑफर किया और उन्होंने फौरन ही इस रोल को प्ले करने के लिए अपनी हामी भर दी. इसके बाद तो इतिहास गवाह है. इस फिल्म का बजट 2 करोड़ रुपये का था और ये फिल्म सिनेमाघरों में 12 करोड़ की कमाई करने में सफल रही थी.